राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर ...

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड... 11

वर्ष : 14 | अंक : 337 | नई दिल्ली, रविवार, 21 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने महानदी नाव हादसे पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा में महानदी नाव हादसे पर दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि ओडिशा के झारसुगुड़ा के पास महानदी नदी में एक नाव पलटने से कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। मैं त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर संदेश में लिखा, ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव पलटने की दुखद घटना से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

महानदी नाव हादसे में अबतक सात शव बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा में शुक्रवार को महानदी में लखनपुर के शरधा में नाव डूबने की घटना में अभी तक सात शव बरामद कर लिये गये हैं। शनिवार सुबह प्रशासन द्वारा चलाये गये सर्च आपरेशन में छह शव बरामद किये गये हैं। शुक्रवार को हादसे के बाद एक महिला का शव बरामद कर लिया गया था। इस मामले में एक और व्यक्ति के लापता होने की बात कही जा रही है। आज सुबह पांच बजे से सर्च आपरेशन प्रारंभ किया गया था। पांच स्कूबा ड्राइवर व दो सर्चकैमरे के सहायता से लापता लोगों को ढूंढने के लिए प्रयास शुरू किये गये थे। इस हादसे में मारे गये सभी मृतक सीमावर्ती छत्तीसगढ़ के खरसेनी इलाके के हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करने के साथ-साथ प्रत्येक मृतक के आश्रितों के लिए चार लाख रुपये की अनुकंपा राशि की घोषणा की है।

सीएम नीतीश ने पूर्णिया व कटिहार में चुनावी सभा को किया संबोधित

2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था लोग बाहर निकलने से डरते थे : नीतीश

- सीएम ने लालू यादव के परिवारवाद पर किया हमला
- बोलें-पति हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया

प्रातः किरण

पटना/ कटिहार/ एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद व लालू परिवार पर लगातार हमलावर हैं। शनिवार को कटिहार में चुनावी ˙जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग इन दिनों सब कुछ दावा करते हैं। जब उन्हें हटाया गया तो उन्होंने अपनी पत्नियों को नियुक्त किया। अब, इन दिनों यह उनके बच्चे हैं। आप पैदा तो बहुत कर दिए। इतना ज्यादा बाल-बच्चा किसी को पैदा करना चाहिए किसो को क्या? लेकिन, इतना किया। अब उन्होंने अपने बेटे-बेटियों सबको शामिल कर लिया है, वो हर जगह कुछ-न-कुछ कहते रहते हैं, पुरानी बातें भूल जाते हैं, इसलिए मैं सबको बताना चाहता हूं कि कोई भी काम नहीं हो पाता था बाहर, कोई सड़क या शिक्षा नहीं थी। इससे पहले पूर्णिया के बनमनखी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पति-पत्नी ने बिहार में राज किया। पति हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया। 2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था। लोग बाहर निकलने से डरते थे। इसके बाद देखिए कितना काम हुआ है। हमने सब काम करवाया। उन्होंने कहा कि कहा कि नीतीश कुमार ने लोगों से कहा कि अपने बच्चों को बताइए कि पहले क्या हाल थे और अब क्या हैं। उन लोगों के राज में हिंदू-मुस्लिम के झगड़े होते थे। मुस्लिम वोट के लिए कुछ भी करते थे। हम आए तो देखिए झगड़े बंद हो गए। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने बीमा भारती जमकर निशाना साधा। उन्होंने रहा कि बीमा भारती को विधायक बनाए, कैबिनेट में भी शामिल किया। जिद पर अड़ी थीं मंत्री बना दीजिए। मना कर दिए तो सब कुछ भूल के इधर से उधर चली गई। बिहार के विकास के लिए हमलोगों ने कितना काम किया है। देर शाम होते ही लोग 2005 से पहले नहीं निकलते, लेकिन जब से हम सरकार बने जंगलराज को मिटा दिए। इस दौरान तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि नौकरी हमने दी है। जब हम एनडीए के साथ थे, तभी लोगों को रोजगार और नौकरियां मिल रही थी। सीएम ने कहा कि उन लोगों को खुला छोड़ा तो इधर से उधर गड़बड़ी कर रहे थे। बर्दाश्त से बाहर हुआ तो अलग होना पड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के पक्ष में वोट करने की लोगों से अपील की। नीतीश कुमार ने कहा कि आप लोग इधर-उधर नहीं एक जुट होकर एनडीए को वोट देकर पुनः नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाइये। हम आपलोगों से आग्रह करने आए हैं। हम तो बराबर आकर आप लोगों से मिलते रहते हैं। पूर्णिया में तो अब बहुत जल्द हवाई अड्डा भी बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य मदरसा बोर्ड का पूर्णिया में क्षेत्रीय कार्यालय खोला गया है। पूर्णिया में मेडिकल कॉलेज, पारा मेडिकल कॉलेज संस्थान, एएनएम, जीएनएम स्थापना की गई है। इस मौके पर संजय झा, राज्यसभा सांसद ने कहा की संतोष कुशवाहा एनडीए के पूर्णिया से उम्मीदवार हैं, जिनके ऊपर कोई भी मुकदमा नहीं है। संतोष कुशवाहा का परिचय है कि गलत आदमी नहीं है। सामने वाले के ऊपर कितना केस है वो आप सभी को मालूम है। संजय झा ने कहा कि देश को मोदी और बिहार को नीतीश की जरूरत है। तीसरा का कोई जरूरत नहीं है।

पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया: मोदी

पीएम ने चुनावी सभा को किया संबोधित, विपक्ष पर बोला हमला

प्रातः किरण

मुंबई/एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नांदेड में कहा कि पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया है। दरअसल, देश की जनता को यह एहसास हो रहा है कि इंडी गठबंधन अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए एक साथ आया है। इंडी अलायंस की पार्टियां देश की 25 फीसदी सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही हैं, इन पर आम जनता विश्वास नहीं कर पा रही है। मोदी शनिवार को भाजपा के नांदेड़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार प्रतापराव चिखलीकर और हिंगोली लोकसभा सीट से उम्मीदवार बाबूराव कोहलीकर के प्रचार के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को देश में पहले चरण का मतदान हुआ। मैं सभी मतदाताओं और विशेषकर पहली बार के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। मतदान के बाद कई लोगों ने बूथ स्तर तक का विश्लेषण किया है। इसे देखकर ऐसा लग रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा वोट पड़ा है। मैं देश के नागरिकों से अपील करता हूं कि आप एनडीए की जीत सुनिश्चित कर रहे हैं। मैं इसके लिए सभी को धन्यवाद देता हूं लेकिन जो लोग वोट नहीं देते, उनसे मैं कहना चाहूंगा कि आपको किसी को वोट देना चाहिए। वोट देने से पीछे न हटें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का जवान विपरीत माहौल में भी देश की रक्षा के लिए सीमा पर अपना कर्तव्य निभा रहा है। उसी प्रकार मतदाताओं को भी मतदान को कर्तव्य समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड के अलावा अन्य सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र तलाश रहे हैं। 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान के बाद राहुल गांधी दूसरी सीट तलाशेंगे, क्योंकि उन्हें अमेठी छोड़ना पड़ा। इसी तरह वे वायनाड भी छोड़ देंगे। उन्होंने सोचा नहीं होगा कि कांग्रेस की ऐसी हालत होगी। यह ऐसी स्थिति है कि जिस परिवार से कांग्रेस पार्टी चलती है, वह भी अपनी ही पार्टी को वोट नहीं दे सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संदर्भ में कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के कुछ नेता लोकसभा छोड़कर राज्यसभा में चले गए क्योंकि उनमें चुनाव लड़ने का साहस नहीं है।

विपक्षी गठबंधन के पास कोई चेहरा ही नहीं :

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास कोई चेहरा ही नहीं है। मोदी ने कहा, वे जो चाहे दावे करें लेकिन हकीकत यही है कि कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव की घोषणा से पहले ही हार स्वीकार कर ली। उन्होंने मतदाताओं से लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकलने अपील की। मोदी ने कहा, आप वोट देकर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं बल्कि आप देश का भविष्य सुरक्षित कर रहे हैं। मैं विपक्ष के पार्टी कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाना चाहता हूं। आपका (विपक्षी नेता) चुनाव हारना तय है लेकिन आपको कभी मौका मिलेगा। आपको भी मतदाताओं से मतदान की अपील करनी चाहिए।

भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार : सीजेआई

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के अधिनियमन को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं।

सीजेआई ने कहा, संसद द्वारा इन कानूनों को अधिनियमित किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियमित कानून भारतीय न्याय संहिता, ह्यभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे।

सीजेआई ने मतदाताओं से अवश्य मतदान करने का किया आग्रह : प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह करते हुए कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के माई वोट माई वॉयस मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। उन्होंने कहा, संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए।

कांग्रेस नेता ने भागलपुर में चुनावी सभा को किया संबोधित, भाजपा पर बोला हमला

इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे : राहुल

कांग्रेस नेता ने हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार देने का किया वादा

प्रातः किरण

भागलपुर/एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र में चुनाव बाद इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को समाप्त करने और देश के हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार देने वादा किया। श्री गांधी ने शनिवार को यहां कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस तरह मनरेगा के तहत रोजगार का अधिकार दिया उसी तरह केंद्र में बनने वाली हमारी अगली सरकार देश के हर स्नातक और डिप्लोमा धारी को पहली नौकरी का अधिकार देगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहली नौकरी के अधिकार का मतलब है कि देश के सभी के सभी ग्रेजुएट और डिप्लोमाधारी को एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप मिलेगी। इस दौरान उन्हें प्रति माह आठ हजार पांच सौ रुपये की दर से साल में एक लाख रुपए उनके अकाउंट में खटाखट-खटाखट मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ट्रेनिंग होगी और पहले साल उन्होंने अच्छा काम किया तो उनकी नौकरी स्थाई हो जाएगी। यह नौकरी प्राइवेट सेक्टर, पब्लिक सेक्टर और सरकार में होगी। श्री गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और सेना के खिलाफ अग्निवीर योजना लागू की है। ये योजना हिंदुस्तान के किसी भी युवा को अच्छी नहीं लगती है। उन्होंने कहा,जैसे ही केंद्र में हमारी इंडिया की सरकार आयेगी, हम इस योजना को उठा कर फेंक देंगे, खत्म कर देंगे। इस योजना की कोई जरूरत नहीं है। हिंदुस्तान को दो तरह के शहीद नहीं चाहिए। सभी को शहीद का दर्जा सबको मिले, पेंशन और कैंटीन का लाभ भी सबको मिले। दो तरह के जवान हमें नहीं चाहिए इसलिए अग्निवीर योजना को हम उठाकर फेंक देंगे और जैसे पहले चलता था वैसे ही करेंगे।

संविधान को खत्म करने के भाजपा के प्रयास को सफल नहीं होने देंगे : श्री गांधी ने भाजपा पर संविधान को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन उसके इस प्रयास को विफल कर देगा। बिहार में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने लोकसभा चुनाव में 370 से अधिक सीट जीतने के भाजपा के दावे पर पर कहा, उसकी संख्या 150 से आगे नहीं जाएगी। गांधी ने कहा, इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रहा है जिसे भाजपा-आरएसएस खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यहां कहा, देश के गरीबों, दलितों और आदिवासियों को जो कुछ भी मिला है, वह संविधान के कारण है। अगर संविधान को खत्म कर दिया गया, तो सभी चीजें खत्म हो जाएंगी। गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर अत्यधिक अमीरों की समर्थक होने का आरोप लगाते हुए दावा किया, उनके शासन में केवल 22 लोगों के पास 70 प्रतिशत आबादी के बराबर संपत्ति है। हम इसे बदलना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में किए गए वादों का जिक्र करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार पाने के अधिकार के तहत अप्रेंटिसशिप करने वालों को एक लाख रुपये और प्रत्येक महीने 8,500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। गांधी ने कहा कि इसके तहत पहले साल अच्छा काम करने पर स्थायी नौकरी मिलेगी जिससे देश को एक प्रशिक्षित कार्य बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर सेना में पुरानी भर्ती व्यवस्था को लागू किया जाएगा तथा मोदी सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ लाए गए गलत कानून को रद्द कर उनके उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाएगा।

भाजपा की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर बोला। तेजस्वी यादव ने अपने तीन मिनट के भाषण में कहा कि भाजपा की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। पहले और दूसरे फेज में हम जीत रहे हैं। कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में कुछ और कहा था, वह पूरा नहीं हो पाया। 2019 में जो वादा किया, वह भी पूरा नहीं हो पाया। 2024 में 400 पार कर रहे थे लेकिन पहले दिन ही इनकी फिल्म फ्लॉप हो गई। जनता ऊब चुकी है इनके जुमलों और झूठे वादों से। इस बाद तो अद्भुत है। इनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का जिक्र तक नहीं किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेताओं में से किसी ने भी विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग नहीं की। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनती है तो विशेष राज्य का दर्जा के साथ विशेष पैकेज भी देंगे। विशेष पैकेज के तहत एक लाख 60 हजार करोड़ दिया जाएगा। यानी एक लोकसभा के लिए चार हजार करोड़ रुपये दिया जाएगा। हमलोग जानते हैं बिहार में किस चीज की जरूरत है। 17 महीने में हमलोगों ने पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। जनता भी जान चुकी है। इस बार का चुनाव लोकल मुद्दों पर हो रहा है। लोकल मुद्दा बिहार में हावी है। इसपर ही लोकसभा चुनाव हो रहा है।

बिहार सरकार

संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

विश्व को ''अहिंसा परमो धर्मः'' का पाठ पढ़ाने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के संदेश आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तम्भ हैं। अज्ञानता के अंधकार में जब मनुष्य भटक कर अपने पथ से विचलित होने लगता है, तब इनकी अमृतवाणी मानवता को सही मार्ग दिखाती है।

आज भगवान महावीर जयंती का दिन उनके त्याग और तपस्या को याद करने का दिन है। अहिंसा के संदेशवाहक भगवान महावीर का जीवन दर्शन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। लोगों से मेरी अपील है कि आज के दिन को निरामिष दिवस के रूप में मनायें एवं भगवान महावीर के उपदेशों को आत्मसात् करें।

मेरी ओर से समस्त बिहारवासियों को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 00085 (Home) D. 2024-25

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

महावीर जयन्ती के पावन अवसर पर मैं समस्त बिहारवासियों एवं देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के बहनों एवं भाइयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने सत्य, अहिंसा, त्याग, संयम और अपरिग्रह का संदेश दिया। उनके जीवन और विचार हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं।

आइए, हम सब भगवान महावीर स्वामी द्वारा बताये मार्ग पर चलकर सभ्य, शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

(राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर)

PR No.- 00106 (Governor Secretariat) D. 2024-25

संक्षिप्त समाचार

सड़क से लेकर मतदान केंद्रों तक रहा सन्नाटा

नैनीताल, एजेंसी। सामान्य दिनों की तुलना में शुक्रवार को जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों से लेकर मतदान केंद्रों तक सन्नाटा पसरा रहा। सुबह के समय पोलिंग बूथों में भीड़ नजर आई लेकिन दोपहर बाद किसी भी बूथ में मतदाताओं की कतार नजर नहीं आई। एक ओर मतदान का प्रतिशत कछुआ चाल चल रहा था, तो वहीं दूसरी ओर भीमताल से नैनीताल तक जगह-जगह धधकते जंगल चटख धूप में तापमान को बढ़ाने का काम कर रहे थे। भीमताल और नैनीताल विधानसभा क्षेत्र में सुबह नौ बजे तक आठ फीसदी ही वोट पड़े थे जबकि 11 बजे भीमताल में 21.24 और नैनीताल में 20 फीसदी वोट पड़ चुके थे। दोपहर बाद अधिकांश बूथों में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं भीमताल, भवाली और नैनीताल में अधिकांश दुकानों के शटर गिरे रहे। सुबह 11:30 बजे के करीब मेहरागांव स्थित सरकारी स्कूल में बने पोलिंग बूथ में सात आठ मतदाता वोट देने के लिए लाइन में दिखे। जबकि दोपहर 12 बजे भवाली के टम्टयूड़ा रेहड़ में स्थित प्राइमरी पाठशाला और गांधी कॉलोनी स्थित लोनिवि डाकबंगला बूथ में 20 से 25 फीसदी तक मतदान हो चुका था। दूसरी ओर दोपहर 12:30 बजे के करीब भवाली बाजार में सन्नाटा था। भीमताल से लेकर नैनीताल तक सड़कों पर गिने चुने वाहन ही नजर आ रहे थे। अलबत्ता भवाली-नैनीताल सड़क में कुछ सैलानी टैक्सी बाइकों से आवाजाही करते दिखे। वहीं सड़कों के किनारे सैलानियों से गुलजार रहने वाली अधिकांश फूड वैन भी मौके पर नजर नहीं आई।

1117 यात्री वाहन चुनाव ड्यूटी में, यात्रियों को झेलनी होगी दिक्कत

अल्मोड़ा, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए जिले भर में 1117 यात्री वाहनों का अधिग्रहण किया गया है। जिले की अधिकांश सड़कों से केमू, रोडवेज बस और टैक्सी गायब हैं। ऐसे में शनिवार यानी आज भी यात्रियों को वाहनों के लिए भटकना होगा। लोगों को मतदान करने के बाद अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए वाहनों की कमी से जूझना होगा। लोकसभा चुनाव के लिए जिले की अल्मोड़ा, जागेश्वर, सोमेश्वर, द्वाराहाट, रानीखेत, सल्ट विधानसभाओं में केमू, रोडवेज बस, टैक्सी सहित 1117 वाहनों का अधिग्रहण किया गया है। 207 रोडवेज, केमू बस, 910 टैक्सी चुनाव ड्यूटी में हैं। बीते कई दिनों ने सड़कों पर अधिकांश केमू, रोडवेज बस और टैक्सी का संचालन न होने से यात्री परेशान हैं। शनिवार यानि आज पोलिंग पार्टियां मतदान कराकर लौटेंगी। ऐसे में यात्रियों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद कम है और उन्हें वाहनों के लिए जूझना होगा।

झपट्टा मारकर उड़ाया महिला के गले से सोने का मंगल सूत्र

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर में दिनदहाड़े एक महिला से चेन स्नैचिंग का मामला सामने आया है। एक महिला मतदान कर घर को लौट रही थी तभी रास्ते में एक बदमाश उसके गले पर झपट्टा मारकर एक तोला सोने का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गया। जिला मुख्यालय पर आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने में नाकाम साबित हो रही है। पहले लगातार लूट और अब चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देकर अपराधी पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। शुक्रवार दोपहर ढूंगाधारा निवासी एक महिला राजकीय प्राथमिक विद्यालय एडम्स में बनाए गए मतदान केंद्र में मतदान कर वापस लौट रही थी। चीनाखान में नौघर के पास महिला को अकेला देखकर एक बदमाश ने महिला के गले पर झपट्टा मारा। महिला का गला दबाया और एक तोला सोने का मंगलसूत्र लूट कर फरार हो गया। महिला की रोने की आवाज सुनकर वहां लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर एनटीडी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। बता दें कि इससे पहले एडम्स, गोपालधारा क्षेत्र में लूटपाट की घटनाएं हुई थीं।। बीते वर्ष नवंबर माह में इसी इलाके में एक बुजुर्ग और उसके बाद एक मजदूर से लूटपाट का मामला सामने आया था।

पीएम मोदी के 'मन की बात' के मॉडल गांव वालों ने नहीं डाला वोट, धरने पर बैठे

रानीखेत, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात के माडल गांव सुनियाकोट के मतदाता बूथ तक नहीं पहुंचे। गांव को सड़क सुविधा न मिलने से नाराज ग्रामीणों ने पहले ही चुनाव में हिस्सा न लेने का एलान कर दिया था।

मगर संयुक्त मजिस्ट्रेट के हस्तक्षेप पर नोटा दबाने का निर्णय लिया गया था। लेकिन अंतिम चरण में ग्रामीणों की पंचायत में वोट न डालने का जो मन बनाया गया, उस पर मतदाता कायम रहे। मतदान के बजाय उन्होंने धरना दिया। प्रधान ने दावा किया कि गांव के 190 मतदाताओं ने मतदान नहीं किया।

वर्ष 2020 में नौगांव पुनौरा रोड से जोड़ सुनियाकोट से कोटुली तक चार किमी सड़क स्वीकृत हुई थी। पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह परिहार ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि ब्लाक स्तर से जल्दबाजी में सड़क कटान शुरू किया गया, लेकिन आधी अधूरी छोड़ परेशानी में डाल दिया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सड़क निर्माण की घोषणा की थी, लेकिन कोई प्रगति न हो सकी। इसी से खिन्न होकर ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव से खुद को दूर रखने का एलान कर दिया था। इसी के मद्देनजर बीती दो अप्रैल को संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा

अग्रवाल खुद सुनियाकोट गांव पहुंची थी। प्राथमिक विद्यालय में बैठक बुलाई गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने भरोसा दिलाया कि आचार संहिता हटते ही सड़क निर्माण शुरू कराने के भरसक प्रयास किए जाएंगे। तब ग्रामीणों ने एक सुर से मतदान में हिस्सा लेने का मन बना लिया। साथ ही यह भी तय हुआ कि मतदाता राजनेताओं से त्रस्त होकर नोटा दबाएंगे।

इधर शुक्रवार को मतदान वाले दिन नया मोड़ आ गया। ग्राम प्रधान नीमा देवी व पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि सुनियाकोट का एक भी उपेक्षित मतदाता बूथ तक नहीं पहुंचा। सुनियाकोट में करीब 190 मतदाता हैं।

ग्राम प्रधान नीमा देवी ने यह भी बताया कि सड़क के लिए अरसे से मुद्दा उठाते आ रहे इसी ग्राम पंचायत के कोटुली व सौनी गांव के मतदाताओं ने चुनाव में तो हिस्सा लिया लेकिन अधिकांश ने नोटा दबाया। सुनियाकोट प्राथमिक विद्यालय में सुनियाकोट के साथ ही सिरोली व ऊखीना गांव का बूथ है। वहीं संयुक्त मजिस्ट्रेट मतदान के लिए पूरा जोर लगाए रहीं।

वर्ष 2019 में सुनियाकोट के ग्रामीणों ने पेयजल संकट से निपटने को युक्ति बनाई। बाहरी राज्यों में नौकरी कर रहे अथवा बस चुके गांववासियों ने अंशदान का मन बनाया। तय हुआ कि बगैर सरकारी सहायता के ही पेयजल योजना बनाई जाएगी। इसके लिए आपस में सामर्थ्य के अनुसार चंदा जुटाया गया। करीब 42 हजार रुपये का पंप खरीदा गया। डेढ़ किमी दूर स्रोत से योजना के निर्माण को बच्चों से लेकर बड़े और महिलाओं ने श्रमदान कर सरिया, रोड़ी, रेता बजरी ढोकर श्रमदान में हाथ बंटाया। कुछ ही दिन में योजना बन गई और तलहटी से शिखर की ओर पानी पहुंचा दिया गया। जनवरी 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में ताड़ीखेत ब्लाक के सुनियाकोट का जिक्र कर ग्रामीणों के हौसले, श्रमदान और योजना बनाने की तरकीब की तारीफ की। मगर राज्य सरकार गांव को सड़क सुख न दे सकी। रानीखेत संघर्ष समिति के संयोजक मंडल ने भी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

अल्मोड़ा में लोकसभा चुनाव के लिए बना स्ट्रांग रूम के पास पहुंची जंगल की आग, दहशत

अल्मोड़ा, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए बना गए स्ट्रांग रूम के पास के जंगल में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें स्ट्रांग रूम में लगे जनरेटर तक भी पहुंच गई। इससे वहां खतरे की आशंका बढ़ गई। दमकल कार्मिकों की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। शुक्रवार की सुबह फलसीमा आइटीआइ के पास जंगल में आग लगी हुई थी।

धीरे-धीरे आग जंगल से आइटीआइ के पास पहुंचने लगी। आग की लपटें देख लोगों में दहशत फैल गई। आग ने विकराल रूप ले लिया था। आग की लपटों ने पूरे जंगल को आगोश में ले लिया। आइटीआइ में लोकसभा चुनाव को लेकर स्ट्रांग रूम बना हुआ है। ऐसे में वहां आग की तेज लपटें फैलने से ड्यूटी में लगे कार्मिकों में भी दहशत फैलने लगी। लोगों ने फायर सर्विस अल्मोड़ा को आग लगने की सूचना दी।

सूचना मिलते ही टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्ट्रांग रूम के चारों ओर जंगल में आग फैल गई थी। लीडिंग फायरमैन किशन सिंह के नेतृत्व में टीम ने मोटर फायर इंजन से पंपिंग कर होजरील की सहायता से रुक-रुककर आग बुझाना शुरू किया। तेज होती आग की लपटें देख टीम ने फायर स्टेशन से दूसरा वाहन मंगवाया।

दोनों वाहनों से पंपिंग कर होजरील की सहायता से स्ट्रांग रूम के आसपास लगी आग को बुझाया गया। जंगल की आग तेज हवाओं के साथ स्ट्रांग रूम में स्थापित जनरेटर के पास तक पहुंच चुकी थी। आग बुझाने वाली टीम में एलएफएम किशन सिंह, हरीश राम, चालक हरि सिंह, मुकेश सिंह, विपिन बडोला, एफएम प्रकाश पांडे, देवेंद्र गिरी, धीरेंद्र सिंह आदि रहे।

लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार शाम को मतदान संपन्न हो गया है। इसके बाद पोलिंग पार्टियां बस्ते लेकर रुद्रपुर बिगवाड़ा मंडी स्थित स्ट्रांग रूप में देर रात तक जमा कराते रहे। सभी इवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच कंट्रोल रूम में रखा गया। ट्रिपल लेयर सिक्योरिटी की निगरानी में इवीएम रहेगा। मतगणना के वक्त इसे खोला जाएगा।

नैनीताल-ऊधम सिंह नगर लोकसभा समान्य निर्वाचन 2024 के लिए मतदान सकुशल संपन्न हुआ। इस बार जिले के नौ विधानसभा में कुल 1465 बूथ बनाए गए थे। इतने ही इवीएम, सीयू, वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया गया।

सात फेरे लेने से पहले युवती ने किया मतदान

नैनीताल, एजेंसी। विधानसभा क्षेत्र के सौड़ गांव निवासी शोभा ने शुक्रवार को सात फेरे लेने से पहले अपने बूथ में जाकर वोट दिया। उसके बाद वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल हुई। वोट देकर लौटी युवती ने बताया कि उन्हें मतदान कर देश का भविष्य चुनने की ताकत मिली है, इसलिए शादी से पहले वह वोट डालने पोलिंग बूथ पहुंची हैं। अल्मोड़ा के जौरासी से आई थी। एक ओर घर में सभी लोग शादी की तैयारियों में जुटे हुए थे। वहीं सुबह उठते ही शोभा मतदान करने के पोलिंग बूथ पहुंच गई। सौड़ के बूथ संख्या 158 में उसने अपना पहला वोट डाला। उसने बताया कि वह नए जीवन व भविष्य की शुरुआत करने जा रही हैं। लेकिन देश के भविष्य के लिए उनका वोट जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तो अपनी जिम्मेदारी निभा दी है। अब सरकार की बारी है कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क से जुड़ी समस्याएं हल कराए।

नैनीताल सीट पर 15 साल में सबसे कम मतदान, वोट प्रतिशत कम होने के ये रहे प्रमुख कारण

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल सीट पर 61.75 प्रतिशत मतदान हुआ। वर्ष-2019 लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो इस संसदीय सीट पर मतदान 7.70 प्रतिशत घट गया है। इस साल पिछले 15 सालों में सबसे कम मतदान हुआ। वोटिंग कम होने के पीछे विशेषज्ञ कई कारण बता

नैनीताल ऊधम सिंह नगर संसदीय सीट पर 61.75 प्रतिशत मतदान हुआ। वर्ष-2019 लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो इस संसदीय सीट पर मतदान 7.70 प्रतिशत घट गया है। इस साल पिछले 15 सालों में सबसे कम मतदान हुआ। वोटिंग कम होने के पीछे विशेषज्ञ कई कारण बता

नैनीताल-ऊधम सिंह नगर संसदीय सीट पर ऊधम सिंह नगर जिले की नौ और नैनीताल जिले की पांच विधानसभा आती हैं। इस संसदीय सीट पर 20,15,809 मतदाता हैं। संसदीय सीट पर बने 2329 पोलिंग बूथ पर लोगों ने मतदान किया। शाम पांच बजे तक संसदीय सीट पर 61.75 प्रतिशत मतदान हुआ। इस संसदीय सीट पर नैनीताल विधानसभा सीट पर सबसे कम 50.24 और सितारगंज में सबसे अधिक 69 प्रतिशत

मतदान हुआ है।

नैनीताल जिले की बात करें तो यहां पर 50 पोलिंग बूथ ऐसे थे जहां पर मत प्रतिशत पचास प्रतिशत से कम रहता है। ऐसे में चुनाव में मत प्रतिशत को 75 प्रतिशत ले जाने का लक्ष्य रखा गया। चकाचक बूथ बनाने के साथ बुजुर्ग व दिव्यांग जनों को घर से लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था भी की गई थी लेकिन 61 प्रतिशत का आंकड़ा किसी भी विधानसभा में नहीं पहुंचा है। चुनाव प्रचार के समय जनप्रतिनिधियों और स्टार प्रचारकों की मतदान की अपील भी काम नहीं आई। पिछले लोकसभा चुनाव में नैनीताल- ऊधम सिंह नगर संसदीय सीट पर मतदान प्रतिशत 68.83 रहा था।

नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट पर संसदीय सीट पर 1047118 पुरुष और 968636 महिला मतदाता हैं। इसमें 641871 पुरुष और 590569 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।

शुरू में तेज और बाद में धीमी गति से हुआ मतदान

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। सुबह कुछ बूथों में मतदाताओं की कतार नजर आई लेकिन उसके बाद धीमी गति से मतदान हुआ। दोपहर तक अधिकांश बूथों में इक्का-दुक्का मतदाता ही वोट डालते नजर आए। दोपहर बाद मतदान ने फिर गति पकड़ी।

पिछले वर्षों तक सुबह के समय मतदान प्रक्रिया धीमी चलती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। सुबह के समय बूथों पर अच्छी भीड़ जुटी और लाइन लगानी पड़ी। दस बजे तक जीजीआईसी, तल्लीताल स्थित प्राथमिक विद्यालय, मल्लीताल स्थित सीआरएसटी कालेज व डीएसए मैदान स्थित बूथों में बीस फीसदी तक वोट पड़ चुके थे। लेकिन दोपहर होते-होते शहर के भीतर स्थित बूथों पर सन्नाटा पसरने लगा। जबकि खुर्पाताल, नारायण नगर, मंगोली, नलनी, बजून, थापला आदि क्षेत्रों के बूथों में दोपहर एक बजे तक पचास फीसदी वोट पड़ चुके थे। प्राथमिक विद्यालय खुर्पाताल के बूथ में पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक नजर आई। प्राथमिक विद्यालय नलनी के बूथ में दोपहर दो बजे पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ था। जबकि थापला स्थित बूथ में महिला और युवा वोटर अधिक नजर आए। यहां भी शुरुआती वोट अच्छे पड़े लेकिन दोपहर तक बूथ खाली हो गए। दोपहर बाद फिर से मतदान ने गति पकड़ी। नैनीताल विधानसभा क्षेत्र के आरओ प्रमोद कुमार व भीमताल विधानसभा क्षेत्र के आरओ केएन गोस्वामी ने बताया कि सभी बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई है।

जिलेभर में कई जगह लगी आग से कई एकड़ गेहूं की फसल नष्ट

बाजपुर/किच्छा/गदरपुर, एजेंसी। अलग-अलग जगह शुक्रवार को गेहूं की कई एकड़ फसल जलकर राख हो गई। किसानों ने गेहूं की कटाई के समय दिन में बिजली आपूर्ति बंद रखने की मांग की है। बाजपुर के गांव गजरौला में शॉर्टसर्किट से गेहूं की 25 एकड़ से अधिक फसल जल गई। फायर बिग्रेड नहीं पहुंचने पर किसानों ने नाराजगी जताई। गांव गजरौला निवासी अमरीक सिंह, जसविंदर सिंह, गुरमीत सिंह, मनजीत कौर, नरेश रानी, परमजीत सिंह, निर्मल सिंह के खेत में बिजली ट्रांसफार्मर के तारों से आग लग गई। किसानों ने ट्रैक्टर आदि से आग पर काबू पाया। किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने एसडीएम से किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की। इधर गांव फरीदपुर में आग लगने से शशि खत्री की पांच एकड़ गेहूं की फसल जल गई। पटवारी विक्रम सिंह ने दोनों जगहों की रिपोर्ट तहसीलदार को सौंपी है। वहीं किच्छा के ग्राम गिद्धपुरी में दरऊ पुलिस चौकी के पास खड़ी गेहूं की 10 एकड़ फसल जल गई। दमकल टीम ने आग बुझाई। आग की वजह शॉर्टसर्किट बताई जा रही है। किसान किशन चंद, अशोक कुमार, मनोहर लाल, कुंदन लाल, रमेश लाल की दो-दो एकड़ गेहूं की फसल जली है।

इधर गदरपुर क्षेत्र के ग्राम केशवगढ़ में दोपहर 12 बजे अज्ञात कारणों से लगी आग से किसान वीर सिंह की डेढ़ एकड़ गेहूं की फसल जल गई। सतनाम सिंह एवं महादेव मंडल के खेत में भूसा बनाने के लिए छोड़ी गई आठ-आठ एकड़ गेहूं की नाड़ और कंबाइन के कटर के दो टायर आग की चपेट में आ गए। ग्राम कुंदननगर नंबर पांच में आग की चपेट में आने से ब्रीत बजाज के खेत में दो एकड़ गेहूं जल गई। उधर, ग्राम मझरा मरदान, मुकंदपुर डेरा एवं महतोष पुलिस चौकी के पास खेत में भूसा बनाने के लिए रखी गई।

पिता चल बसे, बेटा नहीं रहा फिर भी न भूले राष्ट्रधर्म; डाला वोट

हल्द्वानी, एजेंसी। ऐसे भी लोग हैं, जिनके सामने दुखों का पहाड़ टूटा था। कोई अपना गुजर गया था। ऐसे में उन्हें सांत्वना की जरूरत थी। अंतिम संस्कार की रस्म निभानी थी, लेकिन उन्होंने पहले राष्ट्रधर्म निभाया।

किसी का बेटा चल बसा था तो किसी के पिता इस दुनिया को छोड़ गए थे। रामपुर रोड स्थित चांदनी चौक तीला निवासी कार्तिक उपाध्याय के पिता लीलांबर उपाध्याय का शुक्रवार सुबह निधन हो गया था। वह 77 वर्ष के थे। लंबे समय से बीमार थे। उनके निधन से परिवार के लोग दुखी थे लेकिन कार्तिक ने पहले अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाया।

सुबह सात बजे पहले राजकीय इंटर कालेज हरिपुर जमन सिंह पहुंचे। इसके बाद पिता का अंतिम संस्कार किया। वहीं, गौलापार निवासी पूर्व प्रधान व भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित आर्य के

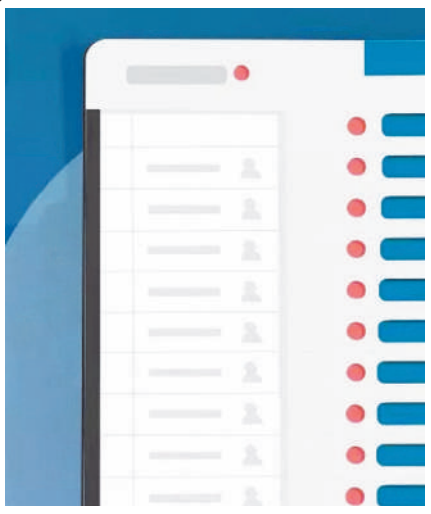

20 वर्षीय बेटे का निधन हो गया था। इसके बावजूद वह सुबह पहले मतदान केंद्र पर पहुंचे और वोट दिया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया। जब लोगों को पता चला तो उनकी भी आंखें भर आई।

भीषण गर्मी की मार और गर्म हवाओं का प्रहार चुनावी महापर्व के उत्सवी माहौल का प्रभावित नहीं कर पाया। हल्द्वानी और आसपास क्षेत्रों में 38.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच चंद सेकेंड खड़ा रहना संभव नहीं होता है। मगर विकसित राष्ट्र का विचार और लोकतंत्र छांव ने मतदाताओं को एक अलग ही शक्ति प्रदान की। लोगों ने मौसम की मार के बावजूद लाइनों में खड़े रहकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

दरअसल, तराई-भाबर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार तापमान में वृद्धि का क्रम बना हुई है। रोजाना औसतन 0.5 से 1.0 डिग्री तक तापमान बढ़ रहा है। मौसम का मिजाज देखते हुए हल्द्वानी के मतदान केंद्रों में शुक्रवार सुबह काफी भीड़ रही। लोगों की धूप खिलने से पहले ही काफी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। वहीं दोपहर में मतदेय स्थलों पर लोगों की कतारें तो दिखाई दीं मगर संख्या अपेक्षा से काफी कम ही नजर आई। इसका बड़ा कारण दिन के समय भीषण गर्मी और लू चलाना भी रहा। हालांकि, लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पहुंचते रहे। प्रचंड गर्मी के बीच मतदान करने को लाइनों में खड़े लोगों की आंखों में बेहतर भविष्य और भारत की उन्नति की उम्मीदें साफ तौर देखने को मिल रही थीं। इधर, तापमान में जिस तरह से वृद्धि हुई उसने अपेक्षित मतदान नहीं हो पाया। वहीं ऐसे में राजनीतिक दलों की ओर से लगाया वोटों का गणित भी कहीं न कहीं गड़बड़ाने की संभावना है।

उत्तराखंड घूमने आए थे बिहार के कई युवक, हो गया यह बड़ा हादसा- घर में मचा कोहराम

ऋषिकेश, एजेंसी। मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत कौड़ियाला के पास गंगा में नहाने गया सीतामढ़ी बिहार निवासी एक युवक तेज बहाव की चपेट में आकर गंगा में बह गया। पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी है।

एसडीआरएफ के निरीक्षक कविंद्र सजवान ने बताया कि चार युवक की दोपहर करीब 2:00 बजे ऋषिकेश बद्रीनाथ मार्ग पर व्यासी के समीप गंगा नहाने गए थे। गंगा में नहाते समय एक युवक आदित्य कुमार (23 वर्ष) पुत्र अजय कुमार निवासी सनवर्षा, थाना सनवर्षा जिला सीतामढ़ी, बिहार गंगा में कुछ आगे बढ़ा तो तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया।

कुछ दूर तक बहने के बाद वह लहरों में ओझल हो गया। उसके तीन अन्य साथियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनिकीरेती रितेश शाह ने बताया कि चारों युवक चोपता घूमने गए थे, वहां से लौटते समय हुए यहां नहाने के लिए रुके थे।

इंटरव्यू में अमित शाह ने कबूला, सरकारी गवाह बनने के बाद सरथ रेड्डी ने भाजपा को दिया 50 करोड़- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

तथाकथित शराब घोटाले के मुख्य आरोपी सरथ रेड्डी ने सरकारी गवाह बनने के बाद भाजपा को 50 करोड़ रुपए दिए। यह बात खुद भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में कबूला है। इस संबंध में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि इंटरव्यू में अमित शाह ने स्वीकारा है कि सरकारी गवाह बनने के बाद सरथ रेड्डी ने यह पैसा भाजपा मध्यप्रदेश यूनिट को दिया है। अमित शाह ये भी कहते हैं कि सरकारी गवाह बनने का मतलब गुनाह कबूलना है। अगर ऐसा है तो भाजपा ने सरथ रेड्डी से चंदा क्यो लिया? इसके बाद वो भाजपा का बचाव करते हुए कहते हैं कि सरथ रेड्डी आरोपी था तो उसको चंदा नहीं देना चाहिए था। इससे साफ है कि वो झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबूत के बावजूद ईडी ने भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जबकि बिना सबूत के सीएम केजरीवाल और मनीष सिसोदिया व मुझे गिरफ्तार कर लिया। पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक राष्ट्रीय टीवी चैनल पर खुलेआम झूठ बोलकर देश की जनता को गुमराह किया और भाजपा पर रिश्वतखोरी के लगे आरोपों को छुपाने का प्रयास किया। जिस रिश्वत को लेने के प्रामाणिक तथ्य हैं और उसका मनी ट्रेल साबित है। जिस बात के सबूत पूरे देश और दुनिया के सामने आ गए हैं, उस बात को गृहमंत्री ने राष्ट्रीय टीवी चैनल पर नकार दिया और तथ्य को छुपाने का काम किया।

संजय सिंह ने कहा कि जिस सरथ रेड्डी को शराब घोटाले का ईडी ने शराब घोटाले का किंगपिन और मुख्य घोटालेबाज बताया, उसी ने भारतीय जनता पार्टी को 60 करोड़ रुपए की रिश्वत दी है। रिश्वत लेने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए, उनकी गिरफ्तारी उनकी होनी चाहिए, लेकिन गिरफ्तारी अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया की हो रही है। इन्होंने मुझे पकड़ कर 6 महीने जेल में रखा। ईड ने आप के नेताओं पर एक झूठा और बेबुनियाद केस बनाकर 500 जगहों पर रेड मारी। इस रेड में एक रुपए की बरामदगी न अरविंद केजरीवाल के घर से हुई और न मनीष सिसोदिया के घर से कोई संपत्ति के कागजात और पैसा नहीं मिला। इसके बाद भी एक झूठे केस में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी की सारी कार्रवाई आम आदमी पार्टी के नेताओं पर चलती है। लेकिन जब हम बीजेपी द्वारा किए गए कमल छाप घोटाले की जांच करने की बात कहते हैं तो उसपर ईडी, सीबीआई, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा या एलजी कुछ नहीं बोलते हैं।

संजय सिंह ने पूछा कि क्या देश में दोहरा कानून चलेगा? आम आदमी पार्टी के लिए बिना सबूत के कार्रवाई और बीजेपी के खिलाफ सबूत सबके सामने होने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होगी। यह तो अन्याय पूर्ण कार्रवाई है। देश के गृहमंत्री अपने इंटरव्यू में स्वीकार कर रहे थे कि उन्हें सब पता था, फिर इसके बाद उनकी पार्टी ने ऐसे व्यक्ति से रिश्वत कैसे ली? जिसे उनकी ईडी किंगपिन कह रही है वो उससे पैसे क्यों ले रहे हैं? हम सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं कि कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड की डीटेल जारी करने के आदेश दिए, तब जाकर पता चला कि शराब घोटाले में रिश्वत बीजेपी ने खाई है। इसके लिए मैं देश की ओर से मुख्य न्यायाधीश को धन्यवाद देना चाहूंगा, जिन्होंने इस इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया। पांच जजों की बेंच ने इसे गैरकानूनी बताते हुए कहा कि इसे जारी करो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह खुलेआम इलेक्टोरल बॉन्ड का समर्थन कर रहे हैं। वो रिश्वतखोरी के पक्ष में मजबूती से खड़े हैं।

संजय सिंह ने कहा कि सरथ चंद्र रेड्डी को दिल्ली में ठेका मिलने के बाद इसने नवंबर 2021 से लेकर जुलाई 2022 के बीच बीजेपी को 5 करोड़ रुपए का चंदा दिया। 12 जनवरी को भी बीजेपी को चंदा दिया। 12 जुलाई को 1.5 करोड़ रुपए बीजेपी को चंदा दिया। जब सरथ रेड्डी का ठेका जब दिल्ली में चल रहा था तो उस समय वो बीजेपी को रिश्वत खिला रहा था। 9 नवंबर 2022 को जब उसके घर पर छापे पड़े तो सरथ रेड्डी ने कहा कि उसने किसी को रिश्वत नहीं दी है। 10 नवंबर 2022 को सरथ रेड्डी गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद 15 नवंबर 2022 को फिर उसने बीजेपी को 5 करोड़ रुपए का चंदा दिया। अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली कमल छाप दारूबाज घोटाला पार्टी भाजपा ने सरथ रेड्डी की गिरफ्तारी के दौरान उससे 5 करोड़ रुपए लिया। इससे ये सवाल उठता है कि जब सरथ रेड्डी ईडी की कस्टडी में था तो उसका बैंक अकाउंट कैसे चल रहा था? कस्टडी के दौरान वो अपने बैंक खाते से बीजेपी को पैसे कैसे दे रहा था?

संजय सिंह ने कहा कि 6 जनवरी 2023 को एक चार्जशीट दाखिल की जाती है, जिसमें ईडी सरथ रेड्डी को शराब घोटाले का किंगपिन कहती है। ईडी उसे मुख्य घोटालेबाज और सबसे बड़ा लाभ उठाले वाला बताती है। 20 जनवरी 2023 को इसने अपनी जमानत याचिका में कहा कि ईडी उसके और उसके कर्मचारियों पर दबाव डाल रही है कि वो उनके द्वारा लिखे गए बयानों पर हस्ताक्षर कर दे और उनके हिसाब से बयान दे दे। उसने अपने बयान में कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों को 100 करोड़ रुपए देने की बात पूरी तरह निराधार और झूठी है। इसकी बेल एप्लीकेशन उपलब्ध है जितनी मेहनत आम, पूरी मिठाई पर होती है थोड़ी मेहनत इस पर भी होनी चाहिए, ताकि देश के सामने सच आए। जब सरथ रेड्डी को जेल में 6 महीने हो जाते हैं तब वो 26 अप्रैल 2023 को अपने बयान से पलटला है और बयान देता है कि 100 करोड़ रुपए की रिश्वत का कुछ हिस्सा देने के लिए मैने सहमति दी थी। इससे पहले जब उसने 20 जनवरी 2023 को किसी तरह की रिश्वत देने से मना किया, तब ईडी ने उसकी जमानत का विरोध किया और उसकी जमानत याचिका निचली अदालत से खारिज कर दी जाती है। इसके बाद 8 मई 2023 को सरथ रेड्डी ने कमर दर्द के आधार पर अंतरिम जमानत के लिए अप्लाई किया। लेकिन ये इतनी बड़ी बीमारी है कि ईडी कोर्ट में इस बीमारी के खिलाफ कुछ बोल ही नहीं पाई और उसे जमानत मिल गई। वहीं ईडी सत्येंद्र जैन की सर्जरी के लिए लगाई गई जमानत याचिका का पूरा विरोध करती है।

अपराध की कमाई से की अपनी छोटी बहन की शादी, बनाना चाहता है खुद का गिरोह

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक देशी पिस्टल,दो कारतूस,एक चोरी की मोटरसाइकिल और पांच छीने गए मोबाइल फोन के साथ एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। आरोपित अरशद उर्फ सबीम अपना गिरोह बनाना चाहता था। उसने अपराध की आय से अपनी छोटी बहन की शादी की। दिल्ली के थानों में दर्ज हैं 14 आपराधिक मामले आरोपित पर दिल्ली के विभिन्न थानों में 14 आपराधिक मामले में दर्ज हैं। आरोपित अपना खुद का (काना गिरोह) गिरोह बनाना चाहता है। अपराध शाखा के डीसीपी संजय कुमार सैन ने बताया कि 16 अप्रैल को अपराध शाखा के एसआइ पवन मलिक को विश्वसनीय स्रोत से सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि एक शातिर अपराधी चोरी की मोटसाइकिल पर अवैध हथियार के साथ संजय झील के पास पुराने पांडव नगर बस स्टाप के पास चोरी के मोबाइल बेचने के लिए अपने साथियों से मिलने आएगा। सूचना पर एसीपी राजकुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में एसआइ पवन मलिक,हवलदार मोहित मलिक,सुधीर,सुरजीत और दीपक की एक टीम का गठन किया गया।

दबोचने के लिए पुलिस ने बिछाया जाल टीम ने मुखबिर की निशानदेही पर पुराने पांडव नगर बस स्टाप पर जाल बिछाया और एक व्यक्ति को मोटरसाइकल पर तेजी से आते देखा, जिसको मुखबिर ने पहचान लिया और टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। आरोपित की पहचान अरशद उर्फ सबीम के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से पांच चोरी के मोबाइल फोन व एक देशी पिस्टल,दो कारतूस बरामद हुए। दूसरी कक्षा तक पढ़ा है अरशद सत्यापन के दौरान मोटरसाइकिल जामिया नगर इलाके से चोरी हुई पाई गई। पूछताछ के दौरान अरशद ने बताया कि वह दूसरी कक्षा तक पढ़ा है और नशे का आदि है। नशे की लत पूरी करने के लिए वह चोरी,डकैती और झपटमारी करने लगा। अभियुक्त अपने साथियों के साथ मिलकर वाहन चोरी करता है और चोरी के वाहनों का उपयोग लूट एवं झपटमारी में करता है। 2023 में आर्म्स एक्ट मामले में हुआ था गिरफ्तार 2023 में उसे पांडव नगर के एक आर्म्स एक्ट मामले में गिरफ्तार किया गया था और मार्च 2024 में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। उसने हाल ही में अपनी आपराधिक गतिविधियों को तेज कर दिया है ताकि वह अपना खुद का गिरोह (काना गैंग) बना सके। उसकी दाहिनी आंख में खराबी के कारण उसके दोस्त उसे काना बुलाते हैं। उसने अपराध की कमाई से अपनी छोटी बहन की शादी की थी। आरोपित लूट,चोरी,छिनैती, आर्म्स एक्ट आदि के 14 मामलों में शामिल रहा है।

छत पर अवैध रूप से चल रहे तीन कैफे सील

नई दिल्ली। स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस और अग्नि अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए बिना छत पर अवैध रूप से चलाए जा रहे तीन कैफे को एमसीडी की टीम ने शनिवार को सील कर दिया। तीनों कैफे करोल बाग जोन में नारायणा औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 में एक ही इमारत की छत पर चलाए जा रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि मैसर्स मून मिस्ट कैफे, मैसर्स टोमा टीमा कैफे, मैसर्स ताम्बूला बाय बहु लोगों की जान को जोखिम में डालकर चलाए जा रहे थे, जिन्हें सील किया गया। निगम की टीम अवैध रूप से चलने वाले कैफे आदि की लगातार पहचान कर कार्रवाई कर रही है। जरूरी लाइसेंस और सुरक्षा संबंधी अनुमति नहीं होने पर ये न केवल निगम की ओर से स्थापित मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि इन प्रतिष्ठानों में आने वाले लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ भी हो रहा है, इसलिए सार्वजनिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए इन अवैध कैफे को सील किया गया है। निगम अधिकारियों ने कहा है कि यह कार्रवाई सभी व्यवसायों और प्रतिष्ठानों के लिए एक सख्त संदेश है कि लाइसेंसिंग नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आबकारी नीति मामलाः सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

अदालत ने शनिवार को आबकारी नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ओर से दायर दूसरी नियमित जमानत याचिका पर फैसला 30 अप्रैल तक सुरक्षित रख लिया। सिसोदिया दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया के वकील विवेक जैन, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विशेष वकील जोहेब हुसैन और सीबीआई के वकील पंकज गुप्ता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सिसोदिया ने लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए दोनों मामलों में अंतरिम जमानत याचिका भी दायर की। विवेक जैन ने अदालत को बताया कि नियमित याचिका सुरक्षित रखे जाने के कारण याचिका निरर्थक हो गई है। वहीं, सीबीआई के वकील पंकज गुप्ता ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सिसोदिया पीएमएलए के तहत जमानत देने की कठोरता को पूरा नहीं करते हैं। सिसोदिया एक शक्तिशाली व्यक्ति हैं, जिनका राजनीतिक प्रभाव है। आप नेता के खिलाफ आरोपों से पता चलता है कि उनकी ओर से सबूत नष्ट करने और सत्ता के दुरुपयोग का प्रथमदृष्टया मामला बनता है, जिससे जांच में बाधा आ सकती है। कुछ प्रमुख पहलुओं पर जांच अभी शुरूआती चरण में है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि भ्रष्टाचार समाज के लिए कैंसर है। अगर जमानत दी गई, तो सिसोदिया आगे की जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। इस स्टेज पर अगर बेल मिल गई, तो निश्चित रूप से इनका मकसद हल हो जाएगा। इससे पहले भी जमानत खारिज की गई थी। सिसोदिया को उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय से राहत नहीं मिली है।

ईडी के आरोपपत्र पर 25 अप्रैल को होगी सुनवाई, कई अधिकारियों को भेजा गया था समन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर आरोपपत्र पर शनिवार को सुनवाई टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में 25 अप्रैल को सुनवाई के लिए सुचीबद्ध किया है। मामले में आरोपित देवेंद्र मित्तल ने जमानत याचिका दायर की है। विशेष न्यायाधीश भूपिंदर सिंह ने आरोपित देवेंद्र मित्तल की जमानत याचिका पर भी सुनवाई 25 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध की है। इससे पहले अदालत ने ईडी के आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए न्यायिक हिरासत में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के एक पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल को जेल अधीक्षक के माध्यम से और तजिंदर पाल सिंह, देवेंद्र कुमार मित्तल और मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को पेशी का समन जारी किया था। आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध कराने के निर्देश अदालत ने ईडी को आरोपितों को आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था।

अदालत ने कहा था कि रिकार्ड पर रखी गई सामग्री से ऐसा प्रतीत होता है कि सभी आरोपित व्यक्ति व कंपनी या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपराध की आय छिपाने, कब्जे, अधिग्रहण, उपयोग और उसे बेदाग संपत्ति के रूप में पेश करने या दावा करने से संबंधित प्रक्रिया या गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं। ईडी के मुताबिक जांच में पता चला कि मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने जाली दस्तावेज जमा करके बोली हासिल की। जगदीश कुमार अरोड़ा भी इस बात से अवगत है कि कंपनी निविदा की मंजूरी के लिए तकनीकी मानदंडों को पूरा नहीं करती है। अपराध की आय से लगभग 10 करोड़ रुपये अर्जित ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली जल बोर्ड को जारी किए गए 24 करोड़ रुपये में से मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिए गए काम के एवज में कथित तौर पर अपराध की आय से लगभग 10 करोड़ रुपये अर्जित किए गए और एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा साझा किया गया। आरोपित अनिल कुमार अग्रवाल, जगदीश कुमार अरोड़ा और दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य अभियंता ने ठेका मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिया था। जिसे आरोपित तजिंदर पाल सिंह के माध्यम से उन्हें स्थानांतरित कर दिया गया था।

आप तो भाजपा की भाषा बोल रहे हैं

- टिकट मिलने के बाद यह पहला मौका था जब कन्हैया प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे।
- इस पर संदीप ने मना कर दिया तो लवली ने फिर उन्हें जोर देकर आगे आने को कहा।

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से जेएनयू के पूर्व अध्यक्ष रहे कन्हैया कुमार को टिकट मिलने की वजह से कांग्रेस में असंतोष सामने आ गया। पहले इस बात की चर्चा पर पार्टी के नेता सिरे से इनकार कर देते थे, वही झगड़ा शुक्रवार को सरेआम हो गया। बात है शुक्रवार शाम की जब प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उत्तर-पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार कन्हैया कुमार और क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के बीच परिचय बैठक चल रही थी।

बैठक शुरू हो चुकी थी और पार्टी के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित कुछ देर से वहां पहुंचे। टिकट मिलने के बाद यह पहला मौका था जब कन्हैया प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे। यह बैठक चुनावी रणनीति तैयार करने करने के लिए हुई थी। कन्हैया ने दी अपनी सीट तो भड़क गए संदीप दीक्षित इस बैठक में देर से पहुंचे संदीप दीक्षित मंच के सामने ही पीछे की सीट पर बैठ गए। तब प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने उन्हें आगे बुलाया। इस पर संदीप ने मना कर दिया तो लवली ने फिर उन्हें जोर देकर आगे आने को कहा।

लवली के कहने पर संदीप आगे आने लगे तो कन्हैया ने भी खड़े होकर अपनी सीट उन्हें बैठने को दे दी। इस पर संदीप भड़क गए और कन्हैया कुमार को भला-बुरा कहने लगे।

हद तो तब हो गई जब संदीप ने कन्हैया को बाहरी कह दिया। इस पर दीपक बाबरिया को भी संदीप पर गुस्सा आ गया और उन्होंने संदीप दीक्षित को शांत रहने की नसीहत दी।

संदीप दीक्षित का गुस्सा इस पर भी शांत नहीं हुआ। उन्हें इतने गुस्से में देखकर कन्हैया कुमार ने भी कह दिया कि आप तो भाजपा की भाषा बोल रहे हैं। इतने में संदीप दीक्षित और भड़क गए। कुछ अन्य कांग्रेसी भी आए संदीप के पक्ष में कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें काफी शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह शांत नहीं हुए। संदीप दीक्षित ने बाबरिया को भी नहीं बख्शा। हंगामा काफी देर तक चलता रहा, अपशब्द बोले गए। इस क्षेत्र के एक-दो कांग्रेसी नेताओं ने भी संदीप दीक्षित का पक्ष लेते हुए कन्हैया को ह्यबाहरीह्न का तमगा पहना दिया। कहने को इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली सहित कई नेता मौजूद थे, लेकिन ज्यादातर तमाशबीन ही बने रहे। सूत्रों का दावा है कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित भी टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी हाईकमान ने कन्हैया कुमार को प्रत्याशी बना दिया। इससे संदीप दीक्षित खासे नाराज थे। हाईकमान तक पहुंची बात सूत्रों का कहना है कि बैठक में हंगामे की जानकारी हाईकमान को भी दे दी गई है। फिलहाल, मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में पूर्व अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा. पूर्व विधायक हसन अहमद, मतीन अहमद और भीष्म शर्मा, अनिल भारद्वाज, जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद और आदेश भारद्वाज, अली मेहंदी आदि मौजूद थे। हालांकि इस संदर्भ में दीपक बाबरिया और संदीप दीक्षित ने पूरे प्रकरण से अनजान बनते हुए बात टाल दी, बोले कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

छुट्टियों में काम कर समय का सदुपयोग करेंगे छात्र

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के यूजी-पीजी के छात्र जून-जुलाई में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विभिन्न कार्यालयों में काम कर अपने समय का सदुपयोग करेंगे। डीयू ने वीसी समर इंटर्नशिप स्कीम के लिए छात्रों से आवेदन मांगे हैं। इस स्कीम के तहत छात्रों को विवि में ही प्रशासनिक कार्यों को करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छात्र चार मई तक आवेदन कर सकते हैं। इस स्कीम के तहत छात्रों को डीयू के प्रशासनिक कार्यालयों में हर सप्ताह 20 घंटे काम करना होगा। इससे पहले मार्च में डीयू ने पार्ट टाइम वीसी इंटर्नशिप स्कीम के लिए आवेदन मांगे थे। वीसी समर इंटर्नशिप स्कीम में नियमित कॉलेजों के यूजी पीजी के पहले व दूसरे वर्ष के छात्र ही इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इस स्कीम के तहत प्रति सप्ताह 20 घंटे काम करने पर उन्हें स्टाइपेंड के रूप में प्रति माह दस हजार पांच सौ रुपये मिलेंगे। वहीं इंटर्नशिप पूरा करने पर विद्यार्थियों को डीयू के डीन स्टूडेंट वेलफेयर की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा, जो कि भविष्य में उनके लिए नौकरी पाने में मददगार बनेगा। जो छात्र पहले समर इंटर्नशिप या पार्ट टाइम स्कीम के तहत आवेदन कर चुके हैं, वह इस बार आवेदन करने के योग्य नहीं माने जाएंगे। 2022 में शुरू की गई थी स्कीम डीयू के विभिन्न विभागों, सेंटर व संस्थानों में अल्पकालिक अवसर और अनुभव की सुविधा देने के लिए डीन स्टूडेंट वेलफेयर के अंतर्गत सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने वर्ष 2022 में कुलपति इंटर्नशिप योजना की शुरूआत की थी। बीते साल पहली बार समर इंटर्नशिप कराई गई थी। यह समर इंटर्नशिप स्कीम जून से जुलाई के बीच होगी। छात्रों को डीयू के विभिन्न विभागों, कुलपति कार्यालय, साउथ कैंपस निदेशक कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय, परीक्षा शाखा समेत अन्य विभागों में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

केजरीवाल की इंसुलिन रोककर उन्हें धीमी मौत देने की खतरनाक साजिश कर रही भाजपा- दिलीप पांडे

केजरीवाल को इंसुलिन लेनी है या नहीं, जेल प्रशासन और एलजी नहीं, बल्कि उनका शुगर लेवल तय करेगा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने जेल में सीएम अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन नहीं मुहैया कराने पर सवाल खड़ा किया है। आप के वरिष्ठ नेता दिलीप पांडे ने कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन रोक कर उनको धीमी मौत देने की खरनाक साजिश कर रही है। क्योंकि सबको पता है कि अगर शुगर के मरीज को इंसुलिन न दी जाए तो धीरे-धीर उसकी आंख, किडनी और लीवर खराब हो जाता है। साथ ही दर्जन भर अन्य बीमारियों को भी न्यौता देता है। अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन लेनी है या नहीं लेनी है, यह जेल प्रशासन और एलजी नहीं तय कर सकते, बल्कि उनका शुगर लेवल तय करेगा। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा ने सीएम केजरीवाल की जान से खिलवाड़ किया तो देश के लोग उसे कभी माफ नहीं करेंगे।

शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर आप के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि जिस तरह से बीजेपी देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ घिनौनी साजिश रच रही है, भारतीय की राजनीति का स्तर इतना नीचे कभी नहीं गिरा होगा। यह षड़यंत्र और गिरी हुई राजनीतिक सोच न भूतो न भविष्यति वाली परिस्थिति है। अरविंद केजरीवाल बीजेपी की साजिश का शिकार होकर तिहाड़ जेल में कैद हैं। यह बीजेपी की गिरी हुई सोच है कि केजरीवाल को जेल मैनुअल के हिसाब से एक समान्य कैदी को मिलने वाले अधिकार भी नहीं दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी गलतफहमी में है कि उसकी साजिश किसी को दिख नहीं रही है। पूरा देश देख और समझ रहा है कि भाजपा क्या करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के 2 रुपए प्रति ट्वीट पाने वाले आईटी सेल के टट्टू एक झूठतंत्र के तहत मनगढ़ंत कहानियां शुरू कर देते हैं। भाजपा क्या करने की कोशिश कर रही है, यह सबको समझ में आ रहा है। एक तरफ भाजपा यह नैरेटिव बना रही है कि अरविंद केजरीवाल कुछ ऐसा खा रहे हैं जो उन्हें नहीं खाना चाहिए और दूसरी तरफ उनका इंसुलिन रोककर उनकी जान से खिलवाड़ कर रही हैं। भाजपा यह नैरेटिव इसलिए बनाना चाहती है ताकि अगर कल को कुछ ऊंच-नीच हुई तो वो कह सके कि हमने तो बताया था कि अरविंद केजरीवाल सबकुछ खा रहे थे। ऐसी साजिश करते हुए भाजपा को जरा भी शर्म नहीं आ रही है। दिलीप पांडे ने कहा कि दुनिया में शुगर से सबसे ज्यादा मरीज भारत में हैं। मेरी मां भी शुगर की मरीज हैं। हम अपने बुजुर्गों की फिक्र करते हैं, उनकी परवाह करते हैं। उनको समय से दवाइयां देते हैं, उनके खाने पीने और एक्सरसाइज का ध्यान रखते हैं। अगर साल भर में उनका आम या अमरूद खाने का मन कर जाए तो उनकी जान नहीं लेते हैं। या वो आम, अमरूद खा लें तो ये नहीं कहते कि अब मर जाओ, हमको मतलब नहीं है। इंसुलिन नहीं मिलेगी, दवाई नहीं मिलेगी। हम अपने घर के बुजुर्गों के साथ ये बर्ताव नहीं करते हैं।

दिलीप पांडे ने कहा कि बीजेपी के इशारे पर अपने घुटनों के बल पर रेंग रहा जेल प्रशासन, एक चुने हुए मुख्यमंत्री को कहने के बावजूद इंसुलिन क्यों नहीं दे रहा है, ये दिल्ली और देश के लोग जानना चाहते हैं। आपकी कहानियां, आपके ट्रोल से बनाया गया नैरेटिव एक तरफ है। अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन क्यों रोक रहे हैं, उन्हें किसके कहने पर इंसुलिन नहीं मिल रही है? अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन रोककर बीजेपी कौन सी साजिश को अंजाम देना चाहती है? बीजेपी बताए कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री को केवल इस बात के लिए कोर्ट क्यों जाना पड़ रहा है कि वो अपने डॉक्टर से जांच करवा सकें और उनसे इंसुलिन की डोज लिखवा सकें। क्योंकि बीजेपी एक साजिश के तहत काम कर रही है। सब जानते हैं कि डायबिटीज महज एक बीमारी नहीं है, बल्कि 10 अन्य बीमारियों का स्वागत करने वाला दरवाजा है।

दिलीप पांडे ने कहा कि पूरा देश जानता है कि अगर डायबिटीज हुआ तो किसी भी व्यक्ति को कभी भी 10 अलग-अलग बीमारियां हो सकती हैं। अगर एक डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन की जरूरत है और उसकी इंसुलिन रोकी गई तो धीरे-धीरे उसकी आंख खराब होगी, किडनी और लिवर खराब होगा, शरीर के बाकी अंगों पर भी असर पड़ेगा। सब जानने हैं कि अगर डायबिटीज कंट्रोल में नहीं रही तो वो कोई भी हो वो धीमी मौत की ओर आगे बढ़ रहा है। बीजेपी जेल में अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन रोककर उन्हें एक धीमी मौत देने की साजिश कर रही है। मैं बीजेपी से पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि चाहे आपकी मशीनरी कितनी भी ताकतवर क्यों न हो। आपकी बौखलाहट से पता चल रहा है कि आपके पैरों के नीचे से आपकी जमीन खिसक रही है।

वारदात को अंजाम देने की फिराक में था बदमाश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्लीः दल्लिी के शाहदरा जलिे में कृष्णाअ नगर थाना इलाके में एक बदमाश को पकड़ा गया, जो किसी को निशाना बनाने की फिराक में था. इलाके में पेट्रोलिंग कर रही टीम की नजर संदग्धिज व्यशक्कि पर पड़ी तो उसे रोकने का प्रयास कयिा गया. पुलिस को देखकर वह भागने लगा, जिसके बाद कुछ दूरी तक पीछा कर उसे दबोच लिया गया. गरिफ्तार शख्सक की पहचान नदीम उर्फ सलमान के रूप में हुई है और उसके खिलाफ पहले से 9 मामले दर्ज हैं. शाहदरा डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के मुताबकि, 18 अप्रैल को कृष्णाी नगर थाने के पुलसि पर्सनल हेड कॉन्स्टेबल ववकि और वनीित शाम के वक्त इलाके में पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रहे थे. इस दौरान करीब 7 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति पर पड़ी, जिसके बाद उसे पकड़ा गया. बदमाश के खलिाफ पहले से ही नौ मामले दर्ज पाए गए हैं. पुलिस ने जब उसकी गहन तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक देशी पस्टि ल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ. आरोपी के खलिाफ कृष्णा नगर थाने की पुलसि ने अवैध हथियार बरामद होने के चलते आर्म्सा एक्टह की धारा-25 के तहत मामला दर्ज कर लयिा गया है. साथ ही मामले में आगे की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जिस वक्त उसे पकड़ा गया, वह चोरी/स्नैचिंग जैसी किसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश में था.

दिल्ली के कल्याणपुरी में तीन मंजिला निमार्णाधीन इमारत जमींदोज

नई दिल्ली। दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां एक निमार्णाधीन तीन मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब इमारत जमींदोज हुई तो लोग जान बचाकर भागने लगे। घटना में कोई हताहत नहीं कल्यापुरी के ब्लाक-15 में मकान गिरने के मामले में कोई हताहत नहीं है। मकान मालिक वेद प्रकाश अपने दो भाइयों और माता के साथ यहां रहते हैं। उन्होंने बताया कि यह तीन मंजिला मकान साढ़े 22 गज का है। पीडब्ल्यूडी की ओर से नाला बनाया जा रहा है। नाले की खोदाई के चलते उन्होंने विरोध भी किया था कि आठ से नौ फुट गड्ढा करने पर मकान को हानि पहुंचा सकती है। चटकने की आवाज आई तो पुलिस को दी सूचना

करीब तीन बजे मकान के पीछे से चटकने की आवाज आते ही पुलिस को सूचना दे दी थी। पुलिस ने चारों ओर की दुकानों और मकान को खाली कराके बैरिकेडिंग कर दी थी। बैरिकेडिंग करने के एक घन्टे के भीतर मकान गिर गया। गृहस्थी का सामान भी मलबे में तब्दील हो चुका है।

छत्तरपुर मंदिर में 21 हजार राम भक्त करेंगे सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ

नई दिल्ली : देशभर में 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा. इस दौरान राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध छतरपुर मंदिर में 21,000 राम भक्तों के साथ भव्य और दिव्य लेजर लाइट शो के साथ हनुमान चालीसा का आयोजन किया जाएगा. इसे राजधानी का सबसे बड़ा आयोजन बताया जा रहा है. कार्यक्रम के आयोजक भारतीय सांस्कृतिक ट्रस्ट की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें उन्होंने हनुमान जन्मोत्सव के पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से छतरपुर मंदिर के हनुमान प्रांगण में लेजर लाइट शो के माध्यम से लगातार हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है, लेकिन 500 वर्षों के कठिन संघर्ष के बाद आज अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य मंदिर बन गया है. वहीं, इस पवित्र माह में रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव दोनों एक साथ मनाया जा रहा हैं, जिसके चलते योजना बनाई गई है कि इस बार हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन बड़े उत्साह और बड़ी संख्या में किया जाए. वहीं, प्रदीप कुमार, राजेश सिंह, नरेंद्र भारद्वाज और बिपिन बिहारी का कहना है कि उनकी समिति का केवल एक की प्रयास है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा अपनी सनातन संस्कृति से जोड़ना और जागरूक करना. ताकि हिंदू अपनी पवित्र संस्कृति को पहचान सकें और उसका सरक्षण करें. ऐसे कार्यक्रमों में बढ़ी संख्या में युवा भी आते हैं, जो आज अपने धर्म के प्रति जागरूक हो रहे हैं बता दें, यह कार्यक्रम दिल्ली के आद्या कात्यायिनी मंदिर परिसर में भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा. जहां आयोजकों का मानना है कि इस दिन 21000 हनुमान भक्त एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे और यह भव्य आयोजन बिल्कुल अलग ही नजारा देखने को मिलेगा.

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

केजरीवाल को इंसुलिन न देकर मारना चाहती है भाजपा और मोदी सरकार!- संजय सिंह

- शुगर जानलेवा बीमारी है, जो किसी की जान भी ले सकती है, किसी मरीज को इंसुलिन न देना एक आपराधिक कृत्य है- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने जेल में सीएम अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ खिलवाड़ करने की साजिश रचने पर भाजपा को एक बार फिर बेनकाब कर दिया। शनिवार को आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पिछले 20 साल से इंसुलिन ले रहे हैं, लेकिन जेल में उनको इंसुलिन नहीं दी जा रही है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल को जान से मारना चाहते हैं? हम ये बात इसलिए बार-बार कह रहे हैं, क्योंकि शुगर जानलेवा बीमारी है, जो किसी की जान भी ले सकती है। इसलिए किसी मरीज को इंसुलिन न देना एक आपराधिक कृत्य है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सीएम केजरीवाल को न एम्स में दिखाया और न डॉक्टरों ने उनकी मेडिकल हिस्ट्री देखी, तो उसने उनकी डाइट चार्ट कैसे बनवा लिया? जबकि दुनिया का कोई भी डॉक्टर मरीज का वजन और मेडिकल हिस्ट्री बिना देखे डाइट चार्ट नहीं लिख सकता है। अगर उसने केजरीवाल को एम्स में दिखाया है तो कागज दिखाए। भाजपा ने अपनी साजिश में एम्स जैसे प्रतिष्ठित अस्पताल को भी शामिल कर लिया।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर जेल में सीएम अरविंद केजरीवाल को दी जाने वाली डाइट पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दिल्ली और देश की जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल 2024 को सीएम अरविंद केजरीवाल न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उस दिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ-साफ कहा था कि अरविंद केजरीवाल को जेल में ग्लूकोज, केला, टॉफी समेत अन्य खाने की वस्तुएं उपलब्ध कराई जाए। मैं हैरान हूं कि मुख्य धारा की मीडिया ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को एक बार भी नहीं दिखाया, ताकि देश की जनता को सच पता चल सके और भाजपा की ईडी का झूठ उनके सामने आ सके।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि कुछ दिनों पहले ही उनका शुगर लेवल गिरकर 45 तक चला गया था। अरविंद केजरीवाल 20 साल से इंसुलिन ले रहे हैं और पिछले 30 साल से शुगर के मरीज हैं। आखिर यह सच देश की जनता से क्यों छिपाया जा रहा है? इसलिए आम आदमी पार्टी बार-बार यह कह रही हैं कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरविंद केजरीवाल के खिलाफ यह गहरी साजिश है और अरविंद केजरीवाल को जान से मारना चाहते हैं। क्योंकि शुगर जानलेवा बीमारी है, यह किसी की जान भी ले सकती है। इसके मरीज को इंसुलिन न देना एक आपराधिक कृत्य है। उन्होंने कहा कि यह सबको मालूम है कि शुगर के मरीज को समय पर इंसुलिन नहीं मिला या उसका शुगर घट गया, तो उसे तत्काल ग्लूकोज या कुछ मीठा खाने के लिए दिया जाना चाहिए, ताकि शुगर लेवल स्थिर रखा जा सके। अगर मरीज को तत्काल ग्लूकोज या कुछ मीठा खाने के लिए नहीं मिला तो उसके साथ कोई भी घटना हो सकती है। इसलिए कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को ग्लूकोज, केला, टॉफी देने का आदेश दिया है। यह कितना हास्यप्रद है कि अरविंद केजरीवाल को 48 बार खाना दिया गया है। इसमें से अगर एक बार उनके लिए आलू-पूड़ी का प्रसाद दे दिया गया तो दिनभर मीडिया में आलू-पूड़ी की चर्चा चल रही है।

सांसद संजय सिंह ने भाजपा की साजिश पर हैरानी जताते हुए कहा कि ये लोग एम्स का डाइट चार्ट लेकर आ गए। पूरी दुनिया में कहीं भी मरीज को बिना देखे, उसकी डाइट नहीं लिखी जाती। एम्स जैसे अस्पताल में ये संभव नहीं है। अरविंद केजरीवाल की मेडिकल हिस्ट्री नहीं देखी गई, न उनक वजन की जांच की गई, न ही उनकी बीमारी की जांच हुई। उनसे ये भी नहीं पूछा गया कि उन्हें किन चीजों से परहेज है। इसके बावजूद भाजपाई अरविंद केजरीपवाल का एम्स से डाइट चार्ट बनवाकर लेकर आ गई। दुनिया का कोई भी डॉक्टर मरीज हिस्ट्री व वजन देखे बिना या जांच किए बिना उसकी डाइट नहीं लिखता है। भाजपाइयों की साजिश का खुलासा हो गया है। भाजपा के लोग देश के सामने पूरी तरह से बेनकाब हो गए हैं। भाजपा ने अब तो इसमें एम्स जैसे प्रतिष्ठित अस्पताल को भी शामिल कर लिया। अगर इन्होंने अरविंद केजरीवाल को एम्स में दिखाया है तो उसके कागज दिखाएं। भाजपा ने जब अरविंद केजरीवाल को एम्स में दिखाया ही नहीं, डॉक्टरों ने उनकी मेडिकल हिस्ट्री को जाना ही नहीं, तो भाजपा ने उनका डाइट चार्ट कैसे बनवा लिया? भाजपा अरविंद केजरीवाल के जीवन से खिलवाड़ कर रही है।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत याचिका कोर्ट से वापस ली। सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। नियमित जमानत पर फैसला 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर फैसला 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से उपस्थित वकील विवेक जैन ने अदालत को बताया कि सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर कोर्ट आज अपना फैसला सुरक्षित रख लेगा, ऐसे में सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका निष्प्रभावी हो जाएगी।

कोर्ट ने कहा कि विवेक जैन की इस दलील के मद्देनजर कि सिसोदिया की अंतरिम जमानत निष्प्रभावी हो गई है, इसका निपटारा किया जा सकता है, इसके बाद सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत वापस ली। सीबीआई के अधिवक्ता ने सिसोदिया की नियमित जमानत पर दलील दी। उन्होंने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट का हवाला देते हुए कहा कि सिसोदिया जमानत देने की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। वो बराबरी के हकदार नहीं है। इस मामले में मुख्य आरोपित है। मनमोहन सिंह ने कहा था भ्रष्टाचार समाज के लिए कैंसर आरोपों से पता चलता है कि प्रथम दृष्टया मामला सुबूतों को नष्ट करने के साथ-साथ सत्ता के दुरुपयोग का भी बनता है, जिससे जांच में बाधा आ सकती है। जांच अभी शुरूआती चरण में है। इनके अधिकतर लोग आर्थिक अपराधों का सामना कर रहे हैं। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि भ्रष्टाचार समाज के लिए कैंसर है। जमानत दी तो निश्चित रूप से इनका मकसद हल हो जाएगा- सिसोदिया जमानत मिलने से आगे की जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते है। इस समय पर अगर जमानत दी तो निश्चित रूप से इनका मकसद हल हो जाएगा। पहले भी जमानत खारिज हुई है। यहां से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ने राहत नहीं दी। जमानत मिलने पर वो गवाहों को प्रभावित करेंगे क्योंकि इस कोर्ट ने भी माना है कि वो मास्टरमाइंड है। सिसोदिया की ओर से पेश अधिवक्ता विवेक जैन ने सिसोदिया के ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में प्रत्युत्तर (रिजाइंडर) प्रस्तुतीकरण का लिखित दस्तावेज जमा किया। जैन ने कहा कि ईडी ने मोबाइल फोन को नष्ट करने को लेकर जो दलील दी है, सुप्रीम कोर्ट ने उसके साथ मनी लॉन्ड्रिंग अपराध पर भी विचार किया है। जैन ने अनुरोध किया कि याचिका पर जल्द से जल्द निर्णय लिया जाए।

संघ परिवार के निशाने पर आए आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह संघ परिवार के निशाने पर आ गए हैं। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में जमानत पर बाहर आए संजय सिंह ने एक पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया है कि संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने आरक्षण को खत्म करने की बात कही है, संघ आरक्षण विरोधी है।

बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे संजय सिंह- विहिप अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए उन्होंने मनमोहन वैद्य का एक पुराना वीडियो भी चलाया। जिस पर हमलावर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि संजय सिंह बयानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं, इस मामले में उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत की है। विनोद बंसल ने ट्वीट कर कहा, लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़े संगठन है। अपनी झूठ या मिथ्यारोप पर यदि उन्होंने और ने माफी नहीं मांगी तो दिल्ली की राष्ट्रभक्त जनता भी उन्हें नहीं छोड़ेगी। आइए पहले जरा सुनते हैं कि 2017 के जयपुर लिटरेरी फेस्टिवल का यह असल विडियो आरक्षण के बारे में क्या कहता है..लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं!! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़े संगठन है। हाल ही में मिली थी जमानत उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रियायत दिए जाने के बाद दिल्ली शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह को जमानत दे दी। इसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने 3 अप्रैल को जमानत बॉन्ड स्वीकार कर लिया और संजय सिंह पर कुछ शर्तें लगाईं, जिसमें ईमेल के माध्यम से अपनी यात्रा से संबंधित कार्यक्रम प्रस्तुत करना और दिल्ली-एनसीआर छोड़ने पर अपनी गूगल लोकेशन चालू रखना शामिल था। मालूम हो कि संजय सिंह को पिछले साल अक्टूबर में शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। हाल ही में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इस मामले में मनीष सिसोदिया भी न्यायिक हिरासत में हैं।

केजरीवाल की स्लो डेथ की हो रही साजिश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जेल में धीरे-धीरे हत्या की जा रही है। एक शुगर के मरीज को इंसुलिन नहीं दी जा रही है। सौरभ ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर की साजिश रची जा रही है। केजरीवाल की स्लो डेथ की हो रही साजिश, दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लगाया बड़ा आरोप दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लगाया बड़ा आरोप। वीडियो ग्रैब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य की सुविधा देने वाले जनता के चुने हुए सीएम को दवा नहीं दी जा रही है।

उन्होंने दावा किया है कि केजरीवाल कह रहे हैं कि उनका शुगर लेवल बढ़ा हुआ उन्हें इंसुलिन चाहिए तो उन्हें इंसुलिन देने से मना किया जा रहा है। सौरभ ने दावा किया कि जेल में धीरे-धीरे केजरीवाल की हत्या की जा रही है। सौरभ ने कहा कि एक शुगर के मरीज को इंसुलिन न देने से उसकी नसें कमजोर होने लगती हैं।

शुगर के मरीज का ऐसे हो सकता मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर

वह आगे बोले, नसों के कमजोर होने से धीरे-धीरे शरीर का एक-एक अंग जैसे लीवर, फेफड़ा और दिल आदि भी फेल होने लगते हैं और एक दिन मरीज मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर के चलते अपनी जान गंवा देता है। सौरभ ने आरोप लगाया, केजरीवाल के साथ ही ऐसा ही करने की साजिश रची जा रही है। ये लोग चाहते हैं कि केजरीवाल को समय से दवा न दी जाए ताकि उनके सेहत पर असर पड़े। फिर जब केजरीवाल जेल से छूटकर कुछ महीनों बाद बाहर आएं तो कभी वह लीवर, कभी फेफड़े और कभी दिल का इलाज करात रहें और धीरे-धीरे वह मर जाएं। सौरभ ने कहा हम बस ये चाहते हैं कि अगर केजरीवाल को इंसुलिन की जरूरत है तो उन्हें इंसुलिन दी जाए।

हरिप्रिया भार्गव का भाजपा थीम गीत हमारे मोदी जी हुआ लॉन्च

नई दिल्ली : नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हमारे मोदीजी गीत के लॉन्च ने उपस्थित लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर भाजपा के महासचिव तरुण चुघ, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पीपीआरसी के निदेशक सुमित भसीन सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गाने के वीडियो और ऑडियो संस्करण का अनावरण किया गया, जो छह मिनट का है। मारे मोदीजी केवल एक गीत नहीं है बल्कि भारत के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का प्रतिबिंब है। नौ विभिन्न भाषाओं में गाए गए इस गीत में मोदी के दृष्टिकोण और राष्ट्र की प्रगति के लिए भाजपा के योगदान को बखूबी रेखांकित किया गया है। संघटन संस्कृति संघ की सदस्य हरिप्रिया भारगव ने पूरी परियोजना की अवधारणा की, यह सुनिश्चित करते हुए कि गीत के माध्यम से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का सार खूबसूरती से चित्रित हो। विभिन्न भाषाओं में गाने के लिए अपनी आवाज देने वाले प्रसिद्ध गायकों की भागीदारी इसे और आकर्षक बना देती है।

दिल्ली में अगले हफ्ते बढ़ेगी गर्मी

- इस वजह से दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी में शुक्रवार को आंशिक बादल होने के बावजूद तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस वजह से गर्मी अधिक रही। इस दौरान कई इलाकों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ इलाकों में गरज और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होने का पूवार्नुमान व यलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को आकाश में आंशिक बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह से तपीश बढ़ेगी। इस वजह से दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। इन जगहों पर रही अधिक गर्मी मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस है जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस है। दिल्ली में रिज एरिया, नजफगढ़, पीतमपुरा व पूसा में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इस वजह से इन जगहों पर गर्मी अधिक रही। पूसा में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 40.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बृहस्पतिवार की रात लोधी रोड में हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार 23 अप्रैल को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और 24 अप्रैल को 41 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के क्षेत्रीय निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर लू मानी जाती है। अभी ऐसी स्थिति नहीं दिख रही है। मध्यम श्रेणी में रही हवा की गुणवत्ता दिल्ली में शनिवार को हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में बरकरार रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार अगले तीन दिन हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में ही बरकरार रहेगी। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 183, फरीदाबाद का 194, गाजियाबाद का 178 व नोएड़ा का एयर इंडेक्स 192 रहा। इस वजह से इन शहरों में हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही। ग्रेटर नोएडा का एयर इंडेक्स 232 व गुरुग्राम का एयर इंडेक्स 267 रहा। इस वजह से इन दोनों शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में रहा।

गृह मंत्रालय ने दिल्ली विधानसभा सचिव को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने दिल्ली विधानसभा सचिव राज कुमार के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। गृह मंत्रालय ने अनियमितताओं के लिए दिल्ली विधानसभा सचिव और कैडर अधिकारी को निलंबित किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने उनके कार्यकाल के दौरान रानी झांसी फ्लाईओवर से संबंधित कथित अनियमितताओं के मामले में यह कार्रवाई की है।

मालूम हो कि पिछले साल सितंबर में, राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) ने दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के एक पैनल की सिफारिशों के बाद राज कुमार को निलंबित करने की सिफारिश की थी। मुझे खुद को समझाने का मौका नहीं दिया गया- राज कुमार इस संबंध में राज कुमार ने पीटीआई से कहा, मुझे अपने निलंबन के बारे में गृह मंत्रालय का आदेश मिल गया है। यह एक पुराना मामला है और मुझे खुद को समझाने का कोई मौका नहीं दिया गया इसलिए मेरे पास अब कहने के लिए और कुछ नहीं है। 16 अप्रैल को जारी गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, राज कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इससे पहले, 3 नवंबर, 2022 को एक लोकपाल पीठ ने केंद्रीय सतर्कता आयोग को उपलब्ध दस्तावेजों और चल रहे अदालती मामलों पर ध्यान देने और जिम्मेदारी तय करने और फ्लाईओवर के निर्माण से संबंधित अतिरिक्त भुगतान की वसूली करने को कहा था।

छात्र व शिक्षकों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति रुचि बढ़ाएगा सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों व शिक्षकों में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के प्रति रुचि बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। बोर्ड छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच एआई, समावेशी तरीके से इनोवेशन और समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देने के लिए एआई इम्पैक्ट फेस्टिवल शुरू करने जा रहा है। इंटेल कंपनी के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए छात्र व शिक्षक 10 मई तक आवेदन कर सकते हैं। सीबीएसई के अनुसार, इंडिया एआई इम्पैक्ट फेस्टिवल छात्रों व शिक्षकों के लिए एआई प्रोजेक्ट को प्रदर्शित कर अपने कौशल को साझा करने का एक राष्ट्रीय स्तर का मंच है। इसमें तीन श्रेणियों के तहत छात्र, शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान हिस्सा ले सकते हैं। पहली श्रेणी इम्पैक्ट क्रिएटर की है जिसमें 11 से 18 वर्ष की आयु के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। इसमें सब श्रेणी छठी कक्षा से आठवीं कक्षा के छात्रों व नौवीं से बारहवीं के छात्रों की है। इसके अलावा 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा भी इम्पैक्ट क्रिएटर श्रेणी में हिस्सा ले सकते हैं। दूसरी श्रेणी इम्पैक्ट शेपर की है, जिसमें शैक्षणिक व तकनीकी संस्थानों के शिक्षक हिस्सा ले सकते हैं। इस श्रेणी में स्कूलों के शिक्षक, प्रभारी व फैकल्टी शामिल है। कोई भी विषय पढ़ाने वाले शिक्षक इसमें भाग ले सकते हैं। वहीं तीसरी श्रेणी इम्पैक्ट नर्चर की है, जिसमें शैक्षणिक व तकनीकी संस्थानों के प्रमुख शामिल हैं।

पांडव नगर के एक घर से दो बच्चों के शव बरामद

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर के एक घर से दो बच्चों के शव बरामद हुए हैं। इसमें एक 15 साल का लड़का है, जबकि दूसरी 9 साल की बच्ची है। दोनों के शव एक कमरे के बिस्तर पर पड़ा मिला। वहीं दूसरे कमरे में बच्चों की मां बेहोशी हालत में पड़ी हुई थी। पिता घर से गायब है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को दोपहर दो बजे एक कॉल आई, जिसमें कहा गया कि पांडव नगर के शशि गार्डन में एक घर का दरवाजा बंद है और उस घर का सदस्य गायब है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर बाहर से बंद पाया। दरवाजे को खोलकर जब पुलिस अंदर पहुंची तो एक कमरे के बिस्तर पर दो बच्चों के शव पड़े मिले। वहीं उसकी मां दूसरे कमरे में बेहोश पड़ी थी। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वहीं श्यामजी (42) घर से गायब मिले। श्यामजी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है पुलिस और फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच जारी है। पुलिस श्यामजी की तलाश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि पिता ने ही दोनों बच्चों की हत्या कर मौके से फरार हो गया।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से दो डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 60 प्रतिशत था। मौसम कार्यालय ने कहा कि तेज हवाओं के साथ-साथ दिन में आसमान साफ और शाम तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम कार्यालय के अनुसार अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 217 रहा जो खराब श्रेणी में आता है।

डोन्ट डिसकस पॉलटिक्सिख, आई हेट पॉलटिक्सिस, मनोज तविारी ने क्यों कही ये बात

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

डोन्ट डिसकस पॉलटिक्सिख, आई हेट पॉलटिक्सिस, मनोज तविारी ने क्यों कही ये बात नई दल्लिीः उत्तर पूर्वी दल्लिीड से एक बार फरि से चुनावी मैदान में उतरे बीजेपी के सीटगिं सांसद मनोज तविारी ने शाहदरा के अशोक नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कउिनसे अक्सजर पूछा जाता है कवि‍ो राजनीतमिें क्यों आए. उन्हों ने एक लड़की की तरफ से पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कवि‍ह भोजपुरी इंडस्ट्रीम के सुपरस्टा र रहे हैं. वह बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी हदिंी फल्मिें बना चुके हैं. राजनीतमिें आने से पहले उनका बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों सलमान खान, अक्षय कुमार के साथ बैठना होता तो उनसे कहा जाता था- यार सुनो, ह्यडॉन्टन डस्किस्डा पॉलटिक्स्थि, आई हैट पॉलटिक्सिड. बॉलीवुड के कलाकार उनसे राजनीतकिी चर्चा करने की मनाही करते थे और इससे घृणा करने की बात कहते थे. यह बात मुझे बहुत कचोटने लगी मनोज तविारी ने राजनीतमिें आने के लएि उन सभी बातों का जक्रि कयिा जनिके लएि एक जनप्रतनिधि‍ि बनना जरूरी होता है. उन्होंने कहा कसि‍ड़क से लेकर फ्लाईओवर नर्मिाण, नाली, खड़ंजा, जलभराव से नजिात, सीवर सफाई, अच्छीक शक्षिा, वकिास, मेट्रो, पुल, अच्छा लवििंग स्टैं डर्ड देना, वैज्ञानकिों को चंद्रमा पर भेजना, उनको सहायता देना यह सब राजनीतज्ञिों का ही काम है. 500 साल बना अयोध्याी में राम मंदरि मनोज तिवारी ने राम मंदरि नर्मिाण कराने को लेकर मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कअिगर कसिी धर्म का 500 साल से मंदरि नहीं बना है तो उसको बनाने में अहम भूमकिा नभिाने का काम भी सरकार जनप्रतनिधि‍ि के रूप में काम करती है. उन्होंहने कहा कमिोदी सरकार ने जम्मूक-कश्मींर से अनुच्छेद-370 को हटाने, तीन तलाक खत्म करने, अयोध्यास में राम मंदरि नर्मिाण करवाने का रास्ता साफ करवाया. इसलएि अच्छे. लोगों का राजनीतमिें आना जरूरी है. यह सब तब हुआ जब देश की जनता ने कमल पर बटन दबाया. कमल पर बटन दबाने वालों की वजह से यह सब कुछ हो पाया.

अच्छे लोगों का इंतजार कर रही राजनीतउिन्होंने कहा कि राजनीति से नहीं बल्‍ि‍र राजनीतज्ञिों से घृणा करने की जरूरत है. राष्ट्रापिता महात्मो गांधी जी का एक उद्धरण का जक्रि करते हुए मनोज तविारी ने कहा कि गांधी जी का कहना था कपिाप से डरो, पापी से नहीं. उन्होंने कहा कि राजनीतअिच्छे लोगों का इंतजार कर रही है. बीजेपी का एक उदाहरण देते हुए आम आदमी पार्टी और मुख्य मंत्री अरवदिं केजरीवाल पर हमला बोला. मनोज तविारी ने लाल कृष्णज आडवाणी का जक्रि करते हुए कहा कि एक बार उनका नाम कसिी डायरी में आ गया था तो पद से इस्तीकफा देकर कोर्ट की लड़ाई लड़ी और जीतने के बाद पद पर दोबारा आए. बीजेपी ऐसी पार्टी है. लेकनि यहां ह्यइंडयिा अगेंस्टा करप्शलनह्न की दुहाई देने वाली आम आदमी पार्टी और उनके मुखयिा अरवदिं केजरीवाल खुद को कट्टर ईमानदार बताते हैं. पानी पलिाने की बजाय लोगों को शराब पलिाने लगते हैं. जनता मंदरि के सामने शराब की दुकान खोलने की मनाही करती है, लेकनि कथति 5,000 करोड़ रुपये के शराब पैकेज मलिने पर सब कुछ भुला देते हैं. आज वे कहां हैं, सबको पता है. कन्हैया कुमार पर भी मनोज तविारी ने हमला बोलते हुए कहा ककिांग्रेस और आम आदमी पार्टी ऐसे प्रत्यातशी को यहां उतार रही है जो भारत के टुकड़े-टुकड़े करने का खुलेआम नारा लगाते हैं. आम आदमी पार्टी दल्लिीह की सत्ता में है, जसिके इस संसदीय क्षेत्र में 7 वधिायक हैं, लेकनि वो यहां से प्रत्याशी कांग्रेस का उतार रही है. कांग्रेस ऐसे लोगों को टकिट दे रही है जो आतंकवादी अफजल गुरु की फांसी की नदिा करते हैं और उनके समर्थन में नारे लगाते हैं.

लोकसभा चुनाव के लिए एसवीकेपी ने दिल्ली में जारी की तीसरी सूची, 11 उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए समाज विकास क्रांति पार्टी (एसवीकेपी) ने उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने तीसरी सूची में 11 उम्मीदवारों की घोषणा की। एसवीकेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंह ने दिल्ली के अशोक होटल में प्रत्याशियों की यह तीसरी सूची जारी की। पहली लिस्ट में एसवीकेपी ने 16 लोकसभा सीटों से उम्मीदवारों की घोषणा की थी, जबकि लखनऊ में पार्टी ने 10 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की थी। तीसरी सूची में ये होंगे उम्मीदवार समाज विकास क्रांति पार्टी ने तीसरी सूची में कुल 11सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें पश्चिमी दिल्ली से चमन लाल वर्मा, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से रजनी यादव, दक्षिणी दिल्ली से गायत्री, पूर्वी दिल्ली से वीरेंद्र सिंह जून, उत्तर मुंबई महाराष्ट्र सुमन सिंह, आरा बिहार से विशाल सिंह, फरीदाबाद हरियाणा से डॉक्टर महावीर प्रसाद, पश्चिमी बंगाल कोलकाता उत्तर से नम्रता अग्रवाल, अमेठी से धीरज पासी, रायबरेली से अजय बाजपेई और सुल्तानपर यूपी से आशीष सिंह को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की है।

दिल्ली के अशोक होटल में मीडिया को संबोधित करते हुए एसवीकेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंह ने कहा कि उन्होंने सभी स्वच्छ छवि के उम्मीदवारों को टिकट देने का काम किया है जिन पर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य देश के हर नागरिक को सशक्त बनाना है। देश में बढ़ते भ्रष्टाचार को समाप्त करना और अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार देना उनकी पार्टी का प्रमुख लक्ष्य है।

श्री अशोक सिंह ने कहा, बीजेपी ने आजतक सबसे कम टिकट राजपूत समाज को दिए हैं और लगातार क्षत्रिय समाज की अनदेखी की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समाज विकास क्रांति पार्टी सदैव क्षत्रिय समाज के साथ खड़ी है और उनके हक की लड़ाई के लिए हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा, इस लोकसभा चुनाव में क्षत्रिय समाज पूरी तरह बीजेपी को हराने के लिए एकजुट है और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, देश में युवाओं की कोई सुनने वाला नहीं है। हम युवाओं को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम उन्हें पांच किलो राशन की लाइन में नहीं बल्कि रोजगार के इंटरव्यू के लाइन में खड़ा होने को सक्षम बनाएंगे। युवाओं को रोजगार देना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि यह पार्टी जुमलेबाजों की सरकार है। उन्होंने कहा, यह 2024 की लड़ाई है। इस बार जाति धर्म की लड़ाई नहीं होगी। इस बार के चुनाव में बीजेपी कहीं नहीं टिकेगी। उन्होंने कहा, इस लोकसभा चुनाव में समाज विकास क्रांति पार्टी ही सत्ता में आ रही है।

दो कुख्यात महिला अपराधी गिरफ्तार, लोगों से लिफ्ट लेने के बहाने करती थी लूटपाट

नई दिल्लीः दिल्ली कैंट थाने की पुलिस ने दो कुख्यात महिला अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार महिला पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है. आरोपित महिला की पहचान मीनाक्षी और मेनका के रूप में हुई है, जो खानपुर दिल्ली की रहने वाली है. पुलिस ने दोनों अपराधियों के कब्जे से सोने की अंगूठी और अपराध में इस्तेमाल की जानी वाली एक सेंट्रो कार बरामद की है. दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि 1 अप्रैल को शिकायतकर्ता अभिलाष कुमार निवासी सागरपुर, नई दिल्ली ने बताया कि वह अपनी बाइक पर सवार होकर कनॉट प्लेस कार्यालय से सागरपुर स्थित अपने घर जा रहे थे. करीब 8 बजे वह कनॉट प्लेस की लाल बत्ती पर पहुंचे तो दो महिलाओं ने उनसे लिफ्ट मांगी. उन्होंने लिफ्ट देने से इनकार कर दिया. उनमें से एक महिला ने उनसे बातचीत करनी शुरू कर दी. तभी दूसरी महिला उनके करीब आई और अचानक उंगली से सोने की अंगूठी निकाल कर भाग गई. शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच शुरू की. मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने अपराध स्थल का दौरा किया और आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की. सीसीटीवी जांच के दौरान दो महिलाओं को बैटरी रिक्शा में गोपीनाथ सर्कल की ओर जाते देखा गया,

संक्षिप्त खबरें

आज का युग मे भी चौकीदार बैठ रहे है जमीन पर

महनार । दुनिया 21वीं सदी की जवानी में जी रही है और अपना देश महाशक्ति बनने को बेताब है किंतु आज का युग मे भी थाना का चौकीदार हाजरी में जमीन पर बैठने को विवश है और उन्हें अपने हाँथ से हाजरी बनाने का भी अधिकार नही है । महनार थाना में कगभग तीन दर्जन चौकीदार व दफादार है और इन सब का रविवार के दिन थाना पर थानाध्यक्ष के समक्ष परेड, बैठक व हाजरी होती है जिसमे दफादार को बैठने के लिए ब्रेंच मिलता है किंतु चौकीदार या तो जमीन पर ही बैठते है या खड़े रहते है । इन लोगो को ना ही कुर्सी या ब्रेंच पर बैठने का अधिकार है और ना ही इन्हें स्वयं हाजरी बनाने का अधिकार है । थानाध्यक्ष या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी ही इनका हाजरी बनाते है और यही कारण है कि इन अधिकारियों का निजी कार्य करने को यह लोग मजबूर हो जाते है एवं इस तरह यह शोषण का शिकार हो रहे है। कई बार इन लोगों के बैठक का वीडियो बनाने का प्रयास किया गया किन्तु पुलिस अधिकारी ने ऐसा करने से रोक दिया हालांकि थाना पर लगे सी सी टी वी की अवलोकन करने से यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा ।

अबकी बार 400 पार के झूठे नारों के खिलाफ आमजनों की लड़ाई होगी आर पार, अब नहीं ठगे जायेंगे बार-बार : किरण देव यादव

- अलौली गढ़ घाट सहित 11 नदी पर पूल निर्माण का डीपीआर दूसरी बार रद्द कर वापस करने के विरुद्ध फरकियावासी चुनाव-वोट बहिष्कार करने के मूड में, पूल नहीं तो वोट नहीं का नारा होगा बुलंद

प्रात : किरण संवाददाता

अलौली खगड़िया। सामाजिक संगठन फरकिया मिशन देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि विगत तीन दशक से फरकिया मिशन अलौली गढ़ घाट पर पुल निर्माण करने के सवाल को लेकर आंदोलनरत हैं। विगत वर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज के उद्घाटन के क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूल निर्माण करने की घोषणा किए थे किंतु अलौली गढ़ घाट, बलुआही बूढी गंडक घाट, आगर घाट सहित 11 नदी पर 11 पुल निर्माण को लेकर दो दो बार डीपीआर ग्रामीण कार्य प्रमंडल खगड़िया के कार्यपालक अभियंता के द्वारा बिहार सरकार को भेजने के बावजूद डीपीआर को सरकार द्वारा रद्द कर वापस कर दिया गया, जिससे पूल निर्माण की संभावनाएं संशय - खटाई में पड़ गया, अधर में लटक गया।

श्री यादव ने कहा कि उक्त सवाल को लेकर फरकिया वासी बिहार एवं केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोशित हैं एवं पूल नहीं तो वोट नहीं, नारों को बुलंद करते हुए चुनाव-वोट बहिष्कार करने के मूड में है।

श्री यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा की जा रही जुमलेबाजी, छद्म राष्ट्रवाद एवं झूठी विकसित भारत व हिन्दू राष्ट्र का दिवास्वप्न दिखाने के झांसे में अबकी बार आमजन नहीं आयेंगे। जनता एनडीए गठबंधन को नस-नस पहचान चुकी है। 145 करोड़ आमजनता को अब महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी गरीबी निजीकरण बलात्कार धार्मिक उन्माद नफरत धर्मबाद जातिवाद मंदिर मस्जिद राम रहीम से ऊपर उठकर आपसी प्रेम भाईचारा शांति सद्भाव सामाजिक सौहार्द इंद्रधनुषी तहजीब सामाजिक समरसता अमन चैन पसंद सरकार चाहिए। देश में फासीवादी पूंजीवादी मनुवादी जुमलेबाजी पलटू राम की सरकार नहीं चाहिए। अब जनता को मौलिक अधिकार रोटी कपड़ा मकान शिक्षा स्वास्थ्य स्वास्थ्य दवा रोजगार चाहिए। मूलभूत सुविधाएं सड़क पानी बिजली सिंचाई संचार सर्वांगीण विकास चाहिए। जनतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकार चाहिए। देश की एकता अखंडता संप्रभुता लोकतंत्र व संविधान चाहिए। अब आमजनों को फासीवादी पूंजीवादी व्यवस्था नहीं बल्कि समाजवादी व्यवस्था चाहिए। एक नये समाज, समृद्ध सुरक्षित शिक्षित विकसित देश चाहिए।

महुली से चार बच्चों के साथ खरीददारी करने गिद्धौर बाजार आई महिला लापता

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआ पंचायत के महुली गांव से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने चार बच्चों के साथ लापता हो गई है। उक्त गांव खैरा थाना क्षेत्र में आता है, मामले को लेकर थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदक महिला के देवर दीपक कुमार रजक ने पुलिस को बताया है कि 16 अप्रैल को दिन के एक बजे के लगभग मेरे भाई रामजनक रजक की पत्नी मेरी भाभी प्रियंका कुमारी राशन और अन्य घरेलू सामग्री लाने अपने चार बच्चों आकांक्षा, आरव, पीहू और अनूप के साथ गिद्धौर बाजार गई थी। करीब दो घंटे बीत जाने के बाद भी जब वो नहीं आईं तो परिजनों को आशंकाएं होने लगीं। आवेदक ने आगे बताया कि समय बीतते जाने के बाद हमने अपने स्तर से काफी खोजबीन किए। गांव, मुहल्ला, परिवार सहित हर जगह ढूंढ लिए। लेकिन मेरी भाभी और उनके चारों बच्चों का अब तक कोई अता पता नहीं चल सका है। वहीं स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार महिला के पति बाहर रहकर कामकाज करता है। महिला ससुरालवलाओं और अपने बच्चों के साथ महुली गांव में ही रहती है। महिला का मायका खैरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गंगटी विशनपुर गांव है। परिजनों द्वारा वहां भी महिला और बच्चों को ढूंढा गया है। इधर आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस भी अपने स्तर से छानबीन में जुटी है।

8 से 10 बजे तक वर्ग संचालन. 15 मई को विशेष परीक्षा ली जाएगी, डीईओ ने कहा अनुपस्थित शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

- मिशन दक्ष के तहत गर्मी छुट्टी में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन शुरू, पहले घंटे में कम रही बच्चों की उपस्थिति

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:जिले के सरकारी स्कूलों में मिशन दक्ष के तहत गर्मी छुट्टी में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन शुरू किया गया।मालूम हो कि गर्मी छुट्टी में भी मिशन दक्ष अंतर्गत विद्यालय में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन किया जा रहा है। इसको लेकर निदेशक प्राथमिक शिक्षा मिथिलेश मिश्रा ने डीईओ को निर्देश जारी कर दिया था। जारी पत्र में कहा गया था कि 15 अप्रैल से लेकर 15 में तक गर्मी छुट्टी के दौरान प्रत्येक के कार्य दिवस को प्रातः 8 बजे से 10 तक विशेष कक्ष संचालित की जाएगी। इस दौरान शिक्षक प्रातः 8 बजे से पूर्व स्कूल पहुंच जाएंगे व बच्चों को मध्यान भोजन करवाने के बाद लौट सकेंगे। शैक्षणिक सत्र कक्षा आठ तक मिशन दक्ष के लिए चिन्हित सभी बच्चों के लिए विशेष दक्ष कक्षा संचालित की जाएगी। साथ ही मार्च 2024 में हुई वार्षिक परीक्षा में कक्षा -5 व 8 में अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए विशेष कक्ष बुलाई जाएगी। साथ ही मिशन दक्ष में चिन्हित बच्चों के अतिरिक्त अन्य इच्छुक बच्चे भी विशेष कक्ष में भाग ले सकेंगे।10 बजे के बाद बच्चों को मध्यान भोजन दिया जाएगा।वही स्कूल के प्रधानाध्यापक विशेष कक्षा संचालन के बाद नए बच्चों के नामांकन की कार्यवाही करेंगे व नामांकित बच्चों का विवरण इ शिक्षकोष पर एंट्री करेंगे। इसी को लेकर शनिवार को भास्कर की टीम ने कई स्कूलों का जायजा लिया। वहीं शिक्षकों ने नाम नहीं छापने की छत पर बताया कि विभाग के इस आदेश के कारण घरों में होने वाले शादी व जनेऊ में भी जाने में परेशानी हो रही है।पहले हम लोग गर्मी छुट्टी का इंतजार करते थे लेकिन अब गर्मी छुट्टी का भी फायदा नहीं मिल रहा है। छात्रों के लिए परीक्षा का आयोजन करने का प्रावधान निर्देशक ने जारी आदेश में कहा है कि 1 दिसंबर 2023 से कमजोर छात्रों के लिए मिशन दक्ष प्रारंभ किया गया। इसके तहत कक्षा 3 से 8 तक के वैसे छात्र जो हिंदी,अंग्रेजी एवं गणित के बुनियादी कौशल में बहुत कमजोर है उनको चिन्हित कर विद्यालय के ही शिक्षकों द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस को स्कूल में नियमित कक्षा संचालन के बाद छोटे-छोटे समूह में अलग से पढ़ाया जा रहा है।

अच्छे मतदाता ही अच्छी सरकार को चुनते हैं : प्राचार्य

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा(आससे)।दरभंगा सेंट्रल स्कूल, कृष्णा विहार, वासुदेवपुर में आज बच्चों को मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य ए के कश्यप ने कहा कि प्रजातंत्र के लिए चुनाव एक बहुत बड़ा अवसर माना जाता है। जिसमें वयस्क नागरिक अपने अधिकारों का प्रयोग मतदान देकर करते हैं। यह सभी मतदाता के लिए बहुत बड़ा उत्सव माना जाता है। मतदान देने से हमारे अधिकार का सार्थक प्रयोग होता है। अच्छे मतदाता ही अच्छे सरकार को चुनते हैं। अच्छे सरकार बनने से हमारे देश का विकास होता है । कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न पदभार देकर मतदान प्रक्रिया को समझाया गया। जिसमें ईवीएम मशीन, अंगूठा पर स्याही का निशान, प्रजाइडिंग ऑफिसर, पालिंग ऑफिसर, पालिंग एजेंट, तथा बच्चों को हाथ में पुर्जा, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड के साथ मतदान देने की नसीहत दी गई। इस कार्यक्रम में जिन बच्चों ने पदभार से अपना कार्य दिखाए उसमें- चांदनी झा, साकेत कुमार झा, शिवम कुमार, सचिन कुमार, आराध्या सिंह, सुशांत कुमार, आदर्श कुमार, अविनव कुमार आदि। कार्यक्रम के संचालन में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की भूमिका रही।

जीविका दीदीयों व स्वीप कोषांग के द्वारा प्रखण्डों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजीव रौशन के आदेश के आलोक में स्वीप गतिविधियों के तहत स्वीप कोषांग द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर जिला स्तर से लेकर प्रखण्ड व पंचायत स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।आज सिंहवाड़ा प्रखंड अंतर्गत टेकटैर एवं हरिहरपुर पूर्वी पंचायत में जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत जागरूकता रैली, रंगोली एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। बिरौल प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय तरवारा में जीविका दिदियाँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, के साथ मतदाता जागरुकता अभियान अंतर्गत जागरूकता रैली, एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं एवं सीडीपीओ उपस्थित थे। कुशेश्वरस्थान प्रखंड अंतर्गत मसानकोन पंचायत में मतदाता जागरूकता अभियान के लिए अनोखा जीविका महिला ग्राम संगठन के जीविका दीदियों द्वारा जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली, रंगोली एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया।हनुमाननगर,संबंधित सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,सेविकाओं और महिला पर्यवेक्षिका के द्वारा जगह जगह मतदाता जागरूकता रैली,गृह भ्रमण,रंगोली कार्यक्रम , शपथ ग्रहण,दीवार लेखन, एवं मेंहदी प्रतियोगिता,मतदाता चौपाल,घर-घर दस्तक अभियान भी चलाया।इस अवसर पर दरभंगा जीविका से जिला परियोजना प्रबंधक डॉ.ऋचा गार्गी के द्वारा जीविका दीदियों को दरभंगा मतदान केंद्र नाम से एक मोबाइल एप्प लॉन्च किया है, इसे सभी जीविका दीदियाँ उपयोग कीजिए और अपने आस-पास भी इस एप्प के के बारे में बताया गया। दरभंगा मतदान केंद्र एप्प की खासियत यह है कि इस पर चुनाव से जुड़ी सभी प्रकार की छोटी-बड़ी न सिर्फ जानकारी उपलब्ध है बल्कि चुनाव कार्य में लगे अधिकारी के नाम और कॉन्टेक्ट नंबर भी दिया गया है।एप्प के माध्यम से जीविका दीदियाँ न सिर्फ अपना मतदान केंद्र देख सकते हैं,बल्कि अपने वोटर लिस्ट को भी यहाँ चेक कर सकते हैं।कार्यक्रम में मूल्यांकन एवं अनुश्रवण प्रबन्धक एवं अन्य प्रबंधक उपस्थित थे।

दो पक्षों में हुई मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा नगर परिषद क्षेत्र के भीरखी मोहल्ला वार्ड नंबर 22 मूसहरी टोला नियर पश्चिम रेलवे गुमटी ढाला के पास देर रात्रि हुई मारपीट की घटना में पड़ोसी ने तेज धारदार हथियार से हमला कर अमर कुमार को बुरी तरह से जख्मी कर दिया। वही मौके पर अमर कुमार बेहोश हो गए। परिजन 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 नंबर पुलिस घटना के सत्यापन के लिए मौके पर पहुंची। गंभीर स्थिति में जख्मी अमर कुमार को मधेपुरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉ. पवन कुमार के द्वारा इलाज किया गया। मरीज के सर में गहरा चोट एवं गंभीर स्थिति को देखते हुए मधेपुरा के जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बेहतर चिकित्सा एवं सिटी स्कैन करने के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मधेपुरा सदर थाना के पुलिस पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंचकर जख्मी से बयान लेकर घटना की जांच में जुट गई। वही परिजन सदर अस्पताल से जख्मी अमर कुमार को जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी चिकित्सा चल रही है। खतरे से बाहर बताया गया।

दुष्कर्म के जूर्म में बीस वर्ष की सश्रम कारावास व बीस हजार अर्थदण्ड की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के लिए पोक्सो एक्ट के एक मात्र विशेष न्यायाधीश प्रतिमा परिहार की अदालत ने सदर थाना क्षेत्र के एकभिण्डा गांव निवासी संतोष पासवान को एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के जूर्म में शुक्रवार को बीस वर्ष की सश्रम कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक विजय कुमार ने बताया कि 28 मार्च 2021 को अभियुक्त ने एक तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म पीड़िता की जांच डी एम सी एच में हुई।

पुलिस ने महिला थाना में प्राथमिकी संख्या 34 /21 दर्ज कर आरोपी के बिरुद्ध आरोप पत्र समर्पित किया। तदनुसार कोर्ट ने संज्ञान लिया। आरोप गठन पश्चात अभियोजन पक्ष से 9 साक्षियों की गवाही हुई।

शुक्रवार को अभियोजन पक्ष और वचाव पक्ष की ओर से बहस हुई तथा अदालत ने जूर्मी को भादवि की धारा 376 एबी में 20 साल की कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

वहीं पॉक्सो ऐक्ट की धारा 6 में 20 साल की कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। वहीं पीड़िता को राहत एवं पुनर्वास के लिए 8 लाख 50 हजार रुपये का प्रतिकर भुगतान करने का आदेश दिया है।

इस राशि की भुगतान जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा द्वारा की जायेगी। जूर्मी को 28 मार्च 2021 को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके बाद से ही वह काराधीन है।

विभाग की सख्ती-जिले में करीब सैकड़ो निजी स्कूलों में मात्र चुनिदा स्कूलों है रजिस्टर,इसमें भी कई में है खामियां

- प्राइवेट स्कूलों में 25 फीसदी निःशुल्क नामांकन नहीं लिया गया तो रजिस्ट्रेशन होगा रद्द,एक लाख रुपए तक देना पड़ेगा जुमार्ना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:- शिक्षा विभाग ने जारी किया सरकारी स्कूलों के बाद अब प्राइवेट स्कूलों के संचालन एवं आरटीई के नियमों का शत प्रतिशत पालन करने के लिए कमर कस ली है। जिले में बिना रजिस्ट्रेशन या नियमों की अनदेखी करके चल रहे उन सभी निजी स्कूलों का शटर डाउन करने की तैयारी चल रही है। बिना रजिस्ट्रेशन के स्कूल चलते हुए मिलने पर संचालक पर एक लाख रूपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा।इसके साथ ही आरटीई के तहत कक्षाओं में 25 फीसदी नामांकन गरीब बच्चों को नहीं देने पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। वैसे निजी स्कूलों पर भी कार्रवाई की गज गिर सकती है जिन्हें मानक पूरा करने के आदेश देने के बाद भी पूरा नहीं किया जा रहा है।जिले में शहर से लेकर ग्रामीण स्तर पर करीब 300 से 400 निजी स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। लेकिन शिक्षा विभाग से कुछ चुनिंदा स्कूल ने ही रजिस्ट्रेशन कर रखा है यानी जिले में 100 से 200 प्राइवेट स्कूल बिना रजिस्ट्रेशन बिना क्यूआर कोड के ही अपनी सुविधा के अनुसार चल रहा है। ऐसे निजी स्कूलों पर अधिनियम की धारा-19 (5) के तहत कार्रवाई की तैयारी चल रही है। इन स्कूलों में कइयों ने तो रजिस्ट्रेशन ही नहीं कराया है।और कई ऐसे भी है जिनका रजिस्ट्रेशन शिक्षा विभाग की ओर से रद्द करते हुए बंद करने का आदेश दिया जा चुका है। शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों के संचालकों पर एक लाख रूपए तक का आर्थिक दंड लगाने का दिशा में आगे बढ़ गया है। प्रतिदिन दस हजार रूपए की दर से लगेगा दंड डीपीओ ने सभी प्रखंडों के बीईओं से स्कूलों की सूची मांगी है।आदेश जारी होने के बाद भी यदि संचालक स्कूल बंद नहीं करते हैं तो ऐसे संचालकों से आदेश में छूट की समय सीमा समाप्ति के बाद से प्रतिदिन के हिसाब से दस हजार रूपए दंड स्वरूप वसूलने का आदेश दिया है।प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने वीसी के माध्यम से जिला शिक्षा विभाग को शख्त निर्देश दिया है की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा नियमावली 2011 का पालन किया जाए।प्रत्येक निजी स्कूलों में 25 .फीसदी नामांकन गरीब बच्चों की सुनिश्चित कराया जाए।बिना प्रस्वीकृति क्यूंआर कोड प्राप्त निजी स्कूलों का संचालन पर हर हाल में रोक लगाया जाए। बिना रजिस्ट्रेशन वाले स्कूलों को किया जा रहा है चिन्हित डीपीओ ने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले स्कूलों को चिन्हित किया जा रहा है ऐसे सभी स्कूलों को बंद किया जाएगा।जिन स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है उसकी त्वरित भौतिक सत्यापन के साथ रजिस्ट्रेशन क्यूंआर कोड जारी किया जाएगा। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत सभी निजी स्कूलों को 25 फीसदी नामांकन गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को करने को सख्ती से लागू किया जाएगा।आरटीइई कानून का उल्लंघन करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी बीईओ को इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय में जमा करने का आदेश दिया है।

गड्ढे में डूबने ने तीन किशोरों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। राघोपुर पूर्वी पंचायत के नजरा मोहम्मदा गांव के बाध में जेसीबी से खोदे गए गड्ढे में नहाने गए तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटना शनिवार की सुवह करीब करीब 9.30 बजे की है। तीनों किशोर राघोपुर उत्तरी पंचायत के नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। गहरे पानी में डूबकर मरनेवालों में मौलाना अशरफ के दो पुत्र एबादुल्लाह 12 वर्ष एवं सनादुल्लाह 11 वर्ष तथा मो अंजार के 10 वर्षीय पुत्र अलरतीब शामिल हैं। जानकारी अनुसार ये सभी मृतक अपने अन्य कुछ छोटे छोटे बच्चों के साथ सुबह घर से निकले तथा घर से करीब एक किलोमीटर दूर नजरा मोहम्मदा गांव में रेलवे लाईन के निकट अवस्थित तालाब नुमा गढ़ढ़े में नहाने के लिए नीचे उतरे। जेसीबी से खोदे गए इस गढ़ढ़े की गहराई में ये उपलाने लगे तो उसके अन्य साथियों ने जोर जोर से आवाज लगाई।आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने उन्हें गहरे पानी से बाहर निकाला तो सभी बेहोश थे। लोगों ने इसकी सूचना पंचायत के मुखिया को दी। मुखिया रजि आलम एवं अन्य लोगों ने तुरंत आटो रिक्शा से तीनों बच्चे को पी एच सी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी उन्हें नहीं बचा पाए। चिकित्सकों ने तीनों बच्चे को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची मनीगाछी की पुलिस ने तीनों लाशों को अपने कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने बताया कि तीनों किशोरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए डी एम सी एच भेज दिया है।

ज्ञात हो खनन विभाग की लापरवाही के कारण गत दो वर्षों में मनीगाछी प्रखंड क्षेत्र में करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। गत 2 अप्रैल 2024 को राघोपुर दक्षिणी पंचायत के गोढ़ियारी गाँव के छोटी कुमारी-12वर्ष, 15 अप्रैल 2023 को राघोपुर उत्तरी पंचायत के दहौड़ा गाँव के बिकाऊ दास-55वर्ष, 19 नवम्बर 2023 को जगदीशपुर गाँव के रौशन भंडारी-24 वर्ष, 20 नवम्बर 2023 को उजान सोनपुर गाँव के झामलाल मंडल-55 वर्ष सहित अन्य की मौत डूबने से हो गई है। जानकारी के अनुसार खेतों के मालिक रूपयों की लालच में अवैध रूप से अपने खेतों की मिट्टी जेसीबी मशीन वालों के हाथों बेच देता है। और जेसीबी मशीन वाले उन खेतों से अनाधिकृत रूप से मिट्टी काटकर आमलोगों से पाँच सौ रुपए से लेकर आठ सौ रुपए प्रति ट्रैक्टर की दर से बेचा करते हैं। अवैध रूप से मिट्टी बेचने व काटने से जहाँ सरकार को लाखों रूपयों का चपट लगता है, वहीं खेतों के मालिक एवं जेसीबी मशीन वाले मालामाल हो रहे हैं। इस संबंध में खनन विभाग के जिला निरीक्षक आमिर ने बताया कोई भी जमीन मालिक अगर बिना परमिट के अपने जमीन से मिट्टी खोदवाते हैं तो वो गैर कानूनी होगा। ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परमिट लेने के उपरांत भी मात्र डेढ़ मीटर तक ही खोदाई कर सकते हैं। नजरा मोहम्दा गाँव में तीन बच्चों के गढ़ढ़े में डूबने से हुई मौत के संबंध में बताया कि नजारा मोहम्दा का कोई भी व्यक्ति अपने जमीन से मिट्टी खोदाई का परमिट नहीं लिया था। इस संबंध में मनीगाछी थानाध्यक्ष से जानकारी ली जा रही है। अगर गैरकानूनी तरीके से मिट्टी की खोदाई की गई होगी पर जमीन मालिक पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि सभी थानाध्यक्षों को भी सूचना दी गई है कि अगर उनके क्षेत्र में कहीं मिट्टी खनन होता है तो तुरंत जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर को जब्त कर इसकी सूचना उपलब्ध कराएं। ताकि उनपर कानूनी कार्रवाई की जा सकी।

आपदा गर्मी व लू से बचाव को लेकर अधिकारियों को डीएम ने दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी राजीव रौशन ने मार्च से मई महीने में घटित होने वाले अग्निकांड आपदा व भीषण गर्मी एवं लू से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार पटना द्वारा जारी दिशा-निर्देश का पालन करने हेतु जिले के अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में अग्निकांड की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमण्डल पदाधिकारी स्वयं घटना स्थल पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य करवाना सुनिश्चित करेंगे।

साथ ही इसका प्रतिवेदन जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को 24 घंटे के अन्दर अनुमान्य सहायता यथा-पॉलीथिन शीट्स, नगद अनुदान तथा वस्त्र एवं बर्तन के अनुदान उपलब्ध करायेंगे।उन्होंने कहा कि यदि जले व क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वेक्षण कर इसका जिओ टैगिंग एवं फोटोग्राफी कराकर संबंधित अनुमण्डल पदाधिकारी से स्वीकृत्योपरांत ससमय गृह क्षति अनुदान देना सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही पंचायत स्तर पर मुखिया, जनप्रतिनिधि के साथ बैठक कर अग्निकांड की रोकथाम हेतु भीषण गर्मी एवं लू से बचाव हेतु जागरूकता फैलाना व राज्य द्वारा समय-समय पर जारी हीट वेव बुलेटिन एवं मौसम पूवार्नुमान के आंकड़ों,चेतावनियों को ससमय अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक सोशल मीडिया ग्रुप में प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे।नगर आयुक्त, दरभंगा नगर निगम को शहरी क्षेत्रों तथा नगर पंचायतों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था, आवश्यकतानुसार चापाकलों की मरम्मती, नगरीय क्षेत्र में अवस्थित आश्रय स्थलों में पेयजल तथा स्लम निवासियों हेतु आकस्मिक दवाओं की व्यवस्था के साथ ही गर्म हवाओं एवं लू से बचाव तथा अग्निकांड की घटना के निदान हेतु आम जनता के बीच प्रचार-प्रसार करवाने का निर्देश दिया गया।जिला अधिकारी ने कहा कि गर्मी एवं लू से बचाव के लिए सभी अधिकारी अपने स्तर से आवश्यक कदम उठाना सुनिश्चित करें ,जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

निर्माण : उप विकास आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा समावेशी स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में मेरा पहला वोट, देश के लिए अभियान तथा मतदान एक जिम्मेदारी उम्र 18 की है बारी पहल के तहत छात्र-छात्राओं को मतदाता शपथ दिलाया गया एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में प्रथम बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई पत्र दिया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा युवा प्रशिक्षु को मतदान देने हेतु प्रेरित किया गया एवं उन्हें आम निर्वाचन 2024 का सारथी बनने हेतु अनुरोध किया गया। उन्होंने 7 मई 2024 को सभी युवाओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। उप विकास आयुक्त द्वारा जिला पदाधिकारी के आमंत्रण पत्र के बारे में बताया गया और बढ़ चढ़ कर मतदान में हिस्सा लेने हेतु आग्रह किया गया। उनके द्वारा छात्र-छात्राओं से सारथी बनने का अपील करते हुए स्वयं को जागरूक करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आस-पड़ोस को भी मतदान हेतु जागरूक करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त द्वारा छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र के महापर्व की महत्ता के बारे में बताया गया एवं छात्र-छात्राओं को देश का नेतृत्व करते हुए मताधिकार के प्रयोग करने पर बल दिया गया। इस क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा भी छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी जिला कल्याण पदाधिकारी प्राचार्य एवं व्याख्याता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जिला स्वीप आईकॉन सोनी राज, फर्स्ट टाइम वोटर्स एवं संस्थान के युवा प्रशिक्षु उपस्थित हुए। प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

सम्पादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरूआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन इंडिया मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

ईवीएम की शुरूआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ भ्रष्ट हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है।

उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को छू सकता है

वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7, 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32, 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1, 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर मदद करता रहता है। हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।

प्रहलाद सबनानी
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

वर्ष 1991 में भारत के पास केवल 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था जो केवल 15 दिनों के आयात के लिए ही पर्याप्त था। वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7, 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32, 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1, 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर मदद करता रहता है।

हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश। केंद्र सरकार द्वारा चालू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के चलते भारत में अब व्यापार करना बहुत आसान हुआ है अतः विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं, जिसके लिए वे भारत में भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ला रही हैं। दूसरे, भारतीय मूल के नागरिक जो विदेश में जाकर बस गए हैं अथवा वे वहां पर रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से गए हैं, वे इन देशों में अपनी बचत की राशि को भारत भेज रहे हैं। यह राशि पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजने वाली राशि में सबसे अधिक है। वर्ष 2023-24 में विदेशों में बसे भारतीय मूल के नागरिकों ने 12, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी थी। दूसरे स्थान पर मेक्सिको रहा था जहां पर 6, 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी और तीसरे स्थान पर चीन रहा था, जहां 5, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी। कितना बड़ा अंतर है प्रथम एवं द्वितीय स्थान के देशों में। तीसरा, कारण है कि अब भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात कम हो रहे हैं। और, अब तो भारत रक्षा के क्षेत्र में भी हवाई जहाज एवं अन्य रक्षा सामग्री का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा के क्षेत्र में 21, 083 करोड़ रुपए का निर्यात भारत द्वारा किया गया था, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात की गई राशि 15, 920 करोड़ रुपए से 32.5 प्रतिशत अधिक था।

विश्व में अब विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने के पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ, दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रान्स (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है। भारत ने हाल ही के समय में अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करना प्रारम्भ किया है एवं यूनाइटेड अरब अमीरात से 200 मेट्रिक टन स्वर्ण भारतीय रुपए में खरीदा था।

दरअसल किसी भी देश में विदेशी मुद्रा भंडार के अधिक होने के चलते उस देश में विदेशी व्यापार करने का आत्मविश्वास जागता है क्योंकि अन्य देशों से किये गए व्यापार के एवज में विदेशी मुद्रा में भुगतान करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। साथ ही, विदेशी निवेशकों में भी विश्वास जागता है कि जिस देश में वे निवेश कर रहे हैं उस देश की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और उनका उस देश में विदेशी मुद्रा में निवेश किया गया पैसा सुरक्षित है एवं उन्हें उनका निवेश वापिस मिलने में कोई परेशानी नहीं आएगी। विदेशी मुद्रा भंडार उच्च स्तर पर होने से कोई भी विदेशी संस्थान ऋण उपलब्ध कराने में नहीं हिचकता है, क्योंकि उसे भरोसा रहता है कि ऋण का पुनर्भुगतान होने में आसानी रहेगी। विदेशी मुद्रा भंडार के उच्च स्तर पर रहने से उस देश की मुद्रा की कीमत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरने से बचाया जा सकता है। जैसे भारत में भारतीय रिजर्व बैंक ने कोरोना महामारी के दौरान एवं इसके बाद अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरने से रोकने में सफलता पाई है। जब कभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत पर दबाव दिखाई दिया है, भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिकी डॉलर को बाजार में बेचकर रुपए की कीमत को स्थिर बनाये रखा है। इस प्रकार, पिछले लगभग दो वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को स्थिर बनाए रखा जा सका है।

अब तो भारत लगातार यह भी प्रयास कर रहा है कि जिन देशों से विभिन्न वस्तुओं का आयात भारत द्वारा किया जा रहा हैं उन्हें इसके एवज में अमेरिकी डॉलर के स्थान पर भारतीय रुपए में भुगतान किया जाए। 32 से अधिक देशों ने इस संदर्भ में अपनी स्वीकृति भारत सरकार को दे दी है एवं कई देशों ने तो भारतीय रिजर्व बैंक के साथ अपना नोस्ट्रो खाता भी खुलवा लिया है ताकि उन्हें भारत को निर्यात किए गए सामान की राशि भारतीय रुपए में भुगतान लेने में आसानी हो सके। यदि भारत और अन्य देशों के बीच इस प्रकार की व्यवस्था सफल होती है तो इन देशों में बीच अमेरिकी डॉलर की मांग कम होगी और अमेरिकी डॉलर की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत स्थिर रखने में और भी आसानी होगी, जो कि भारत के विदेशी व्यापार को गति देने में सहायक होगी।

जिस तेज गति से भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, भारत से विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात बढ़ रहे हैं एवं आयात कम हो रहे हैं, भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा भारत में विदेशी मुद्रा में भारी मात्रा में राशि भेजी जा रही है, इससे अब यह विश्वास दृढ़ होता जा रहा है कि आगे आने वाले समय में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा।

सावधानी बरतनी चाहिए

विनीत नारायण

इस बार का चुनाव बिल्कुल फीका है। एक तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिन्दू, मुसलमान, कांग्रेस की नाकामियों को चुनावी मुद्दा बनाए हुए है वहीं चार दशक में बढ़ी सबसे ज्यादा बेरोजगारी, किसान को फसल के उचित दाम न मिलना, बेइंतहा महंगाई और तमाम उन वादों को पूरा न करना, जो मोदी जी ने 2014 व 2019 में किए थे-ऐसे मुद्दे हैं जिन पर भाजपा का नेतृत्व चुनावी सभाओं में कोई बात ही नहीं कर रहा। सबका साथ सबका विकास नारे के बावजूद समाज में जो खाई पैदा हुई है, वो चिंताजनक है। रोचक बात यह है कि 2014 के लोक सभा चुनाव को मोदी जी ने गुजरात मॉडल, भ्रष्टाचारमुक्त शासन और विकास के मुद्दे पर लड़ा था। पता नहीं 2019 में और इस बार क्यों वे इनमें से किसी भी मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं। इसलिए किसान, मजदूर, करोड़ों बेरोजगार युवाओं, छोटे व्यापारियों यहां तक कि उद्योगपतियों को भी उनके भाषणों में रुचि खत्म हो गई है। उन्हें लगता है कि मोदी जी ने उन्हें वादे के अनुसार कुछ भी नहीं दिया। इसलिए यह विशाल मतदाता वर्ग भाजपा सरकार के विरोध में है। हालांकि अपना विरोध खुल कर प्रकट नहीं कर रहा। हालांकि यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि प्रति व्यक्ति हर महीने 5 किलो अनाज मुफ्त देने का मोदी जी का फामूर्ला कारगर रहा है। जिन्हें अनाज मिल रहा है, वे कहते हैं कि इससे पहले कभी किसी सरकार ने उन्हें ऐसा कुछ नहीं दिया। इसलिए वे मोदी जी के समर्थन में हैं। पर इस मुद्दे पर बुद्धिजीवियों और अर्थशास्त्रियों की राय भिन्न है। वे कहते हैं कि अगर मोदी जी ने अपने वादे के अनुसार हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया होता तो अब तक 20 करोड़ युवाओं को रोजगार मिल जाता। तब हर युवा अपने परिवार के कम से कम पांच सदस्यों का भरण-पोषण कर लेता। इस तरह भारत के 100 करोड़ लोग सम्मान की जिंदगी जी रहे होते जबकि आज 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन के लिए भीख का कटोरा लेकर जी रहे हैं। दूसरी तरफ, वे लोग हैं जो मोदी जी के अंधभक्त हैं, और हर हाल में मोदी सरकार को फिर से लाना चाहते हैं। मोदी जी के 400 पार के नारे से आत्ममुग्ध हैं। मोदी सरकार की सब नाकामियों को वे कांग्रेस शासन के मत्थे मढ़कर पिंड छुड़ा लेते हैं क्योंकि इन प्रश्नों का कोई उत्तर उनके पास नहीं है। अभी बताना असंभव है कि कांटे की टक्कर में ऊंट किस करवट बैठेगा। क्या विपक्षी गठबंधन की सरकार बनेगी या मोदी जी की? सरकार जिसकी भी बने, चुनौतियां दोनों के सामने बड़ी होंगी। मान लें कि भाजपा की सरकार बनती है, तो क्या हिन्दुत्व के ऐजेंडे को इसी आक्रामकता से, बिना सनातन मूल्यों की परवाह किए, बिना सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन किए सब पर थोपा जाएगा, जैसा पिछले 10 वर्षों में किया गया। इसका मोदी जी को सीमित मात्रा में राजनैतिक लाभ भले ही मिल जाए, लेकिन हिन्दू धर्म और संस्कृति को स्थायी लाभ नहीं मिलेगा। भाजपा और संघ, दोनों ही हिन्दू धर्म के लिए समर्पित होने का दावा करते हैं पर सनातन हिन्दू धर्म के मूल सिद्धांतों से परहेज करते हैं। सैकड़ों वर्षो से हिन्दू धर्म के स्तंभ रहे शंकराचार्य मानते हैं कि जिस तरह का हिन्दुत्व मोदी और योगी राज में पिछले कुछ वर्षो में प्रचारित और प्रसारित किया गया, उससे हिन्दू धर्म का मजाक ही उड़ा है। केवल नारों और जुमलों में ही हिन्दू धर्म का हल्ला मचाया गया। हां, उज्जैन, काशी, अयोध्या, केदारनाथ आदि धर्मस्थलों पर विशाल मन्दिरों के निर्माण से हिन्दू समाज में अपनी पहचान के लिए जागरूकता बढ़ी है। इसके अलावा जमीन पर ठोस कुछ नहीं हुआ, जिससे सनातन परंपरा पल्लवित-पुष्पित होती। इस बात का हम जैसे सनातनधर्मियों को अधिक दुख है क्योंकि हम साम्यवादी विचारों में विश्वास नहीं रखते। हमें लगता है कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है, और सनातन धर्म विशाल हृदय वाला है जिसमें नानक, कबीर, रैदास, महावीर, बुद्ध, तुकाराम, नामदेव सबके लिए गुंजाइश है। वो संघ और भाजपा की तरह संकुचित हृदय नहीं है, इसलिए हजारों साल से पृथ्वी पर जमा हुआ है जबकि दूसरे धर्म और संस्कृतियां अहंकारी नीतियों के कारण कुछ सदियों के बाद धरती के पर्दे पर से गायब हो गए। संघ और भाजपा के राजनैतिक हिन्दू ऐजेंडा से उन सब लोगों का दिल टूटता है, जो हिन्दू धर्म और संस्कृति के लिए समर्पित हैं, ज्ञानी हैं, साधन-संपन्न हैं पर उदारमना भी हैं क्योंकि ऐसे लोग धर्म और संस्कृति की सेवा डंडे के डर से नहीं, बल्कि श्रद्धा-प्रेम से करते हैं। जिस तरह की मानसिक अराजकता पिछले 5 वर्षो में देखने में आई है, उसने भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा दिया है। अगर ऐसे ही चला तो भारत में दंगे, खून-खराबे और बढ़ेंगे जिससे भारत का विघटन भी हो सकता है। इसलिए संघ और भाजपा को इस विषय में अपना नजरिया क्रांतिकारी रूप में बदलना होगा तभी आगे चलकर भारत अपने धर्म और संस्कृति की ठीक से रक्षा कर पाएगा, अन्यथा नहीं।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घातक है युद्ध की आहट

युद्ध के बादल बस घने तथा और गहरे होते जा रहे हैं। 33वर्षों में पहली बार एक विदेशी राष्ट्र ने 13 अप्रैल (शनिवार) को इजरायल पर हमला किया। आखिरी बार 1991 में इराक ने इजरायल पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। यह ईरान था जिसने पिछले सप्ताह के अंत में इजरायल में विभिन्न इलाकों पर 360 से अधिक मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपित किए थे। यह हमला धीमी गति से चलने वाले ड्रोन (जो ईरान से इजरायल तक जाने में छह घंटे से अधिक समय लेते हैं), तेज क्रूज मिसाइलों और बहुत उच्च गति वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक संयोजन था जो ध्वनि की गति से भी तेज हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल पर इस सुनियोजित हमले को लेकर पड़ोसी देशों को 72 घंटे की चेतावनी दी थी। उधर इजरायल लगभग 99 प्रतिशत मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में कामयाब रहा और इसलिए उसका बहुत नुकसान नहीं हुआ। यह परिष्कृत मिसाइलरोधी रक्षा प्रणाली- आयरन डोम के कारण संभव हुआ जिसे इजरायल ने अमेरिकी और ब्रिटिश मदद से बनाया था और इस बार जॉर्डन की धरती पर भी तैनात किया गया था।

डॉ.अजीत रानाडे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार है

हमास द्वारा 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमले के लिए इजरायल का प्रतिशोध अब अनुपात से ज्यादा लगता है। इजरायल की बदले की कार्रवाई में अब तक 30, 000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं। इनमें अनेक महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं। जैसे यूक्रेन में बमबारी का कोई अंत नहीं दिख रहा है उसी तरह इजरायल द्वारा गाजा पर हमलों की समाप्ति के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। युद्ध के बादल बस घने तथा और गहरे होते जा रहे हैं।

33वर्षों में पहली बार एक विदेशी राष्ट्र ने 13 अप्रैल (शनिवार) को इजरायल पर हमला किया। आखिरी बार 1991 में इराक ने इजरायल पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। यह ईरान था जिसने पिछले सप्ताह के अंत में इजरायल में विभिन्न इलाकों पर 360 से अधिक मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपित किए थे। यह हमला धीमी गति से चलने वाले ड्रोन (जो ईरान से इजरायल तक जाने में छह घंटे से अधिक समय लेते हैं), तेज क्रूज मिसाइलों और बहुत उच्च गति वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक संयोजन था जो ध्वनि की गति से भी तेज हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल पर इस सुनियोजित हमले को लेकर पड़ोसी देशों को 72 घंटे की चेतावनी दी थी। उधर इजरायल लगभग 99 प्रतिशत मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में कामयाब रहा और इसलिए उसका बहुत नुकसान नहीं हुआ। यह परिष्कृत मिसाइलरोधी रक्षा प्रणाली- आयरन डोम के कारण संभव हुआ जिसे इजरायल ने अमेरिकी और ब्रिटिश मदद से बनाया था और इस बार जॉर्डन की धरती पर भी तैनात किया गया था।

रक्षा के उन कुछ घंटों के लिए अनुमानित खर्च लागत लगभग 1.1 बिलियन डॉलर थी। रक्षा आपूर्तिकताओं, मुख्य रूप से अमेरिकी कंपनियों को इस तरह की तैनाती से लाभ होगा। बेशक, दो साल पहले शुरू हुए यूक्रेन युद्ध के कारण हथियार प्रणालियों के अमेरिकी निमार्ताओं को पहले ही काफी फायदा हुआ है। ईरान द्वारा उस रात ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले की लागत शायद एक अरब डॉलर के करीब है।

इजरायल द्वारा 1 अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर किए हमले के प्रतिशोध में ईरान ने यह हमला किया था। इस हमले में ईरान के दो वरिष्ठ जनरलों की मौत हो गई थी। बिना किसी उकसावे के किए इस हमले को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अधिकृत क्यों किया, वह भी एक राजनयिक लक्ष्य पर? क्या इजरायल हमास के साथ संघर्ष के दायरे को और विस्तारित करने की कोशिश कर रहा था तथा एक बढ़ते युद्ध में अन्य देशों को खींच रहा था? क्या उसे यह पता नहीं था कि ईरान के दूतावास पर उसकी कार्रवाई किसी जवाबी कार्रवाई को आमंत्रित करेगी? या इसने ईरान द्वारा कड़ी प्रतिक्रिया को गलत समझा? इजरायल के साथ सहानुभूति रखने वालों का तर्क होगा कि इजरायल की कार्रवाई अकारण नहीं थी। यह इजरायल के क्षेत्र के भीतर हमास का समर्थन करने वालों को दंडित करना था। सभी लोग जानते हैं कि इजरायल के भीतर हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हौथिस को ईरान का मौन समर्थन है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने और हमास तथा हिजबुल्लाह के समर्थन का बदला लेने के लिए इजराइल ने पहले भी ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य स्थलों पर हमले किये हैं। ईरान ने भी अपनी परमाणु हथियार क्षमता के निर्माण की गति को बनाए रखा है। इजरायल निश्चित रूप से एक परमाणु सशस्त्र राष्ट्र है जिसने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। ईरान द्वारा इजरायल पर ड्रोन और मिसाइल के असफल हमले को कुछ टेलीविजन और सोशल मीडिया चैनलों ने तृतीय विश्व युद्ध की शुरूआत बताया। शेयर बाजारों में हड़बड़ाहट दिखाई दी। ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका में शुक्रवार को ही न्यूयॉर्क का डाउ इंडेक्स 2.4 फीसदी गिर गया था। दुनिया भर में शेयरों में और गिरावट की आशंका है। सोने की कीमत अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और 2400 डॉलर प्रति औंस के करीब है। भारत में जल्द ही दस ग्राम सोने का मूल्य 80, 000 रुपये को पार कर सकता है। जोखिम से बचने वाले उन निवेशकों द्वारा सोने की उच्च मांग की सहज प्रतिक्रिया है, जिन्हें डर है कि अन्य सभी संपत्तियों की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। यह संघर्ष मध्य पूर्व से तेल आपूर्ति को बाधित करेगा इसलिए तेल की कीमतें निश्चित रूप से बढ़ेंगी। माल ढुलाई दरों और हवाई कार्गो के लिए जोखिम प्रीमियम में भी बढ़ेगा जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार की लागत में वृद्धि होगी। इस सारे घटनाक्रम का भारत पर तिहरा दबाव पड़ता है। यह हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को कम करता है, विनिमय दर पर दबाव डालते हुए व्यापार घाटे को बढ़ाता है और चूंकि पेट्रोल व डीजल की कीमतें प्रभावित होंगी इसलिए मुद्रास्फीति में वृद्धि का कारण बन सकता है। मार्च में समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में मंदी देखी गई थी तथा उस तिमाही के लिए जीडीपी विकास दर 6 प्रतिशत के करीब हो सकती है।

निवेशकों का बिगड़ता मिजाज जीडीपी वृद्धि को और भी धीमा कर सकता है हालांकि चुनाव खर्च आम तौर पर जीडीपी को ऊपर उठाए रखता है। यदि वैश्विक आर्थिक मिजाज का अंदाजा लगाया जाए तो व्यापारिक

सियासत के किले हैं, तो वे ढहेंगे भी...

राकेश अचल

देश -दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का। लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं। अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था, क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस, भाकपा, समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली, लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले। पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं। भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है। वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है। पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है।

सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन, गजधन, बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है, हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट में एक गंभीर रूप से घायल

ढाका, कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में बीते बुधवार के दिन मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित शिवचंद्र पंडित ने थाने में आवेदन देकर बताया है की जब वह अपने दुकान पर था तब गांव के ही जकीरुल्लाह अंसारी, अकील अंसारी और परवेज अंसारी ने पहले गाली दी फिर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव करने आए पुत्र जयराम पंडित भी जख्मी हो गया। सभी हाथ में लोहे की रड व लाठी लेकर आए थे। उक्त मामले में थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रक्सौल के नकरदेही गांव में आग लगने से दो घर जल कर राख

रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के नकरदेही गांव आग लगने से दो घर जल कर राख हो गए। वही घर में बंधी दो बकरियां भी जल कर मर गई है। आग बिकाऊ पटेल व सुरेश पटेल के घर में लगी। बिकाऊ पटे७ल ने बताया कि हवा के तेज होने के चलते आग तेजी से लगी देखते-देखते दोनों घर जल कर राख हो गया। उन्होंने बताया कि घर में तकरीबन 50 हजार रुपये भी रखे हुए थे वो भी जल गया। स्थानीय ग्रामीणों ने मिल कर आग पर काबू पाने की कोशिश भी किया गया लेकिन हवा इतनी तेज थी कि आग पर काबू पाना मुश्किल था। वही अग्निशमन की टीम को ग्रामीणों द्वारा बुलाया गया। लेकिन अग्निशमन के पहुचने से पहले घर बुरी तरह जल चुकी की। बची आग को अग्निशमन की टीम के द्वारा बुझाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नही चल पाया है।

डीएम के निर्देश पर चलाया गया मतदाता जागरुकता अभियान

कैमूर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी कैमूर सावन कुमार के निदेर्शानुसार कैमूर जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा आम निर्वाचन के अंतर्गत कैमूर जिले में 1 जून को मतदान निधारित है। पिछले विधानसभा आमनिर्वाचन 2020 एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2019 के मुकाबले बेहतर मतदान प्रतिशत हेतु स्वीप कोषांग के नेतृत्व में संबंधित जीविका दीदियों, डीपीएम स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी कार्मियों एवं अन्य कर्मियों के द्वारा कैमूर जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। निधारित रोस्टर के अनुसार आज कैमूर जिले के विभिकर प्रखंडों में मतदाता जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

दो लापता मासूम बच्चे को पुलिस ने परिजन को सौंपा

करगहर (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने मानवता धर्म की मिसाल पेश करते हुए गुम हुए दो मासूमों को परिजन के हवाले किया। जानकारी के अनुसार प्रखंड अंतर्गत धनेज निवासी विकास कुमार की लड़की देविका कुमारी बाजार में गुम हो गई थी। माता पिता का साथ छूट गया था। लड़की रोते हुए बाजार में घूम रही थी। सड़को को बरामद कर पुलिस ने माता पिता को थाले कर दिया। परिवार वालों ने पुलिसकर्मियों को दुआ दी। दूसरा मामला ग्राम कुराडी, थाना दरीगांव का आकाश कुमार करणार अपने नाना रिंकू यादव के घर आया था। भटक कर किसी तरह आजार आ गया।

नाबालिग को बहलाकर ले जा रहे समीर आलम को एसएसबी ने पकड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। मानव तस्कर रोधी इकाई, क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया कार्यालय 47वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रक्सौल पूर्वी चंपारण बिहार ने मिशन निर्भया के अंतर्गत मानव तस्करी के रोकथाम करने में लगातार सफलता हासिल की है। इसी क्रम में चटीयू टीम के प्रभारी इन्स्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा के सूचना तंत्र से एक सूचना प्राप्त हुई कि कोई व्यक्ति 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को रक्सौल या इसके आसपास के क्षेत्र से नेपाल में निकालने के कोशिश में है। अतः इस पर सभी ड्यूटी में अलर्ट कर दिया गया। कुछ समय बाद एएचटीयू टीम को एक व्यक्ति के साथ एक नाबालिग लड़की जाती हुई दिखी तो टीम को संदेह हुआ और फिर उनको रोक कर पूछताछ की, तब रोके गए व्यक्ति की ओवर एक्टिंग देख कर सभी आश्चर्यचकित रह गए और वह व्यक्ति लड़की से कुछ भी पूछताछ नहीं करने दे रहा था और लड़की भी लड़के के पक्ष में बात कर रही थी, लेकिन दोनों को देख कर संदेह लग रहा था कि मामला तो कुछ और ही है। इसके बाद इन्स्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने ठान लिया लिया कि अब इससे विस्तार से पूछताछ ही करनी पड़ेगी, तब पूछताछ के समय व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम मोहम्मद समीर आलम है, उसके अब्बा का नाम मोहम्मद गुड्डू मियाँ है, वह गाँव किशुनबाग थाना नगर बेतिया बिहार का रहने वाला है। उस पर 11.05.2022 को एक नाबालिग लड़की अंजली कुमारी की तस्करी के सन्दर्भ में थाना मांधाता जिला प्रतापगढ़ यूपी में भारतीय दंड सहिंता की 363, 366, 376, 370 और पोक्सो एक्ट 03(2) एसटी, एससी एक्ट में मुकदमा भी चल रहा है व अभी बेल पर बाहर है। जब उससे कहा गया कि तुम पहले भी नाबालिग लड़की के मामले में जेल जा चुके हो, तब उसने कहा कोई बात नहीं दोबारा भी जेल चला जाऊँगा और फिर बेल पर जेल से बाहर आ जाऊंगा। उसकी एक्टिंग ऐसी थी कि किसी को भी उस पर दया आ जायेगी, किन्तु उसके बयानों से पता चल रहा था बहुत शातिर है। मोहम्मद समीर आलम के फोन से अन्य हिन्दू लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और फोटो भी पाए गए।। पीड़ित बहुत सहमी हुई थी और कुछ भी बताने को राजी नहीं थी, ऐसा लग रहा था कि उसे लड़के से बहुत प्रेम है, किन्तु एक लम्बी काउंसिलिंग के बाद जब लड़की को मोहम्मद समीर आलम से अलग होने का डर कम हुआ फिर लड़की ने जो बताया तो सबको ह्रद केरला स्टोरीह्व फिल्म से मिलता जुलता मामला नजर आया। पीड़ित लड़की ने बताया की वो लड़के को केवल दो माह से जानती है, वह अपनी एक सहेली सलमा खातून के यहाँ शादी में गयी थी, वहां लड़के ने इससे दोस्ती करने की कोशिश की पर उसने ध्यान नहीं दिया फिर लड़का इसको कभी-कभी स्कूल जाते समय रास्ते में मिलने लगा और दोस्ती करने की कोशिश करने लगा, फिर एक दिन पीड़िता इसके झांसे में आ गयी, पहले व्यक्ति ने अपना नाम केवल समीर बताया था तो लड़की को उसके धर्म के बारे में नहीं पता चला। फिर समीर उससे मिलने लगा और एक दिन जब पीड़ित साईकिल से स्कूल जा रही थी, तब समीर उससे मिला और उसे अपने घर ले जाने की जिद्द करने लगा, पर पहले लड़की ने मना किया पर लड़के ने इतनी अच्छी एक्टिंग की तो लड़की यह कहते हुए मान गयी कि जल्दी ही अपने घर लौट जायेगी। लड़की उसके घर गयी तो लड़के ने पहले उसकी साइकिल छुपा ली और उसे कहा कि तुम अब अपने घर नहीं जाओगी, मैं तुमसे शादी करूँगा तो लड़के ने रूम में अपनी जान पहचान वाली महिलायें बुला लिया, लड़के ने जबरदस्ती सिन्दूर लगाने की कोशिश की, पीड़ित रोने लगी तो जो महिलाए आयीं थी, उन्होंने उसे बहलाने की कोशिश की। लड़की जब समझ गयी कि अब फंस गयी है तो उसने अपने आपको उनके हवाले कर दिया। पीड़िता को पत्नी मानने का ड्रामा चलना शुरू हो गया। लड़की ने कहा कि वह दो बार मौका पा कर वहाँ से भाग भी गयी थी, किन्तु उसे दोनों बार पकड़ लिया गया। लड़के के जान पहचान की महिलाओ ने लड़की से कहा कि तुम्हारे अम्मी और अब्बा तुम्हारा ख्याल नहीं रखते, इसलिए उन्हें भूल जाओ यहीं रहो। लड़की के पास कोई फोन भी नहीं है और मोहम्मद समीर आलम उसके घर बात भी नहीं करने देता था। एक दिन लड़की ने छुप कर बात करने का प्रयास किया, किन्तु मोहम्मद समीर आलम को पता चल गया तो लड़की को बहुत डांटा, लड़की को ब्लैकमेल भी किया जा रहा था, इसलिए लड़की उसकी बात मानने में मजबूर थी।

स्टुडेंट कैरियर प्वाइंट सह काउन्सिलिंग सेन्टर का किया गया विधिवत उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

घोड़ासहन ।स्थानीय घोड़ासहन अवस्थित ढाला बैंक रोड अवस्थित स्टुडेंट कैरियर प्वाइंट सह एडमिशन काउन्सिलिंग सेन्टर (ए यूनिट आफ कैरियर बूक) का विधिवत उद्घाटन शनिवार को किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता संस्थान के संचालक ई0 पियुष कुमार के हाथो काटा गया। मौके पर श्री कुमार ने बताया कि संस्था खुल जाने से बैरगनिया, सितामढी , घोड़ासहन, रक्सौल, नरकटियागंज समेत पूरे सीमाई क्षेत्र के छात्र - छात्राऐ जो तकनिकी व मेडिकल क्षेत्र मे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए देश के बड़े विश्व विधालयो तथा महाविधालयो मे नामांकन कराने की इच्छा रखते है उन्हे काफी सहुलियत होगी। सभी तरह का परामर्श काउन्टर पर उपलब्ध होगा । बताया कि इंजीनियरिंग, बिजनस मैनेजमेंट, हास्पिटल मैनेजमेंट, बीटेक एग्रीकल्चर, बीएससी एग्रीकल्चर, बी फार्मा, डिप्लोमा-बीबीए, बीसीए, बीजीएमसी, बीपीटी ,एमबीए, एमटेक , एमसीए, एलएलबी के अलावे नन क्रेडिट कार्ड कोर्स यथा बीएड ,डीएलएड , एएनएम, डीपीटी, ड्रेसर आदि मे नामांकन हेतु यह संस्था सम्यक मार्गदर्शक का काम करेगी। बताया कि संस्था का उद्देश्य छात्रों के हितार्थ उचित मार्गदर्शन देना है ताकि मौजूदा संस्थानो मे नामांकन कराने से महफूज न रह जाय। मौके पर संस्थान के ई0 सुमित कुमार के अलावे शहर के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानो के वरिष्ठ शिक्षको मे जगदीश प्रसाद , रामराज प्रसाद यादव, चंदन कुमार, मुकेश कुमार, प्रो0 एलबी सिह, राजन कुमार, रमाकांत कुशवाहा , केशव रंजन झा समेत बड़ी संख्या मे नामांकन को इच्छुक छात्र छात्राऐ मौजूद रहे ।

एईएस जेई के रोकथाम को चौपाल लगाकर किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिले के रक्सौल अनुमण्डलीय अस्पताल में अनुमण्डल पदाधिकारी रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित की अध्यक्षता में एईएस/जेई के रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। वहीं अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा अस्पताल का निरिक्षण करने के साथ ही कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।अनुमण्डल पदाधिकारी रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित ने उपाधीक्षक डॉ राजीव रंजन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीयों, एसएमसी यूनिसेफ, सीडीपीओ, बीएचएम, बीसीएम,एमओ,एलएस, से चमकी बुखार से प्रभावित बच्चों के इलाज व्यवस्था की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया की अस्पताल में नियंत्रण कक्ष 24७7 संचालित रखे। एईएस के प्रबंधन में किसी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने रक्सौल, छौड़ादानो, रामगढ़वा, आदापुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अस्पताल में नियंत्रण कक्ष 24७7 संचालित रखेगें।सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पंचायत स्तर पर एईएस/जेई रोकथाम हेतु नोडल कर्मी बनाएगें ।ताकि राज्य, जिला एवं प्रखण्ड स्तर से प्राप्त आवश्यक सूचना को निचले स्तर तक पहुंचाने में सुगमता हो एवं पंचायत स्तर पर हो रहे गतिविधियों की सूक्ष्म अनुश्रवण किया जा सके ।बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मंगलवार तक आंगनबाडी सेविका के द्वारा घर-घर सर्वे कराने के लिए सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर लें एवं उसकी प्रति उपलब्ध करा दें। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि मंगलवार तक आशा के द्वारा घर-घर सर्वे कराने के लिए सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर लें एवं उसकी प्रति उपलब्ध करा दें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया की प्रतिदिन एईएस/जेई के रोकथाम हेतु टोला स्तर पर एवं आँगनबाड़ीकेंद्र पर चौपाल के माध्यम से जागरुक करते रहेगें। त्वरित रुप से एईएस/जेई से आशंकित बच्चो को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने हेतु पंचायत स्तर पर वाहन को टैगिंग कर सूची उपलब्ध करा कर प्रदर्शित किय जाय।चौपाल के दौरान लोगों को बताए की चमकी बुखार से बच्चों को बचाने के लिऐ बच्चों को रात में सोने से पहले जरूर खाना खिलाए,सुबह उठते ही बच्चों को भी जगाकर देखें ।कहीं बेहोशी या चमक तो नहीं,,बेहोशी या चमक दिखते ही तुरंत एंबुलेंस या नजदीकी गाड़ी से सरकारी अस्पताल ले जाए।तेज धुप से दुर रखे।।अधिक से अधिक पानी, ओआरएस अथवा नींबू-पानी-चीनी का घोल पिलाएं। हल्का साधारण खाना खिलाएं, बच्चो को जंक-फुड से दुर रखे।खाली पेट लिची ना खिलाएं।रात को खाने के बाद थोड़ा मिठा जरूर खिलाऐ।सड़े-गले फल खा सेवन ना कराएं।ताजा फल ही खिलाएं।बच्चो को दिन में दो बार स्नान कराएं।घर के आसपास पानी जमा न होने दे।रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करे।बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी, रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित, उपाधीक्षक डॉ राजीव रंजन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एसएमसी यूनिसेफ, सीडीपीओ, बीएचएम, बीसीएम,एमओ,एलएस व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

बैंक से रूपए निकाले व्यक्ति से उचक्कों ने उड़ाए चौबीस हजार रुपए

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली: सुगौली मुख्य बाजार के स्टेट बैंक स्थित शाखा के बाहर तीन उच्चकों ने गाँव के भोले भाले व्यक्ति से चौबीस हजार रुपये उड़ाये।सुगौली प्रखंड के उत्तरी छपरा बहास के कैथवलिया गाँव निवासी बृज किशोर सहनी ने बताया की सुबह दस बजे के करीब अपने घर से बैंक का पासबुक लेकर सुगौली मुख्य बाजार स्थित एसबीआई बैंक में उनचास हजार रुपये निकालने के लिए बैंक पहुँचे बैंक पहुँच कर उन्होंने बैंक से उनचास हजार रुपया निकासी कर बैंक मुख्य द्वार से बाहर निकले मुख्य द्वार के सीढ़ी पर तीन उचक्के पहले से खड़े मिले वही बृजकिशोर सहनी रूमाल में बांधा कागज जो नोट के बंडल जैसा बंधा हुआ बंडल के दोनों साइड पाँच पाँच सौ के असली रुपये थे। कागज का बंडल बृजकिशोर सहनी को देख कर उचक्को ने कहा की यह दो लाख रुपये है इसे तुम रख लो और तुम अपना पैसा मुझे दे दो और जैसे बृज किशोर सहनी अपना जेब से निकाल कर हाथ में लिया वैसे ही पीछे से एक उचक्को ने पैसा उनसे झपटा और कागज के फजी नोट का बंडल पकड़ाया और असली नोट छीनने के चक्कर में आधे जमीन पर गिरा और आधे चौबीस हजार रुपये लेकर तीनो उचक्के फरार हो गये। वही बृजकिशोर सहनी बाकी गिरे छब्बीस हजार रुपये बटोरने के उपरांत तीनो उचक्के फरार हो चुके थे। बाद में रूमाल से बंधा गड्डी खोला तो सादा पेपर बंधा हुआ गड्डी था। वही पीड़ित सुगौली थाना में लिखित आवेदन दिया है और सारी बाते बताई है। बताते चले की बीते महीने इसी तरह उचक्को ने एक महिला को नोट डबल करने झाँसा देकर पैतीस हजार रुपये लेकर चंपत हो गये थे। वही बैंक से पैसा निकालने के समय उचक्के बैंक परिसर में ही मौजूद रहते है और भोले भाले लोगो को अपना शिकार बनाते है।

बालू लदे ट्रक के जोरदार टक्कर से बाल-बाल बचें चालक

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र एनएच 120 डेहरी-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर इटवां गांव के समीप शनिवार को दोपहर डेहरी के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बिक्रमगंज के तरफ से आ रही ट्रक में सामने से जोरदार टक्कर मरते हुए अनियंत्रित होकर रोड़ के किनारे खाई में जा समाई। हादसा इतना जोरदार था कि दोनो ट्रक में हुए टक्कर के बाद जोरदार आवाज आई जिससे आस पास के लोग कुछ समय के लिए सहम सा गए । उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिला से बालू लेने के लिए ट्रक दाऊनगर घाट से बालू लेकर उत्तरप्रदेश जा रही थी। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि डेहरी ऑन सोन के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक के पीछे ही काराकाट पुलिस कि गाड़ी थी शायद उसी के डर से ट्रक ड्राइवर ने अपनी ट्रक तेज रफ्तार में लेकर भाग रहा था। बालू लदे ट्रक ने अपना नियंत्रण खोते हुए सामने से आ रही ट्रक में सीधे जाकर जोरदार टक्कर मार दिया। गनीमत रही कि घटना में किसी को गंभीर चोट नही आई। ट्रक ड्राइवर राहुल कुमार ने बताया कि अचानक सामने से आ रही ट्रक देख हमारी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और जोरदार टक्कर हो गई। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि घटना में किसी को कोई गंभीर चोट नही आई है। जांच कर आगे कि करवाई की जा रही हैं।

प्रभु के मन स्मरण से मनुष्य जीवन हो जाता है सफल : जीयर स्वामी

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दूसरे दिन प्रवचन के दौरान श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि श्रीमद भावगत में शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को मानव कल्याण के लिए सबसे सहज और सरल उपाश्रीचरणोंय परमात्मा के में चिंतन बताया है। स्वामी ने कहा कि हम जिस अवस्था में रहे प्रभु का स्मरण, चिंतन और ध्यान करते रहना चाहिए । इसी से मानव का कल्याण होगा और भव से पार होने का यही सहज माध्यम है । श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि शास्त्र में बताया गया है कि दान, तप और ध्यान आत्मा के उद्धार व कल्याण का प्रमुख साधन है । मनुष्य को अपनी मृत्यु को याद करते हुए बचपन,जवानी एवं बुढ़ापा में भगवान का चिंतन मनन और उनके गुणों का श्रवण हर पल हर क्षण करते रहना चाहिए । शास्त्र में कहा गया है कि साधक को संकट आने पर,मृत्यु निकट आने पर या अंत समय आने पर घबराना नहीं चाहिए। भगवान प्रभु नारायण के नाम या ओम जप करते हुए शेष जीवन को बिताए एवं स्मरण करें । भगवान के स्वरुप का स्मरण करे । वेद शास्त्र में बताया गया है कि भगवान के श्रेष्ठ स्वरूप में चतुर्भुज,स्वरूप एक है ।

करोड़ों रुपये की चरस के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। गुप्त सूचना के आधार पर नगर पुलिस ने तीन तस्करों को धर दबोचा और उनके पास से करीब 36 किलो चरस बरामद किया। जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करोड रुपए आकी गई है। उक्त जानकारी देते हुए बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नगर के सुप्रिया रोड में मादक पदार्थ तस्करी के लिए कुछ तस्करी इकट्ठा होने वाले हैं। सूचना का सत्यापन करते हुए नगर थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक मनोज सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामारी करने का निर्देश दिया गया। पुलिस को देखकर दो मोटरसाइकिल चालक भागने का प्रयास करने लगे तभी पुलिस बल की सहयोग से उन्हें धर दबोचा गया। उनकी तलाशी के दौरान उनके पास से पुलिस ने 31 किलो 766 ग्राम चरस बरामद किया गया।वही उनके निशानदेही पर एक और तस्कर को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से 4 किलो चरस बरामद किया गया पुलिस ने इस संबंध में एक कांड दर्ज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने तीन मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल जप्त किया है। गिरफ्तार तस्करों में इनरवा थाना के इनरवा बाजार निवासी फैयाज मियां 45 वर्ष पिता स्वर्गीय इसराइल मियां, सिरसिया थाना के भीखमपुर निवासी संजय पटेल 38 वर्ष पिता बुंदेला पटेल एवं सहोदर थाना के बैरिया निवासी सुरेश यादव 38 वर्ष पिता बेदार यादव शामिल थे।छापामारी दल में सदर एसडीपीओ विवेक दीप मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह आदि पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

दिनारा (रोहतास) थाना क्षेत्र के आरा-मोहनिया मुख्य पथ के बलदेव उच्च माध्यमिक विद्यालय समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि डॉक्टर ने एक जख्मी को रेफर कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार की रात करीब 11:40 बजे घटित होने की बात बताई जा रही है। घटना के बारे में बताया जाता है कि एक ही बाइक पर सवार तीन लोग एक तिलक समारोह से घर वापस लौट रहे थे । घर वापस लौटने के क्रम में एक ही बाइक पर सवार तीन लोग अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिस क्रम में एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। साथ ही दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटित घटना के आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंच जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल से थाना क्षेत्र के नरवर निवासी विश्वामित्र सिंह के 30 वर्षीय पुत्र नंद जी चौधरी के शव को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही पुलिस ने दो जख्मी लोगों को प्राथमिक इलाज के लिए दिनारा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने दोनों जख्मी लोगों का प्राथमिक इलाज शुरू कर दी। लेकिन इलाज के क्रम में नरवर निवासी गोपाल चौहान के 22 वर्षीय पुत्र लाल साहेब चौधरी की मौत हो गई । जख्मी हालत में उसी गांव के रहने वाले अभय चौहान के 19 वर्षीय पुत्र गोल्डन कुमार उर्फ डायमंड कुमार की स्थिति को नाजुक देखते हुए अस्पताल के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नरवर निवासी विश्वामित्र सिंह के 30 वर्षीय पुत्र नंद जी चौधरी एवं गोपाल चौहान के 22 वर्षीय पुत्र लाल साहेब चौधरी दोनों मृतक के शव को परिजनों के समक्ष कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम कराने के उपरांत दोनों शव को सौप दी गई है । उन्होंने कहा कि घटना में उसी गांव के रहने वाले अभय चौहान के 19 वर्षीय पुत्र जख्मी डायमंड कुमार उर्फ गोल्डन कुमार इलाजरत है।

चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर पदाधिकारी की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी।लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को आज मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी 425 सेक्टर पदाधिकारी एवं 425 पुलिस पदाधिकारी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर पदाधिकारी को भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है और सभी सेक्टर पदाधिकारी को अपने कर्तव्य और दायित्व की पूरी जानकारी होनी चाहिए।जिलाधिकारी ने कहा कि आप लोगों को चौथी बार प्रशिक्षण दी जा रही है।प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी को उनको आवंटित मतदान केंद्र का एक-एक चीज पता होना चाहिए। आज के प्रशिक्षण में मतदान के दिन के पहले, मतदान के दिन एवं मतदान के बाद सेक्टर पदाधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्यों को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण करेंगे। वहां पर एएमएफ की सुविधा देख लेंगे। किसी भी व्यक्ति का सत्कार स्वीकार नहीं करेंगे जो राजनीतिक दल या चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी से संबंधित हो। राजनीतिक दल एवं मीडिया से कोई संवाद कायम नहीं करेंगे।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी का यह दायित्व होगा कि मतदान दल का मतदान केंद्र पर पहुंच सुनिश्चित कराना, नियंत्रण कक्ष से लगातार संपर्क रखना, मतदान दल को मतदान प्रक्रिया या ईवीएम संचालन में संदेह को दूर करना, ईवीएम सीलिंग की पूरी जानकारी रखना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मॉक पोल के दौरान खराब एवं वीवी पैट को बदलना, उन मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान देना जहां पोलिंग एजेंट या तो अनुपस्थित हैं या एक ही पोलिंग एजेंट उपस्थित हैं, मतदाताओं की लंबी कतार वाले मतदान केंद्रों पर लगातार भ्रमणशील रहना जरूरी है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी मतदान के दिन कम से कम तीन बार आवंटित मतदान केंद्र का भ्रमण करना सुनिश्चित करेंगे और मतदान के दिन प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करेंगे। यह भी कहा गया कि यदि निर्वाचकों के द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया जा रहा है तो इसका कारण पता करते हुए निवार्ची पदाधिकारी अथवा जिला निर्वाचन पदाधिकारी को इसकी सूचना शीघ्र देना होगा।

मतदान की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी पंक्ति में अगर लोग खड़े हैं तो उनका मतदान सुनिश्चित करना होगा। जिला में मतदान का समय सुबह 7 से संध्या 6 बजे तक निर्धारित किया गया है,6 बजे संध्या तक भी अगर कोई मतदाता मतदान केंद्र पहुंचता है अथवा पंक्ति में खड़ा है तो उन्हें मतदान का अवसर देना होगा।मतदान के पश्चात सील किए जाने वाले पैकेट की पूरी जानकारी दी गई और इस दौरान भेजे जाने वाले सभी प्रतिवेदन के बारे में बताया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी पीठासीन पदाधिकारी को दिए गए हैंडबुक निश्चित रूप से पढ़ लेंगे,उससे भी बहुत सारी चीज क्लियर हो जाएगी। सभी सेक्टर पदाधिकारी को संवेदनशील मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण करने का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा भी सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को संबोधित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

पुलिस ने अपराध की योजना को किया विफल एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

पकड़ीदयाल। पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में पताही पुलिस ने रतन शायर चौक के पास एक अपराध कर्मी को लोडेड देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर लिया।

इस संदर्भ में डीएसपी सुबोध कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि एसपी के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में आम सूचना संकलन, शराब के विरोध छापेमारी, लंबित कांडों के वांछित अभियुक्त, वारंटी की गिरफ्तारी किया जा रहा है। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि पताही थाना अंतर्गत रतन शायर चौक के पास एक अपराध कर्मी को अपराध करने के उद्देश्य से आया हुआ है। जिसे पताही पुलिस ने छापामारी कर रतन शायर चौक के पास से अपराधकर्मी शिवहर जिला पिपराही थाना के बेलवा निवासी लालबाबू बैठा को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान एक देसी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। लालबाबू बैठा पिपराही थाना में शराब तस्करी में वांछित है। साथ ही 2022 में पताही थाना में गांजा तस्करी का मामला दर्ज है।

दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बनकटवा आसन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के झरौखर थाना में सुरक्षा को लेकर चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन कराने तथा भारत -नेपाल की खुली सीमा को देखते हुए संवेदनशील रास्तों पर कड़ी नजर रखने को लेकर दोनों देशों के पुलिस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के सीमा पर शांति सुरक्षा एवं घुसपैठियों पर रोक लगाने,औरैया नेपाल चौकी के हरेन्द्र कुमार ठाकुर,मोतीपुर प्रहरी चौकी के प्रभारी दीपेंद्र कुमार शाह,बारा जिले के कचोरवा प्रहरी चौकी के इंचार्ज रूपम पंडित,बनकटवा अंचलाधिकारी अतुल कुमार बादल सहित अन्य सीमावर्ती पुलिस चौकी के जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मीना के नेतृत्व ट्रेनों में गस्ती दौरान शराब बरामद किया

आरा। आरपीएफ इंस्पेक्टर सुमन कुमारी ने बताया की रात्रि ट्रेन में गस्ती के दौरान स्पेशल टास्क टीम/पटना के उनि/ चेतराम मीना, आरपीएफ पोस्ट आरा के नेतृत्व में साथ आ0 घनश्याम सिंह यादव, आ0 विनय कुमार सिंह, आ0 करण सिंह द्वारा गाड़ी संख्या 09485 डाउन दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन से आरा स्टेशन तक आपराधिक गति विधियों की निगरानी के क्रम में बक्सर-आरा के बीच स्लीपर कोच संख्या एस-13 में पहुंचे तो देखा कि 08 व्यक्ति 20 काले रंग के बैग के साथ उक्त कोच में संदिग्ध अवस्था में पाया गया, जिससे पूछने पर इधर-उधर की बात बताने लगे। बाद सख्ती से पूछ-ताछ करने पर बैग में शराब होना बताया, जिसे चेक करने पर उक्त बैग में शराब पाया गया।

पूर्व सांसद ने विकास के लिए मतदान किया

गया। गया संसदीय क्षेत्र लोक सभा चुनाव में आज बाराचट्टी विधानसभा के एक पोलिंग बूथ पर गया संसदीय क्षेत्र के निर्वतमान सांसद विजय मांझी ने अपना और अपने परिवार के साथ मतदान किया है और कहा कि गया के जो भी अधुरे काम को एणडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री और करेगे।

मनीष पंकज मिश्रा ने अपने बूथ पर किया गया मतदान

गया।लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा अपने बूथ संख्या 200 समीर तकिया मध्य विद्यालय पर जाकर पूरे परिवार के साथ मतदान किया मतदान के बाद अपील करते हुए कहा डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने कहा लोकतंत्र के महान पर्व पर सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग अवश्य करें क्योंकि लोकतंत्र का महान पर्व है यह पर्व 5 वर्षों के लिए निर्वाचित सरकार बनेगी जिस तरह मतदाता का रुझान है गया विधानसभा से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की उम्मीदवार को काफी बढ़त मिलेगा सभी मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया कि भीषण गर्मी में भी कतारबध होकर अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं

नही रहे कक्ष पाल सत्येंद्र पासवान

आरा। भोजपुर शाहपुर के रहने वाले भागलपुर कैंट जेल में पदस्थापित कक्षपाल सत्येंद्र पासवान पिता रामानुज पासवान ग्राम रंडा डीह शाहपुर भोजपुर निवासी कई महीनो से कैंसर पीड़ित थे।उनकी मृत्यु महामना अस्पताल बनारस में इलाज के दरम्यान हो गई। आज उनका दाह संस्कार चरित वन बक्सर में हुई।सत्येंद्र पासवान वर्ष 2017 में जेल पुलिस जमुई में बहाल हुए थे,उनका विवाह 2020 में खुशबू कुमारी के साथ हुए था। पत्नी खुशबू कुमारी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है तथा दुखो का पहाड़ टूट गया। लोजपा रामविलास भोजपुर जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने जेल पुलिस सत्येंद्र पासवान की मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट किया है तथा उन्होंने कहा कि सत्येंद्र पासवान बहुत ही सरल स्वभाव के थे वे विगत कई महीनो से कैसर रोग से पीड़ित थे।

ट्रांसफार्मर के चिंगारी से लगी भीषण आग 12 बीघा पुआल जलकर खाक

अरवल। ट्रांसफार्मर के चिंगारी से लगी भीषण आग 12 बीघा का पुआल जलकर हुआ खाके जिले के मेहंदिया थाना क्षेत्र के जयपुर स्थित पुल के समीप खलिहान में रखें 12 बीघा पुआल रखा हुआ था, आचानक ट्रांसफार्मर के चिंगारी से आग लग गई आग कि लेपटा इतना तेज थी कि अपने आप में काबू में ले लिया था कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल कायम हो गयो आग लगी की सूचना स्थानीय लोगों ने मेहंदिया पुलिस को दी सूचना के उपरांत दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर स्थानीय ग्रामीण के मदद से आग पर काबू पाया लियो इस आग लगी से जयपुर निवासी किसान रामचंद्र महतो ,नुनु दास, नागेंद्र पंडित ,कैलाश दास का कुल मिलाकर लगभग 12 बीघा का पुआल एवं रवि का भूसा जलकर खाक हो गया है।

घर के उपर छत पर सो रहा एक व्यक्ति को जहरीला सांप के काटने से हुई मौत

कैमूरः रामपुर प्रखंड के बेलावं गांव में घर के ऊपर छत पर सो रहा एक व्यक्ति को जहरीला सांप के काटने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बेलावं थाना क्षेत्र के बेलावं गांव निवासी लल्न सिंह के 35 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार सिंह बताया जाता है। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात में घर के ऊपर छत पर सोए हुए थे। तभी आज भोर में एक जहरीला सांप उन्हें काट लिया। जब अचेत होने लगे तो परिजनों द्वारा झाड़ फूंक के लिए सोनभद्र जिला के सोहदाग गांव में ले जाया गया। झाड़-फूंक के बाद भी हालत नहीं सुधरी तो पुनः वापस रामपुर पीएचसी में इलाज के लिए लाया गया। जहां इलाज के दौरान की मौत हो गई है।

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न गया संसदीय क्षेत्र छ बजे तक 52% प्रतिशत मतदान हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया एवं औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के लोकसभा चुनाव गया क्षेत्र के पाच विधानसभा एवं औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के तीन विधानसभा चुनाव क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ।सबसे पहले आटो रिक्शा से महागठबंधन के उम्मीदवार सर्वजीत कुमार ने युवाओं को रोजगार मिलेगा यह कहा और सभी गया संसदीय क्षेत्र के लोगों को मतदान करने का आह्वान किया था।वही पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने में अपने मतदान का उपयोग किया कहा कि गया में रुके हर विकास कार्य को पुरा किया जाएगा।

10.30 सुबह में डीएम डा एस एम त्यागराजन एवं पत्नी सहित ने गया कॉलेज बुथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया,वही एस एसपी आशिष भारती ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया है लोगों को मतदान करने को कहा।गया के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि शांतिपूर्ण मतदान संपन्न किया गया है आंकलन किया गया 52% किया गया है।कुछ मतदान केंद्र पर वोटीग चल रही है। लोगों को उत्साह देखने को मिला है। कोई भी कमी नहीं रहा है। बहुत ज्यादा ईबीएम बदलने की जरूरत नही पड़ी है सिर्फ दो तीन ईबीएम बदलने की जरूरत पड़ी, वसुंधरा मतदान में लोगों को जागरूक किया गया है।सभी पदाधिकारियों भ्रमण करते हुए, कोई भी शिकायत आए थे उसे तुरंत निपटारा किया गया है।ईबीएम पिछले चुनाव से काफी कम प्रतिशत रही है। गुरुआ मे एक बुथ और टेकारी मे दो बुथ में चुनाव एक लोग ने किया गया है। सबसे ज्यादा से गलियों में भी निगरानी रखी गई थी। बोर्ड श्रेत्र मे भी निगरानी किया जा रहा है। नक्सली इलाकों में बुथ में कोई घटना नही घटी, आ रो पी को झारखंड के बोर्डर पर लगाए गये थे दो समय किया गया था।एक पोलीग बुथ मे पहुंचाने के लिए और एक लाने के लिए आर रो पी को लगाए गये थे।

शहर के वोटीग प्रतिशत कम है वही ग्रामिण इलाकों में बुथ पर ज्यादा भिड रही थी। सताइस लाख लोग ने वोटर थे।एक व्यक्ति गिरफतार किया गया है गुरुआ थाना क्षेत्र से हुई है।अरुण गोयीआ, ग्यारह लोग की गिरफ्तारी कि गयी है।दो कोतवाली और थानो से किया गया है।हल्ला गुल्ला करने वाले को भी गिरफ्तार किया गया था।

क्षेत्रीय कार्यालय आरा द्वारा समीक्षा बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय आरा द्वारा समीक्षा बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया` समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर आरा क्षेत्राधीन 95 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं कर्मियों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया ` महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में आरा प्रक्षेत्र में रिटेल ऋण में आपार संभावनों को भुनाने के लिए शाखा प्रबंधकों को प्रोत्साहित किया साथ ही साथ उन्होंने कहा कि हमारा बैंक हर वर्ग के लोगों को वित्तीय सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है` क्षेत्रीय अधिकारी श्री विकास कुमार ने रिटेल एवं कृषि दोनों क्षेत्रों में ऋण करने के साथ साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लोगो तक पहुचने की बात कही साथ ही साथ ही साथ सभी प्रबंधकों को वसूली तथा वर्तमान ऋणों को होने से रोकने हेतु प्रोत्साहित किया।

जैन धर्म आध्यात्मिक शुद्धता और आत्मज्ञान का मार्ग सिखाता है

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दिगंबर जैन शांतिनाथ मंदिर पर चल रहे भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को अपराह्न समय में जैन धर्म पर आधारित भाषण प्रस्तुतिकरण का आयोजन हुआ। भाषण दो खण्डों में संपन्न हुआ। प्रथम खंड में वर्ग 8 तक के बालक-बालिकों के लिए जिनका विषय था जैन धर्म की प्रासिंगता तथा द्वितीय खंड में वर्ग 9 से 12 तक के बालक-बालिकों का जिसमें जैन धर्म की प्राचीनता के विषय पर भाषण की प्रस्तुति हुआ। प्रथम खंड में 17 बच्चें तथा द्वितीय खंड में 7 बच्चें ने भाग लिया।

भाषण प्रस्तुतिकरण की संयोजिका मोनिका जैन एवं अंजू जैन ने बताया की कई विद्यालयों के छात्र एवं छात्राए ने भाषण में भाग लिया। सभी ने अपने स्तर पर अच्छी प्रस्तुति दी। जैन धर्म के प्राचीनता के विषय में प्रतिभागियों ने अपने भाषण में बताया कि जैन धर्म एक प्राचीन धर्म है जो उस दर्शन में निहित है जो सभी जीवित प्राणियों को अनुशासित, अहिंसा के माध्यम से मुक्ति का मार्ग एवं आध्यात्मिक शुद्धता और आत्मज्ञान का मार्ग सिखाता है।

सभी प्रतिभागियों को समिति द्वारा प्रतिभागिता पुरस्कार दिया गया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि जैन धर्म अति प्राचीन धर्म है इस धर्म का प्रचार-प्रसार भगवान महावीर ने प्रमुखता से किए तथा उन्होंने जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म इत्यादि अनेकों नारे विश्वभर में रह रहे लोगों को दिया। तथा उन्होंने बताया कि भगवान महावीर के सिद्धांतो पर चलकर ही विश्व में शांति की कामना की जा सकती है। संध्याकालीन कार्यक्रम में अष्टद्रव्य थाल सजाओं प्रस्तुति, शोभायात्रा रथ नव निर्माण के दातारों का सम्मान तथा कैसेट डांस के माध्यम से भाव नृत्य की प्रस्तुति हुई। संगठन मंत्री डॉ शशांक जैन ने बताया की रविवार को भगवान महावीर का अवतरण दिवस है।

इस उपलक्ष्य में ऐतिहासिक विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। इस शोभायात्रा में शामिल होने के लिए कई राज्यों से भक्तगण आरा पहुंच रहे है। कार्यक्रम में अध्यक्ष डा विकास चंद्र जैन, उपाध्यक्ष रमेश जैन, डॉ श्वेता जैन, सचिव अखिलेश कुमार जैन, सह सचिव निलेश कुमार जैन, अजय प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष रजत कुमार जैन सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

अरवल मे शिक्षकों पर एक बार फिर चला केके पाठक का डंडा

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिले में एक बार फिर शिक्षकों पर केके पाठक का डंडा चला है। कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में शिक्षा विभाग ने 55 शिक्षकों और 10 कर्मचारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। विभाग ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए इन सभी शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश जारी कर दिया है।दरअसल, शिक्षा विभाग के एसीएस का पद संभालने के बाद से ही केके पाठक शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। उनके फैसलों से कभी-कभी सरकार को भी फजीहत झेलना पड़ता है। एसीएस केके पाठक के आदेश पर लापरवाह शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के कर्मियों के खिलाफ भी लगातार एक्शन हो रहे हैं। ताजा मामला अरवल जिले का है, जहां शिक्षा विभाग ने 55 शिक्षकों और 10 कर्मचारियों के एक दिन का वेतन काटने का आदेश जारी किया है।अरवल की जिला शिक्षा पदाधिकारी बिंदु कुमारी ने बताया कि 18 अप्रैल को मध्याह्न भोजन का उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं देने पर 55 स्कूलों के प्रभारी का एक दिन का वेतन काटने का आदेश शिक्षा विभाग ने दिया है। हर दिन स्टेट आईवीआरएस के टीम के द्वारा जवाब मांगा जाता है। 18 अप्रैल को 55 शिक्षकों ने कोई जबाब नहीं दिया था। जिसपर एक्शन लेते हुए शिक्षा विभाग ने एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है। शिक्षा विभाग ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार को लेकर सभी स्कूलों के रोस्टर की जांच का निर्देश दिया था। डीईओ ने 18 मार्च को कई स्कूलों का रोस्टर के अनुसार जांच करने का निर्देश दिया था।

दुगार्पुर मे रामनवमी के अवसर पर दुगोला कार्यक्रम का उद्घाटन किया : राजाराम सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

हसपुराः प्रखंड क्षेत्र के दुगार्पुर गांव में रामनवमी पूजा के अवसर पर आयोजित दुगोला सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 2024 मे मैट्रिक और इंटर उतीर्ण छात्र-छात्राओं का सामान समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए काराकाट लोक सभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के समर्पित उम्मीदवार राजाराम सिंह ।

इस दौरान उपस्थित लोगों के संबोधित करते हुए राजाराम सिंह ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है जिस पर मैं ज्यादा राजनीति की बातें कह सकूं उन्होंने कहा कि समय-समय संस्कृति कार्यक्रम होनी चाहिए क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों से अपनी सभी मतभेद मिटा कर आपस में भाईचारा कायम होता है। उन्होंने कहा कि यह मगध की धरती भगवान बुद्ध की धरती है। इस दौरान मौजूद लोगों ने अपनी बातों के रखते हुए कहा कि राजाराम सिंह एक व्यक्ति नहीं विचार हैं।

राजाराम सिंह के दिलों में बसते हैं ग्राम दुगार्पुर गांव के लोग। रामनवमी पूजा कमेटी के द्वारा 2024 मे मैट्रिक और इंटर उतीर्ण छात्र-छात्राओं का मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर रंजन कुमार पत्रकार , जितेंद्र कुमार विचारक, समेत रामनवमी पूजा कमेटी के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने गया की जनता का जताया आभार

गया की जनता ने पीएम मोदी और जीतन राम मांझी में जताया विश्वास : डॉ संतोष कुमार सुमन

प्रात : किरण संवाददाता

गया : बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में गया समेत बिहार की चार सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इसके बाद बिहार सरकार के माननीय मंत्री सह हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार सुमन ने गया की जनता का आभार जताया और दावा किया कि गया सुरक्षित सीट से एनडीए समर्थित हम(से.) के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की जीत तय है। उन्होंने कहा कि गया की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 400 लक्ष्य में अपना योगदान देते हुए जीतन राम मांझी के पक्ष में जमकर मतदान किया है जिससे यहां एनडीए की जीत है। इसके अलावा बिहार की चारों सीटों पर एनडीए बड़ी मार्जिन से जीत दर्ज करने वाली है। डॉ संतोष कुमार सुमन ने चुनाव समाप्त होने के बाद गया की जनता का आभार जताते हुए कहा कि गया की जनता ने पहले चरण के मतदान में अपना कर्तव्य निभाया है और लोकतंत्र की महानता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना योगदान दिया है। उनके विश्वास और समर्थन के लिए मैं आपका ह्रदय से आभारी हूं। उन्होंने कहा कि एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी के लिए जनता का आशीर्वाद मुझे महत्वपूर्ण है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि वे गया क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से काम करेंगे। जनता के साथ मिलकर, वे गया के लिए एक सशक्त और समृद्ध भविष्य का निर्माण करेंगे।

काराकाट लोकसभा से इंडिया गठबंधन से माले प्रत्याशी राजाराम सिंह ने एनडीए के नेताओं पर साधा निशान

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। काराकाट लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन समर्थितय माले प्रत्याशी राजाराम सिंह ने बिहार में चार सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव में चारों सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के जीत का दावा किया है। राजाराम सिंह ने कहा कि इस बार देश में लोकसभा चुनाव संविधान बचाओ, रोजगार, किसानों के कल्याण के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ रही है। इसलिए देश की जनता अपना मन बन चुकी है और देश में सत्ता परिवर्तन लाते हुए इंडिया गठबंधन को देश की सत्ता सौंपने जा रही है। वहीं भाजपा नेता और बिहार सरकार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए बयान की माले मुड़ीकटवा पार्टी है पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा भाजपा नेताओं की भाषा इसी तरह से खराब हो चुकी है जब उनके नेता नरेंद्र मोदी का भाषण गलत हो गई है तो उनके नेताओं के बारे में क्या कहना ये सही बात है कि देश में भाकपा माले ने गरीबों के हक के लिए बड़ी लड़ाइयाँ लड़ी है जिससे भाजपा को एतराज है। और इस लोकसभा चुनाव में हो रही अपनी हार से एनडीए गठबंधन के नेता फ्रस्ट्रेटेड हो गए हैं। वही भोजपुरी के गायक और नायक पवन सिंह के काराकाट लोकसभा से चुनाव लड़ने पर राजाराम सिंह ने कहा कि संविधान में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा और पवन सिंह के आने से इंडिया गठबंधन को कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

सुपर जोनल मजिस्ट्रेट नगर आयुक्त द्वारा वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र मे बुथो का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया।विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोक सभा चुनाव के प्रथम चरण में गया जिला लोकतंत्र का महापर्व में नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह सुपर जोनल मजिस्ट्रेट द्वारा वजीरगंज विधान सभा क्षेत्र के मानपुर एवं वजीरगंज प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदान का निरीक्षण किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों से मतदान से संबंध में जानकारी ली गई है। सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान चल रहा था। मतदाता लाइन लगाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे थे। मतदान केंद्रों पर पानी की व्यवस्था पाई गई है। सहायक निवार्ची पदाधिकारी द्वारा लगातार जोनल मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट से सभी मतदान केंद्रों का मतदान संबंधी रिपोर्ट लिया गया हू। शर्मा द्वारा मतदाताओं से अपील की गई की ज्यादा से ज्यादा मतदाता अपने अपने घरों से निकल कर आएं एवं अपने मत का प्रयोग कर अपने गया जिला के मत प्रतिशत को बढ़ाएं। वोट दे रहें मतदाताओं से अपने परिवार एवं आस पड़ोस के मतदाताओं से अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने की भी अपील की गई ताकि गया जिला का और वोट प्रतिशत बढ़े।

बारुण प्रखंड के पिपरा का अष्टभुजी मंदिर में साक्षात विंध्यवासिनी माता की प्रतिकृति

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के बारुण प्रखंड के पिपरा गांव में अवस्थित अष्टभुजी माता का मंदिर एवं गर्भ गृह में स्थापित मूर्ति हजारों वर्ष पूर्व स्थापित की गई थी।अष्टभुजी माता की मूर्ति को देखकर ऐसा लगता है कि साक्षात विंध्यवासिनी मां यहां विराजमान है। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने मूर्ति का अवलोकन करते हुए बताया कि हजारों वर्ष पूर्व गढ़वाल राज्य जो अब उत्तराखंड के नाम से जानी जाती है वहां के राजा देशाटन के क्रम में नदी मार्ग से बिहार प्रांत आए तो सोन नदी के किनारे एक पीपल वृक्ष के नीचे अष्टभुजी माता की मूर्ति उन्हें प्राप्त हुई। सोन नदी के सामने बसे पिपरा गांव में उन्होंने कुछ दिन निवास किया। और उन्होंने वहीं पर अष्टभुजी माता की मूर्ति की स्थापना कराई।हाल फिलहाल तक उनके वंशज यहां निवास करते थे।वर्तमान महंत सच्चिदानंद मिश्र ने बताया कि यह मंदिर सिद्ध पीठ के रूप में जानी जाती है।यह विंध्यवासिनी माता का साक्षात प्रतिरूप को प्रदर्शित करने वाली अष्टभुजी माता की मूर्ति अत्यंत मनोहारी है। दर्शन मात्र से मन में भक्ति की धारा उमड़ पड़ती है।नवरात्र के मौके पर भक्तों की यहां भारी भीड़ लगती है।सावन माह में इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।अष्टभुजी माता मंदिर समिति के अध्यक्ष अक्षय लाल गुप्ता, सचिव सुधीर पाल एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि अष्टभुजी माता के दर्शन के लिए पिपरा गांव के अगल-बगल बसे 10 पंचायत के सैकड़ो गांव में लोग वार्षिक समारोह पर पूजा पाठ करने आते हैं।शादी ब्याह के मौके पर अथवा घर में विशेष कार्य आरंभ के पूर्व अष्टभुजी माता का पूजा अर्चना जरूर करते हैं।पूरा औरंगाबाद जिला शक्ति के स्थलों के लिए जाना जाता है दक्षिण में गजना माता, पूर्व में उमंगेश्वरी, पश्चिम में सत्यचंडी धाम,मध्य भाग में सतबहिनी माता अंबा शक्तिपीठ के रूप में है।तो उसी कड़ी में औरंगाबाद के उत्तरी भाग में पिपरा के अष्टभुजी मंदिर अपनी गौरवशाली परंपरा को व्याख्यायित करती है।इस परिसर में विष्णु भगवान,हनुमान जी,भगवान विश्वकर्मा, दुर्गा माता, शंकर भगवान,कृष्ण मंदिर, गोवर्धन पहाड़, संत रैदास ग्राम देवी, बाबा गणिनाथ, राहु केतु मंदिर स्थापित है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अग्निशामालय अंतर्गत अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का अयोजन हुआ।

जिस कार्यक्रम का शुभारंभ अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन प्रसाद यादव ने की। अवसर पर स्कूल के छात्रों ने अग्नि सुरक्षा जागरूकता से जुड़े पोस्टर का चित्रांकन प्रस्तुत की। जिसमे अच्छे चित्रांकन के लिए अव्वल आए फर्स्ट,सेकेंड व थर्ड श्रेणी के छात्र-छात्राओं को अग्निशमालय पदाधिकारी द्वारा पुस्कृत किया गई। जिस प्रतियोगिता में भाग लेने अन्य छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संबोधन करते हुए अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन ने बताया कि आग से घिर जाने पर खिड़की, दरवाजों आदि पर जाकर शोर मचाकर बाहर के लोगों से मदद मागें। जब अपने कपड़ों में आग लगने पर भागे नहीं। जमीन पर लेट कर अथवा कम्बल लपेट कर उसे बुझाने की कोशिश करें। साथ ही घर की सभी वस्तुओं को सुव्यवस्थित ढंग से रखें । वही आग बुझाने वाले यंत्रों तहत गीले रसायन, उड2, सूखा पाउडर, फोम और पानी से आग बुझाकर जा सकता है। मौके पर विद्यालय प्राचार्य ,अग्निशमालय कर्मी रमाकांत सिंह,राकेश कुमार गुप्ता,सचिन कुमार, अंकज कुमार कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

गया संसदीय क्षेत्र की उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्कूटर्नी की गई

गया। गया संसदीय क्षेत्र के सभी 6 विधानसभा बेला, गया सदर, वजीरगंज, बोधगया, बाराचट्टी एव शेरघाटी विधानसभा के पोलेड ईभीएम को पूरे रात तक जमा करवाया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम के निगरानी में पूरे शांतिपूर्वक माहौल में सभी ईवीएम मशीन को गया कॉलेज में बनाये गए स्ट्रांग रूम में जमा कराया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा रात भर निगरानी की गई है। सुबह सभी प्रत्याशी के साथ सामान्य प्रेक्षक गया संसदीय क्षेत्र की उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम द्वारा स्कूटर्नी की गई। कोई रिपोले कही नहीं है। सभी प्रत्याशी ने कोई भी आपत्ति नही जताया है। गया संसदीय क्षेत्र की 52.7 मतदान प्रतिशत है। शांतिपूर्वक माहौल में मतदान कार्य संपन्न हुआ है।सभी प्रत्याशी एवं सामान्य प्रेक्षक गया संसदीय क्षेत्र के समक्ष जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में सभी विधानसभा वार स्ट्रांग रूम को सील किया गया है। स्ट्रांग रूम सील के बाद लकड़ी के सीट से पैक भी करा दिया गया है। इसके साथ ही सभी खिड़कियों को भी सीट से पैक कर दिया गया है। सभी कैंडिडेट्स को सीसीटीवी के सामने, स्ट्रांग रूम के दरवाजे देखने के लिए 24 घंटे की व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा रहेगी। दो लेयर में सुरक्षा में तैनाती हुई है। इनर लेयर में सुरक्षा की जिम्मा सीआईएसएफ के प्लाटून को तथा आउटर लेयर बीएसआइएफ के जिम्मा रखी गई है। सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम की गई है। ईवीएम स्ट्रांग रूम में चप्पे चप्पे पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया है कि हर दिन रोस्टर के अनुसार एडीएम स्तर के अधिकारी निश्चित तौर पर स्ट्रांग रूम का विजिट करेंगे। एव चेकलिस्ट के अनुसार जांच करेंगे। नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया कि परिसर की साफ सफाई की पूरी व्यवस्था रखे।

डीएम ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ईवीएम स्ट्रांग रूम का लॉगबुक संधारित रखे। विजिटर बुक भी संधारित रखने के लिये रजिस्टर उपलब्ध करवाए। इसके अलावा ड्यूटी रोस्टर लिखने के लिये भी रजिस्टर उपलब्ध करवाए।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सीआईएसएफ के उपस्थित अधिकारी को कहा कि सभी प्रकार के राजिस्ट को पूरी अच्छी तरह डिटेल्स में भरेंगे। इस अवसर पर सभी 6 विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, अपर समाहर्ता लोक शिकायत, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था, जिला लेखा पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन, पुलिस उपाधीक्षक गया टाउन क्षेत्र संख्या-2, थानाध्यक्ष रामपुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंतिम दिन स्नातक थ्री की परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण हुई संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास) अंतिम दिन शनिवार को स्नातक खंड तीन वर्ष 2021-24 की फाइनल परीक्षा शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। संचालित परीक्षा के अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों के पसीने छूटते नजर आए। जहां महाविद्यालय प्रशासन संचालित परीक्षा 5 से 20 अप्रैल के अंतिम दिन भी परीक्षा केंद्र पर सघन अभियान जारी रखा। जिसको लेकर परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों में सख्ती की चर्चा उनके जुबां पर थी। जबकि शहर में बने तीन परीक्षा केंद्रों में अंजबित सिंह महाविद्यालय,वीर कुंवर सिंह धारूपुर,महाविद्यालय सहित इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय थी। जिसके तहत सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या 2793 वीर कुंवर सिंह केंद्र परीक्षा केंद्र पर थी। जहां शनिवार के अंतिम दिन पहली पाली में सभी केंद्रों पर कला संकाय की जीईएस विषय की संपन्न हुई। हालांकि परीक्षा के अंतिम दिन भी तीनों परीक्षा केंद्र पर कोई परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए, लेकिन कुछ अनुपस्थित जरूर रहें। सख्ती पूर्ण संपन्न परीक्षा के संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त स्नातक संचालित परीक्षा के अंतिम दिन 20 अप्रैल को भी परीक्षा केंद्र में मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर,इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित चिट पुर्जे के विरुद्ध परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार से लेकर सभी परीक्षा केंद्र रूम के अंदर सघन जांच कर नकलची पर पैनी नजर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा रखी गई। जिससे परीक्षाथीर्यों दहशत कायम थी।वही इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय परीक्षा केंद्राधीक्षक बिनोद कुमार सिंह भी पूरे परीक्षा तक नकल के प्रति काफी सख्त नजर आए।

विद्या बालन ने जाहिर की अपनी दिली ख्वाहिश

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि हंसना और हंसाना है, थोड़े दिनों के लिए, थोड़े टाइम के लिए, थोड़े सालों के लिए।

ठग लाइफ में तृषा कृष्णन के साथ जमेगी सिम्बू की जोड़ी

कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली ठग लाइफ तमिल फिल्म उद्योग की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। फिल्म निर्माता मणिरत्नम द्वारा निर्देशित यह सितारों से सजी फिल्मों में से एक है। कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आईं कि दुलकर सलमान और जयम रवि इस परियोजना से बाहर हो गए हैं, लेकिन हाल ही में अटकलें थीं कि यह जोड़ी परियोजना पर वापस आ गई है। वहीं अब कलाकारों की टीम में अभिनेता सिलंबरासन उर्फ सिम्बू भी कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

इस दिन शुरू होगी शूटिंग

हालिया अपडेट के अनुसार, सिलंबरासन को ठग लाइफ में एक प्रमुख भूमिका निभाने की पुष्टि की गई है और उनकी जोड़ी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ बनेगी। इस फिल्म से पहले दोनों रोमांटिक ड्रामा फिल्म विन्नैथंडी वरुवाया में साथ नजर आए थे। सिलंबरासन में कमल हासन के साथ संयोजन दृश्य भी होंगे, जिनकी शूटिंग मई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। ठग लाइफ का एक शेड्यूल जैसलमेर में शूट किया जाएगा, जिसमें अभिनेता तृषा, सिलंबरासन, गौतम कार्तिक, नासिर और ऐश्वर्या लक्ष्मी भाग लेंगे। इसके बाद दल दिल्ली चला जाएगा। चुनाव के बाद शूटिंग होगी शुरू सिलंबरासन की कास्टिंग को लेकर मेकर्स अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। इससे

पहले यह कहा गया था कि दुलकर सलमान और जयम रवि दोनों ने तारीखों के मुद्दों के कारण परियोजना से बाहर कर दिया था। हालांकि, हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों प्रोजेक्ट पर वापस लौट आए हैं। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा समर्थित ठग लाइफ क्लासिक गैंगस्टर फिल्म नायकन के बाद कमल और मणिरत्नम के पुनर्मिलन का प्रतीक है। लोकसभा चुनाव के कारण फिल्म का निर्माण रोक दिया गया था।

मैं अमरजोत कौर-अमर सिंह चमकीला की तरह जिंदगी जीना चाहती हूं

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला की रिलीज के बाद पूरा सोशल मीडिया फिल्म की तारीफों से भर गया है। जहां देखो सिर्फ और सिर्फ चमकीला की ही तारीफ हो रही है। इसके साथ ही फिल्म के दोनों कलाकार दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है।

फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने अमरजोता कौर का किरदार निभाया है, जबकि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म में सिंगर अमर सिंह चमकीला का किरदार निभाया है। यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। परिणीति के फैंस का मानन है कि वह फिल्म चमकीला के जरिए फिल्मों में वापस आ चुकी हैं और अब वह लगातार फिल्में करती रहेंगी। फिल्म चमकीला से चमक गई हैं परिणीति चोपड़ा की भी किस्मत। फिल्म चमकीला की चारों ओर तारीफ हो रही है। पूरा सोशल मीडिया में फिल्म के अलावा परिणीति और दिलजीत के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है। इसी दौरान एक इंटरव्यू में जब परिणीति से पूछा गया कि वह क्या करेंगी अगर वह दूसरी दुनिया में निभाए गए किरदार अमरजोत कौर से मिलती हैं तो? परिणीति ने कहा, मैं सोच भी नहीं सकती। वे दोनों मेरे लिए भगवान की तरह हैं। इस बारे में ही सोचकर मेरे रौंगटे खड़े हो गए हैं। आगे परिणीति ने कहा वह सच्चे क्रांतिकारी थे। वह सच में भारत और भारतवासियों की सेवा कर रहे थे। बिना अपनी परवाह करे बगैर, यह सोचे बगैर कि इसकी वजह से उनकी मृत्यु भी हो सकती है। लेकिन उन्हें इसकी बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। वह जिए और उन्होंने अच्छे से परफॉर्म किया, उन्हें केवल अपने दर्शकों की चिंता थी। आगे परिणीति कहती है कि वह अपने निभाए गए अमरजोत कौर के किरदार की तरह ही अपना जीवन जीना चाहती है। परिणीति ने कहा, मैं अपना जीवन उस तरह से जी पाऊंगी जैसा मैं जीना चाहती हूं। मुझे लगता है कि चमकीला और अमरजोत जी के बारे में यह बहुत बड़ी बात है। वे दोनों (अमरजोर कौर और दिलजीत) कभी किसी के दबाव में नहीं झुके। फिल्म चमकीला पंजाब के मशहूर सिंगर अमर सिंह चमकीला पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म को लगातार सोशल मीडिया पर भरपूर प्यार मिल रहा है। साथ ही दर्शक और बॉलीवुड की कई हस्तियां लगातार फिल्म को लेकर अपने रिव्यू स्टारकास्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर रहे हैं।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोल करने वालों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोशल मीडिया पर अक्सर सितारे ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं। आए दिन बॉलिवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों की ट्रोलिंग से जुड़ी खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। ताजा मामले में ट्रोल्स ने हर्षवर्धन कपूर को शिकार बनाया है। उनके एक पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, एक अच्छी फिल्म करो, कब तक आप अपने पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इसके बाद हर्षवर्धन कपूर ने भी ट्रोल करने वालों को तगड़ा जवाब दिया।

हर्षवर्धन ने दिया ट्रोल को मुंहतोड़ जवाब
हर्षवर्धन अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को आड़े हाथ लेते रहते हैं । वह अन्य सितारों की तरह ट्रोलर्स को नजरअंदाज नहीं करते । हाल हीं में एक ट्रोल ने उनकी अभिनय क्षमता, फिल्मों के चयन को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने पिता अनिल कपूर के पैसे से जूते खरीदते हैं। दरअसल हर्षवर्धन कपूर ने मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम को लेकर एक आलोचनात्मक पोस्ट अपने एक्स अकांउट पर किया था। इस पर एक ट्रोल ने कमेंट किया, एक अच्छी फिल्म कर लो, कब तक पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इस पर हर्षवर्धन ने जवाब दिया, मैं तुम्हारी फिल्में कहां देख सकता हूं? तुमने कितनी फिल्में की हैं? मैनें तो रे,थार,भावेश जोशी, ए.के. वर्सेज ए.के. और मिर्जया की हैं, तुम कौन हो?.. एक हारा हुआ व्यक्ति!
आखिरी बार फिल्म थार में आए थे नजर हर्षवर्धन कपूर एक प्रतिभावान अभिनेता हैं, जिन्हें मिर्जया और भावेश जोशी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कामयाबी तो हासिल नही की, लेकिन दर्शकों से इन्हें प्यार जरूर मिला। वह सदाबहार अभिनेता अनिल कपूर के बेटे और अभिनेत्री सोनम कपूर के भाई हैं।

डीपफेक वीडियो से परेशान हुए रणवीर

टेक्नॉलजी में तरक्की ने जहां लोगों की कई समस्याओं को सुलझाया है, तो वहीं इसने कई ऐसी नई समस्याओं को जन्म भी दिया है। आए दिन कोई न कोई इसका शिकार बनता है। कुछ समय पहले पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर काफी हल्ला भी मचा था। अब बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इसके शिकार बने हैं। अभिनेता का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह राजनीतिक पार्टी को प्रमोट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह इस फर्जी वीडियो में एक राजनीतिक पार्टी का प्रचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बीते कुछ दिनों में यह वीडियो काफी तेजी से फैल रही थी। इस वीडियो को लेकर रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों से डीपफेक से बचने की चेतावनी दी है। अभिनेता ने इस तरह के वीडियो से लोगों को बचने की सलाह देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। रणवीर सिंह से पहले आलिया भट्ट, कटरीना कैफ, काजोल, रश्मिका मंधाना, नोरा फतेही समेत कई अन्य सितारे भी इस डीपफेक ट्रेंड का शिकार बन चुके हैं। तेजी से वायरल हो रही रणवीर सिंह की इस वीडियो को एडिट कर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से बनाया गया है। इस वीडियो को रणवीर के हालिया वाराणसी दोरे से जोड़ा गया है, वह वाराणसी के नमो घाट पर अभिनेत्री कृति सैनन के साथ मशहूर डिजायनर मनीष मल्होत्रा के फैशन शो में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

ब्लाइंड स्कूल में दृष्टिबाधितों से घंटों मिलते थे राजकुमार राव

श्रीकांत का किरदार निभाने में लगा डर

अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म श्रीकांत – आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शक इस फिल्म को देखने का इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस अनूठी फिल्म को देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए उनको लीक से हटकर कुछ देखने को मिलेगा। दर्शकों की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है, उसे देखकर लगता है कि फिल्म का ट्रेलर लोगों पर असर कर चुका है। इसी बीच, राजकुमार राव ने इस फिल्म को लेकर कुछ बातें साझा की है।

श्रीकांत की कहानी काफी प्रेरणादायक है
राजकुमार राव ने कहा कि इस फिल्म की कहानी काफी प्रेरणादायक है। श्रीकांत का जन्म एक बहुत ही गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। उन्होंने एक मिलियन डॉलर की कंपनी को खड़ा किया। मैं सोचता हूं कि यह कहानी मेरे लिए काफी प्रेरणा से भरी है। मालूम हो कि यह फिल्म दृष्टिबाधित भारतीय उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला के जीवन पर आधारित है। फिल्म में राजकुमार राव ने श्रीकांत का किरदार निभाया हैं।

राजकुमार राव ने कहा कि श्रीकांत दृष्टिबाधित हैं। इससे पहले मैंने कभी ऐसा किरदार अदा नहीं किया है। यह किरदार मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। मुझे लगा कि इस किरदार को करने में काफी डर लगेगा, लेकिन जब डर लगेगा तभी तो मजा आएगा। राजकुमार ने फिल्म की तैयारी पर बात करते हुए कहा कि वे ब्लाइंड स्कूल में जाया करते थे और दृष्टिबाधित लोगों के साथ घंटों बिताते थे। उनकी जिंदगी के बारे में जानना, वे दुनिया को कैसे देखते हैं और उनके अंदर क्या चलता है। यह सब जानना बहुत जरुरी था। इसके अलावा श्रीकांत के साथ भी खूब समय बिताया।

फिल्मों में कब वापसी करेंगे इमरान खान?

अभिनेता ने खुद दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। इमरान की वापसी को लेकर प्रशंसक सोशल मीडिया पर भी चर्चा करते रहते हैं। हाल ही में, खुद इमरान खान ने इस सवाल का जवाब दे दिया है कि वे फिल्मों में कब वापसी करेंगे।

करियर से जुड़े सवालों के दिए जवाब
इमरान खान ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपने करियर से जुड़े कई सवालों का जवाब दिया। इनमें किसी नई फिल्म की स्क्रिप्ट मिलने और फिल्मों में वापसी करने का सवाल सबसे बड़ा था। इमरान ने अपना जवाब देते हुए कहा कि वे अभी भी फिल्मों में लौटने पर विचार कर रहे हैं। कुछेक चीजें मिली है, जो उन्हें पसंद आई है, लेकिन कोई ऐसा काम फिलहाल नहीं मिला है, जो बनने के लिए तैयार हो।

इमरान खान ने फिल्मों से दूर होने का फैसला करने के सवाल का बड़ा ही दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जिंदगी करियर से कहीं ज्यादा है। मेरी पहचान केवल बॉलीवुड अभिनेता होने से ही नहीं है। वे सफलता को ज्यादा काम मिलने या कमाई करने से नहीं मापते हैं। उनका मानना है कि अहम बात यह है कि आखिर एक आदमी जीवन से क्या चाहता है। उन्हें हमेशा ऐसा लगता था कि अगर वे वाकई में ज्यादा काम या कमाई करना चाहते हैं, तो वे फिल्मों में लौटने का रास्ता ढूंढ सकते थे। अभिनय के अलावा वे निर्देशन या स्वतंत्र फिल्में भी बना सकते थे।

संक्षिप्त समाचार

वोडाफोन-आइडिया के एफपीओ ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया के 18,000 करोड़ रुपये के एफपीओ (फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर) ने शुक्रवार को रफ्तार पकड़ी। इस दौरान मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों के आगे आने से इश्यू को करीब आधा सब्सक्रिप्शन मिल गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक एफपीओ के दूसरे दिन के अंत तक एंकर निवेशकों के 5,400 करोड़ रुपये सहित कुल 12,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए गए हैं। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक पेशकश के तहत जारी 1,260 करोड़ शेयरों में से 617.46 करोड़ शेयरों को शुक्रवार तक सब्क्रिप्शन मिल चुका था। योग्य संस्थागत खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित 360 करोड़ शेयरों में से 93 प्रतिशत के लिए बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों ने उनके लिए तय 270 करोड़ शेयरों में से 75 प्रतिशत के लिए बोली लगाई। इश्यू पर खुदरा निवेशकों की प्रतिक्रिया धीमी रही और उनके लिए तय 630 करोड़ शेयरों में से केवल 13 प्रतिशत के लिए ही बोलियां मिलीं। इश्यू के लिए कीमत का दायरा 10-11 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 2.12 प्रतिशत टूटकर 12.92 रुपये के भाव पर बंद हुआ। एफपीओ 22 अप्रैल को बंद होगा। कंपनी इक्विटी शेयरों के नए इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग अपने नेटवर्क बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए, दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए कुछ भुगतान करेगी। इसके अलावा जीएसटी के 2,175 करोड़ और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शामिल हैं।

सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी के शेयर ने रचा इतिहास, एक साल में बदला माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड एनर्जी सेक्टर से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा। दरअसल, ट्रेडिंग के दौरान इस सोलर पैनल निर्माता कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत चढ़कर 2386.10 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। पिछले साल इसी तारीख को यानी 19 अप्रैल के दिन शेयर 181 रुपये के स्तर पर था। बता दें कि 23 मई, 2023 को यह शेयर 52-सप्ताह के निचले स्तर 157.02 रुपये पर फिसल गया था। यह शेयर एक साल में 1198 प्रतिशत रिटर्न दे चुका है तो सिर्फ इस साल 438 प्रतिशत बढ़ा है। बिजनेस टुडे से टिप्स2ट्रेड्स के अभिजीत ने कहा-वारी रिन्यूएबल्स 2400 रुपये पर मजबूत ब्रेकआउट के साथ डेली चार्ट पर मंदी और ओवरबॉट है। यह शेयर शॉर्ट टर्म में गिरकर 1720 रुपये के स्तर पर आ सकता है। मेहता इक्विटीज के एक्सपर्ट रियांक अरोड़ा ने कहा कि शेयर लगातार ऊपर जा रहा है।

152 करोड़ प्रॉफिट, अब आईपीओ लेकर आ रही टेक्सटाइल कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी कंपनी-सनाथन टेक्सटाइल्स प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने वाली है। इसके लिए कंपनी ने 800 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं।

ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक आईपीओ में 500 करोड़ तक के फ्रेश शेयर हैं। वहीं, आईपीओ में प्रमोटर 300 करोड़ तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) करेंगे। कंपनी 100 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा प्लेसमेंट किया जाता है तो नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा। डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

ड्राफ्ट पेपर के मुताबिक 210 करोड़ के शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग कंपनी की सहायक कंपनी - सनाथन पॉलीकॉट प्राइवेट - में निवेश के लिए किया जाएगा ताकि इसकी लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरत को पूरा किया जा सके। वहीं, 175 करोड़ का इस्तेमाल री-पेमेंट के लिए किया जाएगा।

10 रुपये में अपने शेयर बेच रही है दिग्गज कंपनी, दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में इस समय तेजी है। इस उछाल के पीछे की वजह एफपीओ है। कंपनी एफपीओ के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास कर रही है। वोडाफोन आइडिया एफपीओ 18 अप्रैल को खुला था। कंपनी के पास इस एफपीओ पर 22 अप्रैल तक दांव लगाने का मौका है। यानी अब निवेशकों के पास महज एक दिन का ही समय बचा है। कंपनी ने एफपीओ के लिए 10 रुपये से 11 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार वोडाफोन आइडिया एफपीओ 1.40 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। जोकि 18 अप्रैल के मुकाबले 0.40 रुपये अधिक है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 12.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2 दिन की बोलियों के दौरान इस एफपीओ को 0.49 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में यह एफपीओ 0.13 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

हिंदुस्तान जिंक को अलग इकाइयों में बांटने पर सरकार से वार्ता जारी रहेगी: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह कंपनी को कई अलग इकाइयों में बांटने से संबंधित प्रस्ताव पर केंद्र के साथ वार्ता जारी रखेगी। यह बयान खान मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को अलग इकाइयों में बांटने का प्रस्ताव खारिज करने के बीच आया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड अपना बाजार पूंजीकरण बढ़ाने के लिए जिंक एवं चांदी समेत अपने कारोबारों को अलग इकाइयों में बांटने की योजना का ऐलान कर चुकी है। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा कि यह मामला शुक्रवार को निदेशक मंडल की बैठक में भी चर्चा के लिए आया। उन्होंने कहा, ''मैंने निदेशक मंडल को एक बार फिर स्थिति से अवगत कराया और सरकार के साथ वार्ता जारी रखने का वादा किया। मैं अपने तर्क को समझाने की कोशिश करूंगा कि हम ऐसा क्यों करना चाहते हैं। हिंदुस्तान जिंक में सरकार सबसे बड़ी अल्पांश शेयरधारक है। उसके पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मिश्रा ने कहा, ''सरकार विभिन्न मार्गों से विनिवेश की प्रक्रिया में हैं और उसे लगता है कि इस समय कंपनी को अलग इकाइयों में बांटने से विनिवेश का अवसर खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी अभी भी प्रस्ताव पर खान मंत्रालय के साथ बातचीत कर रही है और कुछ मुद्दों का समाधान करने की कोशिश कर रही है।

सिप्ला को झटका, जीएसटी प्राधिकरण ने लगाया 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया। यह आदेश जारी करते हुए जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर संक्रमणकालीन यानी 'ट्रांजिशनल क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि तथ्यों के आकलन और प्रचलित कानून के आधार पर वह इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि उक्त आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति या परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जियो फाइनेंशियल तिमाही नतीजे

नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 311 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। उसने 311 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। इसमें 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर तिमाही में यह आंकड़ा 294 करोड़ रुपये था। परिचालन से समेकित राजस्व पिछली तिमाही के 414 करोड़ रुपये के मुकाबले 418 करोड़ रुपये पर फ्लैट रहा। मार्च तिमाही में कुल खर्च 103 करोड़ रुपये रहा। जबकि सितंबर तिमाही में यह 98 करोड़ रुपये था।

मार्च 2024 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए वित्तीय सेवा कंपनी का शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 1,604 करोड़ रुपये हो गया। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह सिर्फ 31 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रेवेन्यू भी कई गुना बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष में यह 42 करोड़ रुपये था। जियो फाइनेंशियल की समेकित आय में इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की अनिंग शामिल है। इनमें जियो फाइनेंस, जियो पेमेंट सॉल्यूशंस, रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स, जियो इंश्योरेंस ब्रोकिंग, जियो इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज, जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज, रिलायंस सर्विसेज एंड होल्डिंग्स, पेट्रोलियम ट्रस्ट और जेवी फर्म जियो पेमेंट्स बैंक शामिल हैं। चौथी तिमाही में कंपनी की ब्याज आय बढ़कर 281 करोड़ रुपये हो गई। जबकि तीसरी तिमाही में यह 269 करोड़ रुपये थी। इस बीच फीस और कमीशन इनकम बढ़कर 41 करोड़ रुपये हो गई। इस सप्ताह की शुरुआत में जियो फाइनेंशियल ने घोषणा की थी कि उसने अपने धन प्रबंधन और ब्रोकिंग व्यवसाय के लॉन्च के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म ब्लैकरॉक, इंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की आईएमएफ ने की तारीफ, विश्व बैंक ने भी सराहा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बसंत बैठक चल रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ भी अमेरिका दौरे पर हैं। अजय सेठ ने बताया कि इस बैठक के दौरान आईएमएफ और विश्व बैंक ने भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की तारीफ की। बैठक में कहा गया कि भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन के दौरान वैश्विक मुद्दों पर जिस तरह से आम सहमति बनाई गई, वह काबिले तारीफ है।

भारत में हुए जी20 सम्मेलन की इस बात को लेकर हुई तारीफ : भारत में 9-10 सितंबर को जी20 सम्मेलन की बैठक हुई थी। इस सम्मेलन में 37 पेज का एक आम सहमति घोषणा पत्र पारित हुआ था, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई मुद्दों पर आम सहमति से कदम उठाए गए थे। भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर जिस तरह से सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बैठकें आयोजित की गईं, उसकी भी तारीफ हुई।

आईफोन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने की तैयारी में टाटा समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन में ऑपरेशंस का नियंत्रण हासिल करने की तैयारी में हैं। उसके लिए ग्रुप पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेंट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ पर लॉन्च किया इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर, क्रॉस बॉर्डर ट्रेड फाइनेंस और फॉरेक्स सर्विसेज

एयू रेमिट अनिवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहकों को उनके एयू एन.आर.ई. बचत खाते से विदेशी मुद्रा में उनके विदेशी खातों में डिजिटल रूप से फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बनाता है

मुंबई, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक (एस.एफ.बी.) एयू.एस.एफ.बी., लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (उदारीकृत प्रेषण योजना ङ्क एल.आर.एस.) के तहत इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर शुरू करने के लिए एक प्लेटफॉर्म एयू रेमिट पेश करके अपना 29वां स्थापना वर्ष और 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ मना रहा है। इस प्लेटफॉर्म को अपने रिटेल ग्राहकों की अलग अलग तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। बैंक ने अपने एम.एस.एम.ई. ग्राहकों के लिए एयू डिजिट्रेड प्लेटफॉर्म और निर्यातकों और आयातकों के लिए कई ट्रेड फाइनेंस और विदेशी मुद्रा सेवाएं भी लॉन्च की हैं। इन दोनों सेवाओं की शुरुआत ग्राहक-केंद्रित वित्तीय समाधानों को बढ़ाने की दिशा में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ज्ञात रहे, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अप्रैल 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अधिकृत डीलर श्रेणी 1 (अथॉराइज्ड डीलर कैटेगरी - एडी 1) लाइसेंस प्राप्त किया था, जिससे बैंक को विदेशी मुद्रा लेनदेन की एक बड़ी रेंज संचालित करने का अधिकार मिला। इसका लाभ उठाते हुए, एयू रेमिट रिटेल ग्राहकों के लिए इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर में एक नया मानक स्थापित करता है, जबकि एयू डीजेट्रेड से एम.एस.एम.ई. निर्यातकों और आयातकों को लाभ होगा। एयू रेमिट अनिवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहकों को उनके एयू एनआरई बचत खाते से विदेशी मुद्रा में उनके विदेशी खातों में डिजिटल रूप से फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, यह रेजिडेंशियल व्यक्तियों और प्रोपराइटर फर्मों को भी अपनी सेवाएं प्रदान करता है, जिससे उन्हें वेब पोर्टल और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की ब्रॉन्च के माध्यम से एल.आर.एस. योजना के तहत आरबीआई द्वारा लिस्ट किए गए उद्देश्यों के लिए विदेश में पैसा भेजने में मदद मिलती है। एयू रेमिट ट्रांसफर प्रक्रिया को व्यवस्थित करता है, लंबे व बोझिल डॉक्युमेंटेशन की आवश्यकताओं को समाप्त करता है और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाता है।

इस लॉन्च पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के फाउंडर, एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा कि मैं बैंक के 1.1 करोड़ ग्राहकों, 46,000से अधिक कर्मचारियों, 2 लाख घरेलू और इंटरनेशनल शेयरधारकों, रेगुलेटर्स और सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हमारी बैंकिंग यात्रा के पहले 7 सालों के दौरान सरकार और अन्य सभी हितधारकों को उनके पूरे दिल से समर्थन के लिए धन्यवाद। आज, जब एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अपना 29वां स्थापना वर्ष और 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ मना रहा है, हम फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ एकीकरण पूरा होने के बाद दक्षिणी भारत में हालिया विस्तार के साथ एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं। यह मील का पत्थर न सिर्फ हमारी विकास और विस्तार की यात्रा का प्रतीक है, बल्कि इनोवेशन और ग्राहक पर फोकस करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

संजय अग्रवाल ने आगे कहा कि अधिकृत डीलर श्रेणी 1 (अथॉराइज्ड डीलर कैटेगरी - एडी 1)लाइसेंस हासिल करने के एक साल के अंदर उसके संचालन के साथ, बैंक ने अपने उत्पादों की पेशकश पूरी कर ली है और अब हमें हमारे प्रतिष्ठित निर्यातक-आयातक कम्युनिटी बेस के साथ काम करने का मौका मिलेगा। हमारी लेटेस्ट पेशकश- एयू रेमिट, एयू डिजीट्रेड, ट्रेड फाइनेंस और फॉरेक्स प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज हमारे एन.आर.आई. ग्राहकों और एक्जिम ग्राहकों को शुल्क भुगतान, चिकित्सा उपचार, परिवार के रखरखाव, ट्रेड पेमेंट जैसे कई तरह के इंटरनेशनल रेमिटेंस ट्रांजेक्शन को आसानी से पूरा करने में सक्षम बनाने के साथ ही बैंक से निर्यात और आयात क्रेडिट सुविधाओं के लिए सक्षम बनाएगा।

भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान 2024-25 के लिए खुले प्रवेश

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) ने बीएस-एमएस (दोहरी डिग्री) और चार वर्षीय बीएस डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आईआईएसईआर बेरहामपुर, आईआईएसईआर भोपाल, आईआईएसईआर कोलकाता, आईआईएसईआर मोहाली, आईआईएसईआर पुणे, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम और आईआईएसईआर तिरूपति सहित आईआईएसईआर में प्रवेश चाहने वाले संभावित उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आईआईएसईआर एप्टीट्यूडटेस्ट (आईएटी 2024) के लिए पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ऑनलाइन आवेदन विंडो 13 मई 2024 तक खुली रहेगी और प्रवेश परीक्षा 9 जून 2024 (रविवार) को आयोजित होने वाली है। भारतीय नागरिकता वाले आवेदक, भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ), भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई), और विदेशी नागरिक आईएटी 2024 के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। परीक्षा केंद्र और आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट से संबंधित अन्य विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता को बढ़ावा देते हुए छात्रों को विज्ञान की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए अंतःविषय पाठ्यक्रम के साथ, आईआईएसईआर छात्रों को उनके शैक्षणिक हितों का पूरी तरह से पता लगाने के लिए सशक्त बनाता है। कक्षा से परे, छात्रों के पास अत्याधुनिक अनुसंधान के अवसरों तक पहुंच है, वे अभूतपूर्व खोजों पर संकाय के साथ सहयोग करते हैं।

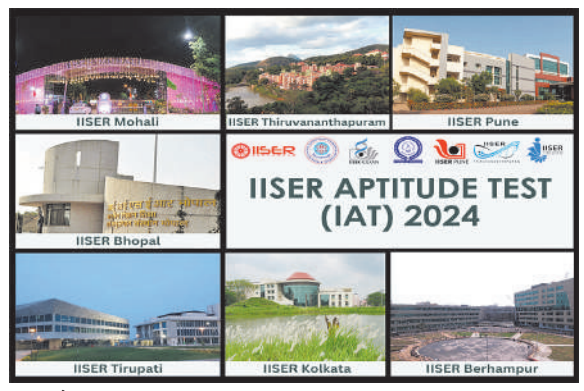

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

बिश्केक, एजेंसी। अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

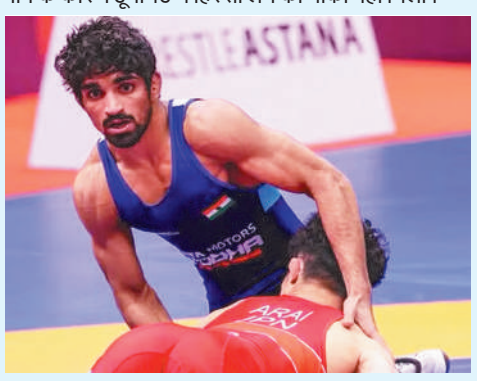

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन– अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल

अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2–2 से बराबर होने के बाद हार गए। सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति – दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

लखनऊ, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरी हार मिली। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स ने लखनऊ में सबसे बड़ा टारगेट चेज कर सीएसके को 8 विकेट से हरा दिया।

चेन्नई से एमएस धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, वह 40 की उम्र के बाद 500 आईपीएल रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। धोनी ने बतौर विकेटकीपर 5 हजार आईपीएल रन भी पूरे कर लिए, वह ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर बने। स्त्र के कप्तान केएल राहुल बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 25 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले प्लेयर बन गए।

1. 40 की उम्र के बाद धोनी के नाम सबसे ज्यादा रन

सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, इसी के साथ उनके 40 की उम्र के बाद आईपीएल में 500 रन पूरे हो गए। वह आईपीएल में 40 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए। धोनी फिलहाल 42 साल के हैं। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 40 की उम्र के बाद 481 आईपीएल रन बनाए हैं।

2. धोनी का स्ट्राइक रेट पिछले 2 साल में सबसे बेस्ट

छ्स्य के एमएस धोनी ने पिछले साल आईपीएल में 182.46 की स्ट्राइक रेट से 104 रन बनाए। इस साल वह 255.88 की स्ट्राइक रेट से 87 रन बना चुके हैं। आईपीएल में पिछले 2 साल में 50 से ज्यादा गेंदें खेलने वाले प्लेयर्स में धोनी का स्ट्राइक रेट से सबसे बेहतर है। वह 209.89 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। उनके बाद स्त्र्रा के अभिषेक शर्मा ने 205.26 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

3. धोनी 5 हजार आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

एमएस धोनी बतौर विकेटकीपर खेलते हुए आईपीएल में 5000 से ज्यादा रन पूरे कर चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले ही विकेटकीपर बने। उन्होंने बतौर विकेटकीपर 251 मैच भी खेल लिए हैं। धोनी के बाद आरसीबी के दिनेश कार्तिक ने बतौर विकेटकीपर 228 मैचों में 4363 रन बनाए हैं।

सिर चढ़कर बोली चेन्नई सुपर किंग्स की दीवानगी

फैन ने सीएसके की थीम पर बनवाया शादी का कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की वह टीम है, जिसे हर मैदान पर होम ग्राउंड जैसा ट्रीमेंट मिलता है. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम के साथ-साथ फैंस सीएसके को सपोर्ट करने के लिए हर मैदान में पहुंचते हैं. चेन्नई का मैच कहीं भी किसी भी टीम के खिलाफ हो, क्राउड आपको पीली जर्सी में ही नज़र आएगा. चेन्नई को फैंस इतना ज़्यादा प्यार एमएस धोनी की वजह से करते हैं. अब मैदान के बाहर भी चेन्नई की दीवानगी फैन के सिर चढ़कर बोली और उसने अपनी शादी का कार्ड सीएके की थीम पर बनवा लिया.

चेन्नई सुपर किंग्स की थीम वाला शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर तेज़ से वायरल हो रहा है. इस कार्ड को चेन्नई सुपर किंग्स के मैच टिकट की तरह डिजाइन किया गया. कार्ड में एंट्री फीस की जगह, आपका प्यार लिखा गया, टैक्स की जगह, आशीर्वाद और टोटल वैल्यू की जगह, आपकी उपस्थिति लिखी गई. इसके अलावा जैसे दो टीमों का नाम लिखा जाता हैं, वहां बीच में वेड्स लिखकर कपल का नाम लिखा गया. इसके आगे शादी का दिन और तारीख वेन्यू के साथ लिखी गई. इस कार्ड को बड़े ही क्रिएटिव तरीके के डिजाइन किया गया है.

लखनऊ में आईपीलएल कप्तानों पर बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 19 अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच तो होम टीम जीत गई। लेकिन बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना भी ठोका है। बता दें कि लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जुर्माना लगाया है।

आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था। इसलिए उनपर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन फाइन लग चुका है।

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के इस सीजन में कई नए रिकॉर्ड बन रहे हैं तो कई पुराने रिकॉर्ड टूट भी रहे हैं. केएल राहुल ने आईपीएल 2024 के 34वें मैच में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. जो पहले धोनी के नाम था. केएल राहुल आईपीएल में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले विकेटकीपर बन गए हैं. इस फेहरिस्त में कई दिग्गज विकेटकीपर भी शामिल हैं.

अगर हम 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले टॉप 5 विकेटकीपरों की बात करें तो इस फेहरिस्त में सबसे पहला नाम केएल राहुल का है. जो पहले एमएस धोनी के नाम पर था. केएल राहुल अब तक 25 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं. एमएस धोनी ने 24 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. तीसरे नंबर पर क्विंटन डी कॉक हैं. डी कॉक ने अब तक 23 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है. तो चौथे नंबर पर हैं दिनेश कार्तिक. दिनेश ने अब तक 21 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. वहीं पांचवें नंबर पर रॉबिन उथप्पा का नाम है. उन्होंने 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है.

आईपीएल 2024 के 34वें मैच में केएल राहुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कप्तानी पारी खेली. जिसके चलते एलएसजी की टीम ने यह मैच आसानी से जीत लिया. केएल राहुल ने 53 गेंदों पर 154.72 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए. जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे. पहले विकेट के लिए क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के बीच 134 रन की साझेदारी हुई. 6 गेंद रहते ही एलएसजी ने 8 विकेट से मैच जीत लिया.

क्या कोलकाता में आरसीबी खत्म करेगी अपनी हार का सिलसिला?

कोलकाता, एजेंसी। हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है। लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है। लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंक तालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिये उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे। ऐसे में केकेआर के खिलाफ आरसीबी मैच जीतने में पूरा जोर लगा देगी। तो आइये ऐसे में जानते हैं कि मैच में दोनों टीमों की प्लेइंग 11 क्या हो सकती है।

किन 11 पर आरसीबी जताएगी भरोसा?

आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है। ऐसे में केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था ,'गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इससे सारा दबाव बल्लेबाजों पर आन पड़ा है। हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।'

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था। इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11.89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिये। ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिये जूझ रहे हैं जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला। उनके कूल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों में बाहर रह सकते हैं।

केकेआर के खिलाफ आरसीबी की संभावित 11- फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, विल जैक्स, रजत पाटीदार, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमरोर, लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद सिराज, कर्ण शर्मा, आकाश दीप।

किस प्लेइंग के साथ उतरेगी केकेआर?

कोलकाता नाइटराइडर्स यानी केकेआर को पिछले मैच में आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स ने हराया था। केकेआर ने आरसीबी की तुलना में एक मैच कम खेला है और उसकी नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होगी। नारायण ने सिर्फ स्पिन गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्लेबाजी के जौहर भी दिखाये हैं। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में पहला टी20 शतक जमाया। उनका स्ट्राइक रेट भी 187 के करीब रहा है। फिल साल्ट ने 151 से अधिक की औसत से रन बनाये हैं। उनके पास रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज भी हैं। केकेआर अभी शानदार फॉर्म में चल रही है। ऐसे में वह शायद ही अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव करें।

आरसीबी के खिलाफ केकेआर की संभावित प्लेइंग 11- फिल सॉल्ट, सुनील नरेन, अंगकृष रघुवंशी, श्रेयस अय्यर (कप्तान), आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रमनदीप सिंह, मिचेल स्टार्क, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा।

टिम डेविड और पोलार्ड पर बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। एमआई के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी टीम के मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल की तरफ से टिम डेविड और पोलार्ड पर जुर्माना लगाए जाने को लेकर दी गई जानकारी में बताया गया कि दोनों पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया गया है। डेविड और पोलार्ड ने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के लेवल 1 का अपराध किया है। इसके चलते डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस आचार संहित के उल्लंघन के मामले में मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना जाता है। दोनों ने ही अपनी गलती स्वीकार कर ली है। डीआरएस का उपयोग करते समय खिलाड़ियों को मैदान के बाहर से किसी की मदद लेने की अनुमति नहीं है। आईपीएल का

फैसला एक वीडियो के वायरल होने के बाद आया है, जिसमें डगआउट में मुंबई इंडियंस टीम के सदस्यों और सहयोगी स्टाफ को कथित तौर पर रिव्यू मांगने का निर्णय लेने में सूर्यकुमार यादव को अवैध सहायता प्रदान करते हुए दिखाया गया है। टेलीविजन कैमरों में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर को यादव को इशारा करते हुए दिखाया गया कि उन्होंने जिस डिलीवरी का सामना किया, वह वाइड थी। डेविड और पोलार्ड ने बल्लेबाज से अर्शदीप सिंह की गेंद की समीक्षा करने का आग्रह किया जो फुल और वाइड फेंकी गई थी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान जब 15वें ओवर में सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी कर रहे थे तो उस समय अर्शदीप सिंह की एक गेंद पर दोनों ने डगआउट से वाइड गेंद को लेकर डीआरएस लेने का इशारा किया था, जिसके बाद इसको लेकर पंजाब किंग्स के कप्तान ने भी आपत्ति जताई थी। सूर्या ने इसके बाद डीआरएस ले लिया था और तीसरे अंपायर ने इस गेंद को वाइड करार दे दिया था।

संजय मांजरेकर ने क्यों कही ये बात

उम्मीद है चयनकर्ता रिंकू को नहीं भूलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच रिंकू सिंह को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है। रिंकू ने बतौर फिनिशर पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बौदलत उन्हें भारतीय टीम में उन्हें जगह मिली थी। भारत के लिए भी उन्होंने कई मैच फिनिश किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि केकेआर के लिए बल्लेबाजी का ज्यादा मौका न मिलना रिंकू को भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह न देने का यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिंकू को ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है और उम्मीद है चयनकर्ता उन्हें नहीं भूलेंगे। रिंकू ने इस सीजन 51 गेंद पर 83 रन बनाए हैं। 26 उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 162.75 का है।

मांजरेकर ने रिंकू सिंह को लेकर क्या कहा?

मांजरेकर ने रिंकू को लेकर फर्स्टपोस्ट से कहा, क्योंकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे। वह सीधे तौर पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। जब भी उन्हें अवसर मिला है, आपने देखा है कि उन्होंने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी निरंतरता और रेज दिखाई है। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों के अलावा, उन बड़े नामों के अलावा जिनके बारे में हम सोच रहे हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं।

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें उन्होंने 7 मैचों में नाबाद रहते हुए 176.23 के स्ट्राइक रेट से 356 रन बनाए हैं। उनका औसत 89 रन का है। ऐसे में बतौर फिनिशर उन्हें भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलनी चाहिए। 1 जून से यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन 1 मई से पहले हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया ने वापस ली अंतरिम जमानत की याचिका, चुनाव के लिए चाहते थे राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत ने अपना ऑर्डर रिजर्व कर लिया है। वहीं सिसोदिया की तरफ से अदालत में पेश हुए अधिवक्ता विवेक जैन ने चुनाव प्रचार के लिए दाखिल की गई अंतरिम जमानत आवेदन को वापस ले लिया। अदालत सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर 30 अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी। स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत में सुनवाई हुई।

वर-वधु ने साथ में डाला वोट, दुल्हन ने विदाई को रोककर किया मतदान

नागौर , एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए दुल्हन ने अपनी विदाई रुकवाकर पहले मतदान किया और फिर विदाई हुई। दरअसल, आमेर रोड निवासी दिव्या सेन ने विदा होने से पहले अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिव्या का विवाह 18 अप्रैल को हुआ और 19 अप्रैल को सुबह विदा होने से पहले नगर निगम कॉलोनी स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना वोट दिया। दिव्या ने बताया कि जिस तरह से अपने जीवनसाथी को चुना है। ठीक इसी तरह अच्छे सरकार का चुनाव करने के लिए देश हित में मतदान किया है। सभी को मतदान जरूर करना चाहिए। दूल्हे निशिन ने भी मतदान को प्राथमिकता दी और कहा कि हमारे वोट से अच्छा नेता बने। चैनार स्थित अटल सेवा केंद्र में कोमल टाक निवासी जगावता, चैनार ने विवाह संपन्न होने के तुरंत बाद ससुराल जाने से पहले अपने पति नितिन सोलंकी के साथ आकर मतदान किया। जयपुर के मोहनपुरा में दुल्हन ने ससुराल जाने से पहले लोकतंत्र में भागीदारी निभाई। दुल्हन ममता मोर्य की शादी 18 अप्रैल को हुई थी। 19 अप्रैल को मतदान के दिन विदाई होनी थी। विदाई से पहले दुल्हन ममता मोर्य मोहनपुरा स्थित मतदान केंद्र पर पहुंची। शादी के जोड़े में ही मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया. अपना फर्ज निभाने के बाद ससुराल के लिए विदाई हुई। नीमकाथाना में शादी के बाद ससुराल नहीं जाकर दुल्हन ने पहले मतदान केंद्र पहुंचकर वोट किया। दुल्हन दूल्हे को साथ लेकर नीमकाथाना के बूथ नंबर 188 में जाकर मतदान किया। मतदान करने पर निर्वाचन विभाग की ओर से नव विवाहित वर-वधू को प्रमाण पत्र दिया गया। इसके बाद दुल्हन विदा होकर अपने ससुराल गई।

आडवाणी के रथ को मैनेज कर चर्चित हुए थे नित्यानंद राय, तीसरी बार मैदान में

उजियारपुर, एजेंसी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा को तत्कालीन बिहार सरकार के ऐलान के बावजूद हाजीपुर से सकुशल पार कराने के लिए सूबे की राजनीति में चर्चित हुए नित्यानंद राय की पहचान एक निर्भीक नेता की है। खेती-किसानी और गांव-देहात की राजनीति से शुरुआत करने वाले राय देश के गृह राज्यमंत्री हैं। वह 2014 और 2019 में लगातार दो बार जीतकर उजियारपुर से सांसद बन चुके हैं। राय के सामने इस बार उजियारपुर से जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। लोकसभा चुनाव 2024 में उजियारपुर सीट से तीसरी जीत के लिए किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान नित्यानंद राय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में ही बिहार में भाजपा ने चुनाव लड़ा था। जिसमें एनडीए ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। अब राय बदली भूमिका में हैं और प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। अपनी जीत के साथ ही पार्टी और एनडीए गठबंधन को 2019 के समान जीत दिलाने का दारोमदार भी उन पर है। इसे लेकर अपने क्षेत्र में मेहनत करने के साथ घटक दलों के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने में जुटे हैं। एडी-चोटी का जोर लगाया उजियारपुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने के लिए नित्यानंद राय एड़ी-चोटी का जोर लगाए हैं। 1990 में बिहार सरकार को सीधी चुनौती देने वाले नित्यानंद राय का राजनीति में ग्राफ लगातार चढ़ता गया। तब बतौर मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने ऐलान किया था कि वह लालकृष्ण आडवाणी के रथ को गांधी सेतु पार नहीं करने देंगे। उस समय नित्यानंद मात्र 23 वर्ष के थे। महापंचायत बुलाकर ऐसा जनसमर्थन जुटाया कि सरकार आडवाणी का रथ हाजीपुर में रोकने का साहस नहीं जुटा पाई।

विश्व का सबसे ऊंचा पोलिंग स्टेशन, छह महीने बर्फ से रहता है ढका; वोटरों से मिली ईसी की टीम

शिमला, एजेंसी। चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार को विश्व के सबसे ऊंचे पोलिंग स्टेशन टशीगंग पहुंची और यहां के मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। टशीगंग समुद्र तल से 15,256 फीट की ऊंचाई पर स्थित विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है। टाशीगंग शीत मरुथल के नाम से विख्यात लाहुल स्पीति जिले की स्पीति घाटी में स्थित है। साल में छह माह बर्फ से ढका रहता हैं। यहां ऑक्सीजन की कमी होती है।

लाहौल स्पीति के सहायक निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने यहां के स्थानीय मतदाताओं के साथ विशेष बैठक कर उनकी मांगो को सुना। उन्होंने लोगों को लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के पक्ष पर विचार करने का आश्वासन दिया है। बैठक में टाशीगंग गांव के लोक निर्माण विभाग के अस्थाई तौर पर काम करने वाले 13 पूर्व दैनिक वेतन भोगी मजदूर और उनके परिजन विशेष तौर पर मौजूद रहे। सहायक

निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ पूर्व दिहाड़ीदार मजदूरों के साथ भी बैठक की गई। उन्होंने प्रशासन के पक्ष में विचार करने का आश्वासन दिया है। हमने लोगों को बताया कि पूरी दुनिया में टाशीगंग में 100 प्रतिशत मतदान के लिए जाना जाता है। इस परंपरा को जीवित रखते हुए है एक फिर इतिहास रचते हुए लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। बता दें कि वर्ष 2019 से पहले विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र लाहुल स?पीति जिले में स्थित हिक्किम था। लेकिन 2019 में टाशीगंग को मतदान केंद्र बना दिया गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां 45 मतदाता थे। इनमें 27 पुरुष और 18 महिला मतदाता थे। मंडी संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में 48 मतदाता थे, जिनमें 29 पुरुष और 22 महिलाएं शामिल थीं। 2022 के विधानसभा चुनावों में 52 मतदाता थे इनमें 30 पुरुष और 22 महिलाएं हैं। इस बार भी यहां पर 52 मतदाता है।

कांग्रेस नेता की बेटी का दिनदहाड़े मर्डर, कॉलेज में आशिक ने एकतरफ प्यार में चाकू घोंपकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। हुबली (कर्नाटक)। कर्नाटक में हु कॉलेज कैंपस में एक छात्रा की हत्या के मामले ने राजनी तूल पकड़ लिया है। हालांकि, पुलिस ने एक घंटे में ही आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एबीवीपी इस घटना को ले प्रदर्शन कर रही है। हुबली परिसर में एक कॉलेज छात्र की ह पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, बीजेपी यह दिख डराने की कोशिश कर रही है कि कर्नाटक में कोई कान व्यवस्था नहीं है। कर्नाटक में सबसे अच्छी कानून-व्यवस्थ वे मतदाताओं को सिर्फ यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि राज्य में राज्यपाल शासन लगाने जा रहे हैं, वे ऐसा नहीं सकते। कानून हर किसी के लिए अपना काम करेगा। इधर, ह की हत्या पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा, जो हत्या हुई व्यक्तिगत कारणों से हुई। कर्नाटक में कानून व्यवस्था की सि बहुत अच्छी है, कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारा कर्तव और हम इसके लिए काम कर रहे हैं। परिसर में एक कॉलेज की हत्या पर हुबली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुम कहा, इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और एक के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायि हिरासत में भेज दिया गया है। यह बहुत ही गंभीर मामला है हम जांच कर रहे हैं, जांच के दौरान सब कुछ सामने आ जा मृतक लड़की के पिता के अनुसार, एक मुस्लिम युवक जो उनकी बेटी का दोस्त था। वह छात्रा से एकतरफा प्यार करता लेकिन छात्रा ने उसे इनकार कर दिया था। इसकी खुन्नस उसने उसकी चाकू घोंपकर हत्या कर दी। लड़की के पित बताया कि उन्होंने उक्त लड़के को समझाया था कि उस प्रस्ताव हम स्वीकार नहीं कर सकते।

गाजियाबाद में पीएम श्री योजना में 7 और स्कूल शामिल, संख्या बढ़कर हुई 11

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद जिले में पीएम श्री स्कूलों की संख्या बढ़कर अब 11 हो गई है। पिछले साल पीएम श्री के तहत चार स्कूलों का चयन किया गया था। अब इस योजना के दूसरे चरण में जिले के सात और स्कूलों को भी शामिल किया गया है। इससे सहूलियत मिल सकेगी। ऐसे में जिले के सरकारी स्कूलों की दशा सुधरने वाली है। उम्मीद है जिले के कुछ और सरकारी स्कूलों को भी ऐसी ही योजनाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इन स्कूलों की स्थिति सुधरेगी तो इनमें पढ़ने वाले छात्रों के शैक्षिक स्तर में भी सुधार आएगा।

पीएम श्री योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों का चुनाव कर उनकी दशा और दिशा सुधारने की कवायद की जा रही है। ये स्कूल 12वीं तक होंगे और इन स्कूलों में सभी सुविधाएं कॉन्वेंट स्कूलों वाली होंगी। यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाएगा। कुल मिलाकर हाईटेक सुविधाओं के साथ छात्र यहां पढ़ाई करेंगे। इस योजना की शुरुआत पिछले साल हुई थी।

भूखा मर रहा पाकिस्तान, भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री अनाज: योगी आदित्यनाथ

अमरोहा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लगो भूख से लड़ रहे हैं, वहीं भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी का नारा फिर एक बार मोदी सरकार पूरे देश में गूंज रहा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अमरोहा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित रैली में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह बात कही है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की आबादी मुश्किल से 23-24 करोड़ है। 1947 में विभाजन के बाद बना था। आज भूख से पीड़ित है। मुफ्त राशन देने का वादा है। आपको बता दें कि भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में अगले पांच वर्षों तक देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देना जारी रखने का वादा किया है।

दिल्ली में खराब ट्रैफिक सिग्नल ठीक कराएं एलजी, शाहपु जट के ग्रामीणों की पीआईएल पर हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने गांव के खराब ट्रैफिक सिग्नल को ठीक कराने निकले एक गांव के लोग पूरी दिल्ली की मुहिम का हिस्सा बन गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने ग्रामीणों की जनहित याचिका पर उपराज्यपाल को निर्देश दिए हैं कि वह राजधानी की खराब लालबत्तियों को शीघ्र सुधरवाने के लिए कानून के हिसाब से विचार करें। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने कहा कि जनहित याचिका में एक वाजिब मसला उठाया गया है। हालांकि, शाहपुर जट गांव के लोगों ने अपने गांव के ट्रैफिक सिग्नल के एक महीने से ज्यादा समय तक खराब होने की बात सबसे पहले की थी। उसके बाद पूरी दिल्ली में खराब सिग्नल व सड़कों को ठीक करने की मांग गई। शाहपुर जट के सिग्नल के ठीक होने की रिपोर्ट बेंच के समक्ष पेश कर दी गई है। इसलिए गांववासियों की पहली मांग पूरी हो गई है। अब मुद्दा राजधानी के ट्रैफिक सिग्नल व सड़कों की सुरक्षा को

लेकर है। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को इस तरह ध्यान देने उचित आदेश पारित करने को कहा जा रहा है। साथ ही, बेंच ने इस निर्देश के साथ याचिका का निपटारा कर दिया है।

शिकायतों पर ध्यान नहीं देने का आरोप = शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि उनके गांव के प्रवेश मार्ग का ट्रैफिक सिग्नल मार्च 2024 से खराब है। इस वजह से ग्रामीणों की जान का जोखिम बना रहता है। इसकी शिकायत उन्होंने 9 अप्रैल 2024 को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के स्पेशल कमिश्नर से की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद 14 अप्रैल 2024 को उपराज्यपाल से गुहार लगाई, परंतु नतीजा सिफर रहा।

जनहित याचिका में शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से पूरी दिल्ली के लिए दो मांग रखी गई। पहली मांग, राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की दो समितियां बनाने की थी। एक समिति राज्य स्तर पर व दूसरी समिति जिला स्तर पर बनाने की मांग रखी गई। इन समितियों में दिल्ली पुलिस, दिल्ली विक प्राधिकरण व दिल्ली नगर निगम अधिकारियों को शामिल करने बात रखी गई, ताकि ये स समितियां अपने स्तर पर राजध के तमाम ट्रैफिक सिग्नल रखरखाव व सड़कों की सुरक्षा निरंतर निगरानी रखें। साथ सुनिश्चित करें कि आम आ को कोई असुविधा ना हो। दू मांग यह रखी गई कि यदि दिल्ली कोई ट्रैफिक सिग्नल 24 घंटे ज्यादा समय खराब रहता है ट्रैफिक पुलिस का एक वरि अधिकारी को वहां तैनात कि जाए। वह खराब बत्ती की ट्रैफि व्यवस्था को तब तक संभाल जब तक सिग्नल ठीक ना हो ज वाहनों की आवाजाही को नि के अनुसार संभालेगा। साथ पैदल यात्रियों का विशेष ध रखेगा। वहीं, नोएडा-बदरपुर जसोला-नोएडा मार्ग पर जाम हादसों से निपटने के लिए यू- पर लालबत्ती लगाई गई है। दोनों जगहों पर यू-टर्न लेने के लालबत्ती पर रुकना पड़ेगा।

राष्ट्रपति जरदारी के अभिभाषण पर हंगामा, संसद में लगे गो जरदारी गो के नारे; दो सांसद निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में नई सरकार तो बन गई है, लेकिन विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। गुरुवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। यहां राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सदन में जमकर हंगामा हुआ। हालांकि, अगले दिन यानी शुक्रवार को हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को गुरुवार को उस समय जोरदार विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा, जब वह संसद के दोनों सदनों सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।अधिकारियों ने नए संसदीय वर्ष की शुरुआत के मौके पर संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान संसद में हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया।

बता दें, प्रदर्शन किसी और ने नहीं बल्कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसदों और सुन्नी इत्तेहाद कार्उसिल (एसआईसी) ने किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने सांसद जमशेद दस्ती और मुहम्मद

इकबाल खान के खिलाफ कार्रवाई की। बताया जा रहा कि हंगामा करने वालों में दर्जनों लोग शामिल थे। यह लोग राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान लगातार गो जरदारी गो का नारा लगाते रहे। हालांकि, राष्ट्रपति ने कुछ भी नहीं कहा और मुस्कुराते रहे। नेशनल असेंबली ने शुक्रवार के सत्र में दो सांसदों के निलंबन का प्रस्ताव अध्यक्ष सादिक के सामने रखा, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। प्रस्ताव में कहा गया था कि जमशेद दस्ती और मोहम्मद इकबाल ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकी भरे अंदाज में अध्यक्ष के मंच पर पहुंचे, जो अस्वीकार्य है। इस पर नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने विधानसभा के मौजूदा सत्र से दोनों सांसदों की सदस्यता वापस लेने का आदेश दिया।

अमेरिका में भारतीय छात्र की मौत, ब्ल व्हेल गेम से जुड़ी होने की संभावना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रथम वर्ष के एक छात्र ने एक गेम खेलते-खेलते अपनी जान दे दी। घटना मार्च की बताई जा रही है। ऐसी आशंका है कि मौत के इस मामले के पीछे ब्लू व्हेल चैलेंज ऑनलाइन गेम था, जिसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है।

20 वर्षीय मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष का छात्र 8 मार्च को मृत मिला था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट का कहना है कि मामले की जांच आत्महत्या के एंगल से की जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में कहा जा रहा था कि छात्र की हत्या की गई है। छात्र को लूटा गया और फिर हत्या कर उसके शव को जंगल में फेंक दिया गया। छात्र का शव जंगल में कार में मिला था। बोस्टन ग्लोब अखबार ने बाद में छात्र की पहचान उसके नाम से की। हालांकि, परिवार की इच्छा को देखते हुए आईएएनएस नाम नहीं बता रहा है। लेकिन दुनिया भर में नाबालिगों और युवाओं को शिकार बनाने के लिए जाने जाने वाले इस खतरनाक गेम को खेलते समय, भारत और विदेश में भारतीय छात्रों और नाबालिगों और अभिभावकों के लिए एक सतर्क घटना के रूप में रिपोर्ट किए

जाने की जरूरत है। ब्लू व्हेल चैलेंज ऑनलाइन गेम है, जिसमें प्रतिभा (पार्टिसिपेंट) को एक चैलेंज दिया जाता इस गेम में 50 स्टेप्स हैं, जो धीरे-धीरे क होते जाते हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुस चैलेंज के तौर पर छात्र ने दो मिनट तक स रोक कर रखीं। भारत के लिए ब्लू व्हेल चु से मौत की यह पहली घटना हो सकती भारत सरकार कई साल पहले ब्लू व्हेल चै पर प्रतिबंध लगाना चाहती थी, लेकिन इ बजाय एक एडवाइजरी जारी कर छोड़ दि गया। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सू प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गेम के शुरू होने के साल बाद 2017 में जारी एक एडवाइजर कहा, ब्लू व्हेल गेम (सुसाइड गे आत्महत्या के लिए उकसाने वाला है।

पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल बनाने में मदद करने का आरोप, अमेरिका ने चार कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यह प्रतिबंध पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल के पुर्जे मुहैया कराने के लिए लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट की शी, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड का नाम शामिल है। वहीं बेलारूस की मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन चारों कंपनियों पर पाकिस्तान के

बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने का आरोप है। मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां भारी तबाही वाले हथियारों के प्रसार में शामिल पाई गई हैं। जिसके चलते इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए विशेष व्हीकल चेसिस मुहैया कर रही थी। ये चेसिस बैलिस्टिक मिसाइल में लॉन्च सपोर्ट में इस्तेमाल होता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि चीन की कंपनी ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड, पाकिस्तान में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करने वाले निकाय नेशनल डेवलेपमेंट कॉम्प्लैक्स (एनडीसी) को फिलामेंट विंडिंग मशीन मुहैया कर रही थी। यह मशीन रॉकेट मोटर में इस्तेमाल की जा रही थी। चीन की ही कंपनी तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड पाकिस्तान को वेल्डिंग संबंधी औजार और एक्सीलेटर सिस्टम देने में संलिप्त पाई गई। तियानजिन कंपनी का संबंध चीन की सेना के साथ भी पाया गया है। प्रतिबंध के तहत इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद संपत्ति को जब्त किया जाएगा। कंपनी के मालिक और बड़े हिस्सेदारों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे पहले भी अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने के आरोप में तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था। ये तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट लिमिटेड और चांगझो यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड है।

टॉयलेट क्लीनर मिलाकर बुशरा बीबी क पाकिस्तान की जेल में दिया जा रहा खान इमरान खान ने लगाए आरोप

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इन संकट में घिरे हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया था। वह खुद पहले से ही जेल में बंद है। इमरान ने इस बीच पाकिस्तान एक अदालत को बता है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्ल मिलाकर खाना दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया यही कारण है कि उ पत्नी के पेट में रोजाना जलन होती है। पाकिस्तान में कई मामलों में ठहराए गए क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने रावलपिंडी अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले सुनवाई के दौरान यह आरोप लगाया। इमरान खान ने न्यायाध नासिर जावेद राणा को बताया कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दी खड़ी की गई हैं, जिससे यह एक बंद अदालत जैसा प्रतीत होता इमरान खान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के मुख्य चिकि अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में बु बीबी के स्वास्थ्य परीक्षण कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने व जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइं (पीआईएमएस) अस्पताल में परीक्षण करने पर अड़ा हुआ था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129